हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे नवा रायपुर में ब्रम्हाकुमारी संस्थान के नए भवन का उद्घाटन

पांच दिन से रंगोली तैयार कर रहे स्थानीय कलाकार हितेन्द्र

दो एकड़ में बना ऐसा भवन, जहां शिखर पर होगी शांति, यहां मोदी और दादी जानकी की 1600 फीट में बन रही रंगोली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्रम्हाकुमारी संस्थान के जिस शांति शिखर भवन का लोकार्पण करेंगे, वहां 1600 फीट में बनाई जा रही रंगोली मुख्य आकर्षण का केंद्र होगी। स्थानीय आर्टिस्ट पांच दिन की मेहनत से रंगोली से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी जानकी की तस्वीर बना रहे हैं। आध्यात्मिक संस्थान ब्रम्हाकुमारी के इस नए भवन के मेडिटेशन में प्रधानमंत्री कुछ देर शामिल होंगे। मोदी एक नवंबर को रायपुर प्रवास के दौरान नवा रायपुर में ब्रम्हाकुमारी संस्थान द्वारा बनाए गए आध्यात्मिक केंद्र शांति शिखर का ▶▶|शेष पेज 7 पर

भवन के बाहर विशाल सभा स्थल

आयोजित कार्यक्रम के लिए शांति शिखर भवन में विशाल सभा स्थल तैयार किया जा रहा है। कार्यक्रम में संस्थान के मुख्यालय माउंट आबू की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका जयंती दीदी सहित देशभर से आने वाले आगंतुक सहित स्थानीय लोग शामिल होंगे। इसे ध्यान में रखते हुए पांच हजार की क्षमता वाला सभा ▶▶|शेष पेज 7 पर

छत्तीसगढ़ का मुख्यालय होगा

शांति शिखर भवन में मेडिटेशन की नियमित क्लासेस के साथ समय-समय पर विभिन्न वृहद आयोजन भी किए जाएंगे। यह भवन छत्तीसगढ़ का मुख्यालय के रूप मे कार्य करेगा। यहां पर लोगों को मन की शांति के लिये राजयोग शिविर तथा विभिन्न वर्गों के लिये सम्मेलन, नैतिक एवं आध्यात्मिक प्रशिक्षण ▶▶|शेष पेज 7 पर

आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट* (75.00%) = ₹88182/-

22 कैरेट रेट* (91.60%) = ₹107700/-

24 कैरेट रेट* (99.99%) = ₹117564/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

aNaND Jewels Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

वांगचुक की हिरासत पर केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोनम वांगचुक की पत्नी की संशोधित याचिका पर केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा। इसमें जलवायु कार्यकर्ता की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत को अवैध, मनमाना कृत्य बताया गया है। पीठ ने 10 दिन के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा। सुनवाई 24 नवंबर के लिए निर्धारित की।

10 दिसंबर तक दाखिल कर सकेंगे आईटीआर

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने बुधवार को आकलन वर्ष 2025-26 के लिए कंपनियों और ऑडिट की जरूरत वाले करदाताओं के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा बढ़ाकर 10 दिसंबर कर दी। बोर्ड ने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की निर्धारित तिथि को 31 अक्टूबर से बढ़ाकर अब 10 दिसंबर, 2025 कर दिया है। ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की अंतिम तिथि भी 10 नवंबर तय की गई है।

चारधाम यात्रा में 50 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे

देहरादून। इस साल मानसून में आपदाओं के कहर से बार-बार प्रभावित होने के बावजूद उत्तराखंड की चारधाम यात्रा में पहुंचने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 50 लाख के पार चली गई। मंगलवार शाम सात बजे तक उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में चार धामों—गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ तथा हेमकुंड साहिब में कुल मिलाकर 50,12,970 श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच चुके थे।

एसयूवी के पलटने से तीन की मौत, चार घायल

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक एसयूवी के पलट जाने से उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

गुजरात में पंजीकृत एसयूवी मंगलवार रात करीब 11 बजे येओला तालुका में नासिक-छत्रपति संभाजीनगर राजमार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। रायते और एरंडगांव शिवार की सीमा पर साईं पूजा होटल के पास एक दोपहिया वाहन को बचाने की कोशिश में एसयूवी चला रहे व्यक्ति ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया।

अलग-अलग संगठन से जुड़े हुए थे यह सभी माओवादी, इन पर 66 लाख का ईनाम

नक्सलियों की टूट रही कमर, एक और बड़ी खेप का समर्पण, 51 ने डाले हथियार

नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। नक्सल विरोधी अभियान के तहत बुधवार को 51 नक्सलियों ने पुलिसकर्मियों के सामने सरेंडर कर दिया है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों ने 9 महिलाएं और 42 पुरुष माओवादी शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों पर कुल 66 लाख रुपए का ईनाम घोषित किया गया था।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपालपटनम

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार की नक्सल उन्मूलन नीति, शांति, संवाद एवं विकास पर केंद्रित निरंतर प्रयासों के कारण 51 माओवादी कैडरों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है। 'पूना मारगेमः पुनर्वास से पुनर्जीवन' योजना के अंतर्गत 9 महिला एवं 42 पुरुष नक्सलियों ने अपने हथियार डाल दिए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि सरेंडर करने वाले माओवादी अलग-अलग संगठन के हैं। पीएलजीए बटालियन के सदस्य, एसीएम, प्लाटून एवं एरिया कमेटी पार्टी सदस्य, एलओएस सदस्य, मिलिशिया प्लाटून कमांडर, मिलिशिया प्लाटून सदस्य, जनताना सरकार, ▶▶|शेष पेज 7 पर

भ्रामक विचारधारा को त्यागें

पुलिस अधीक्षक डॉ जितेंद्र कुमार यादव ने कहा कि सरकार की पुनर्वास नीति माओवादियों को आकर्षित कर रही है। मुख्यधारा में प्रवेश करने वाले माओवादियों के परिजन भी चाहते हैं कि वे सामान्य जीवन जिएं और समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें। एसपी ने माओवादियों से अपील करते हुए कहा कि वे भ्रामक विचारधाराओं को त्यागें और निर्भय होकर समाज की मुख्यधारा में लौटें, जिससे क्षेत्र में स्थायी शांति और विकास स्थापित हो सके।

अभी तक 461 ने किया सरेंडर

अधिकारियों ने बताया कि साल 2025 में अभी तक बीजापुर जिले में 461 माओवादियों ने सरेंडर किया है। वहीं, सुरक्षाबल के जवानों ने कार्यवाही करते हुए 138 माओवादियों को एनकाउंटर किया है। जबकि 485 माओवादी गिरफ्तार किये गए हैं। साल 2024 से अब तक बीजापुर जिले में 650 माओवादी मुख्यधारा में शामिल हुए हैं। अलग-अलग एनकाउंटर में 196 माओवादी मारे गए हैं।

बस्तर में पुनर्वास की रोशनी से मिट रहा भय का अंधकार : साय

रायपुर। राज्य सरकार की 'आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025' और 'नियद नेल्ला नार योजना' ने बस्तर अंचल में एक नई क्रांति की शुरुआत की है। इन नीतियों के परिणामस्वरूप माओवाद की हिंसक विचारधारा में लिप्त युवाओं में विश्वास जागा है और वे मुख्यधारा में लौटकर विकास की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बीजापुर जिले में "पूना मारगेम–पुनर्वास से पुनर्जीवन" अभियान के तहत आज सुरक्षा बलों के निरंतर प्रयासों से कुल 66 लाख के इनामी 51 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इन सभी ने संविधान पर आस्था व्यक्त करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में सम्मानजनक जीवन जीने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम इस बात का प्रमाण है कि बस्तर भय और हिंसा के अंधकार से बाहर निकलकर शांति, विश्वास और प्रगति के नए युग में प्रवेश कर रहा है। शासन की संवेदनशील नीतियाँ और मानवीय दृष्टिकोण इस परिवर्तन की ▶▶|शेष पेज 7 पर

■ संवाद, संवेदना और विश्वास की नई धरती बन रहा है बस्तर – मुख्यमंत्री

आईजी ने कहा-सैकड़ों नक्सली मुख्यधारा में आ चुके, ये भी आ जाएं

पोलित ब्यूरो एवं सीसी के 7 लीडर अंडरग्राउंड, समर्पण का अभी मौका, अन्यथा मौत तय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

गुरिल्ला वार युद्ध कॉलेज परिसर कांकेर के अंदर जहां पर नक्सलियों से लड़ने के लिए कई सालों से जवानों को गुरिल्ला वार युद्ध सिखाया जाता रहा है, उसी परिसर में आत्मसमर्पण करने का ऐलान करने वाले नक्सलियों को पहली बार जाने का मौका मिला। केशकाल डिविजन नार्थ सब जोनल ब्यूरो के केशकाल डिविजन के कुएमारी एवं किसकोड़ो एरिया कमेटी में सक्रिय 21 नक्सलियों ने बुधवार को विधिवत आत्मसमर्पण करते हुए संविधान को थाम लिया है। नक्सलियों ने गुरिल्ला वार युद्ध कालेज को देखकर भौचक्के रह गए, जो उनके चेहरे से नजर आ रहा था। ▶▶|शेष पेज 7 पर

पोलित ब्यूरो एवं सीसी की संख्या अब 6 से 7

पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि पोलित ब्यूरो और सेंट्रल कमेटी में 45 सदस्य हुआ करते थे, लेकिन 2025 की शुरूआत में इनकी संख्या घटकर 18 रह गई थी और 2025 में आज की तारीख में महज 6 से 7 सेंट्रल कमेटी और पोलित ब्यूरो मेंबर शेष बचे है। तीन पोलित ब्यूरो में महासचिव त्रिरूपति उर्फ देवू उर्फ संजीव उर्फ चेतन, पूर्व महासचिव मुप्पला लक्ष्मण राव उर्फ गणपति उर्फ रामन्ना उर्फ श्रीनिवास और झारखंड में सक्रिय मिशिर बेसरा उर्फ भास्कर उर्फ सुनील उर्फ विवेक है, वहीं 04 सीसी ▶▶|शेष पेज 7 पर

डीएमएफ घोटाला, कोल, कृषि से जुड़े 14 कारोबारियों के ठिकानों पर ईओडब्लू का धावा

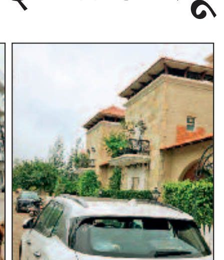

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/भिलाई/राजनांदगांव/धमतरी

खास खबर

पौने छह सौ करोड़ रुपए से ज्यादा डीएमएफ घोटाला में ईओडब्लू तथा एसीबी की टीम ने बुधवार को रायपुर, दुर्ग-भिलाई, राजनांदगांव तथा धमतरी में 14 कृषि उपकरण का कारोबार तथा कोल कारोबार से जुड़े कारोबारियों के ठिकानों पर छापे की कार्रवाई की है। छापे में डीएसपी रैंक के अफसर सहित 60 से ज्यादा ईओडब्लू के अफसर कर्मी शामिल रहे। कार्रवाई सुबह सात बजे से देर शाम तक जारी रही। ईओडब्लू द्वारा जारी बयान के मुताबिक जिन कारोबारियों के ठिकानों पर छापे की कार्रवाई की गई, उनमें रायपुर के छह, दुर्ग-भिलाई के दो तथा राजनांदगांव में पांच ठिकाने शामिल हैं। टीम ने धमतरी में ▶▶|शेष पेज 7 पर

■ रायपुर में 6, दुर्ग-भिलाई 2, राजनांदगांव 5, धमतरी के एक ठिकाने पर कार्रवाई

अहम दस्तावेज जब्त

ईओडब्लू द्वारा जारी बयान के मुताबिक तलाशी के दौरान कारोबारी, ठेकेदारों के निवास तथा ऑफिस से डीएमएफ से जुड़े महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य के साथ बैंक स्टेटमेंट, चल-अचल संपत्ति संबंधी दस्तावेज के अलावा अनेक अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए, जिसका परीक्षण किया जा रहा है। ईओडब्लू ने आशंका जताई है कि इन दस्तावेजों में डीएमएफ से संबंधित राज्य के विभिन्न जिलों के लोकसेवकों को कमीशन देकर कार्यादेश प्राप्त करने के प्रमाण के साथ फर्जी बिलिंग, वाउचर्स, जीएसटी रिटर्न से संबंधी दस्तावेज शामिल हो सकता है।

यह है डीएमएफ घोटाला

ईडी के प्रतिवेदन के आधार पर ईओडब्लू ने डीएमएफ घोटाला में अपराध दर्ज किया है। जांच में ईओडब्लू ने पाया कि डिस्ट्रिक्ट माइनिंग फंड कोरबा के फंड से अलग-अलग टेंडर आवंटन में बड़े पैमाने पर घोटाला किया गया। कमीशन के आधार पर टेंडर भरने वालों को अवैध लाभ पहुंचाया गया। ईडी के तथ्यों के अनुसार टेंडर करने वाले संजय शिंदे, अशोक कुमार अग्रवाल, मुकेश कुमार अग्रवाल, ऋषभ सोनी और बिचौलिया मनोज कुमार द्विवेदी, रवि शर्मा, पियूष सोनी, पियूष साहू, अब्दुल और शेखर नाम के लोगों के साथ मिलकर पैसे कमाए गए। घोटाला में कलेक्टर को 40%, सीईओ 5%, एसडीओ 3% और ▶▶|शेष पेज 7 पर

देशी टॉक कवि सम्मेलन 6.0 में कवियों ने सुनाए हास्य, वीर रस की कविता, लोट-पोट हुए श्रोता

रायपुर। न्यूज 24 एमपी-सीजी, लल्लूराम डॉट कॉम और मीडिया पार्टनर हरिभूमि का देशी टॉक कवि सम्मेलन 6.0 का बुधवार को बूढ़ातालाब स्थित बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजन हुआ। इस भव्य कवि सम्मेलन में देश के जाने माने लोकप्रिय कवि डॉ. कुमार विश्वास, बिहार से कवयित्री अल्पना आनंद, विनीत चौहान, शंभू शिखर, विनोद पांडेय, रोहित शर्मा, भरत द्विवेदी ने शिरकत की। कवियों ने हास्य, गीत, छंद, व्यंग, वीर रस की कविताओं से श्रोताओं को गुदगुदाया और सामाजिक व राजनीतिक जागृति के लिए उनको आंदोलित किया। कवि सम्मेलन में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, विस के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और अरुण साव, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, मंत्री टंकराम वर्मा, श्याम बिहारी जायसवाल समेत कई नेता, विधायक और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। अतिथियों के साथ हरिभूमि आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी और न्यूज 24 व लल्लूराम डॉटकॉम के प्रमुख नमित जैन ने दीप प्रज्ज्वलित कर कवि सम्मेलन का शुभारंभ किया।

अलकनंदा टॉकीज में तत्कालीन कलेक्टर ने की थी तालाबंदी

अंबिकापुर। सरगुजा राजपरिवार के स्वामित्व वाले अलकनंदा टॉकीज का लाइसेंस निरस्त करने के 33 साल पुराने मामले में हाईकोर्ट ने तत्कालीन कलेक्टर टीएस छतवाल को दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई का दोषी माना है। कोर्ट ने उन्हें ब्याज सहित 34 हजार 795 रुपए राजपरिवार को क्षतिपूर्ति राशि के रूप में अदा करने का आदेश दिया। यह बहुचर्चित मामला वर्ष 1992 का है। 2 मार्च को सरगुजा राजपरिवार के अरुणेश्वर शरण सिंहदेव के स्वामित्व वाले अलकनंदा टॉकीज को नियमानुसार सिनेमा संचालन का लाइसेंस जारी किया गया था। टॉकीज का संचालन उनके बड़े भाई पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव कर रहे थे। उसी दौरान वाड्रफनगर के बिजाकुरा गांव ▶▶|शेष पेज 7 पर

14 साल बाद तोड़ा तेंदुलकर का रिकॉर्ड

रोहित पहली बार नंबर-1 वनडे बल्लेबाज

एजेंसी ▶▶| दुबई

पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को अपने शानदार करियर में पहली बार आईसीसी पुरुष वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस 38 साल के दिग्गज ने सिडनी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे और अंतिम वनडे में यादगार शतक (नाबाद 121) की बदौलत दो स्थान ऊपर चढ़कर इतिहास रच दिया। उनकी इस पारी से भारत ने नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की। इस बीच, रोहित शर्मा ने क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर भी एक रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है।

■ दूसरे नंबर पर अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान हैं

आईसीसी रैंकिंग में टॉप करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

अब रोहित शर्मा आईसीसी की रैंकिंग में टॉप पर पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था। सचिन तेंदुलकर साल 2011 में जब 38 साल और 73 दिन की उम्र के थे, तब उन्होंने आईसीसी रैंकिंग में टॉप किया था। वहीं, बात अगर रोहित शर्मा की करें तो वे जब 38 साल और 182 दिन के हैं, तब उन्होंने आईसीसी रैंकिंग में नंबर वन की कुर्सी पर कब्जा जमाया है।

धरमजयगढ़ वन मंडल अंतर्गत छाल रेंज के औरानारा परिसर में झुंड के साथ तालाब में अटेखलियां करते 7 माह का मादा हाथी शावक अचानक कीचड़ में फंस गया और पानी में डूब कर उसकी मौत हो गई। खास बात है कि ऐसे हादसों को रोकने का कोई उपाय ही नहीं है। पिछले 10 माह में जिले में ही इस तरह की घटनाओं में 6 हाथी शावकों ने अपनी जान गंवाई है।

तालाब में अठखेलियां करते मादा हाथी शावक कीचड़ में फंसा, पानी में डूबकर मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

औरानारा क्षेत्र में कई दिनों से हाथियों का दल विचरण कर रहा है। मंगलवार की शाम करीब 20 हाथियों का दल औरानारा बीट के कक्ष क्रमांक 517 स्थित सरईमुड़ा तालाब नहाने के लिए पहुंचा था। इसी बीच एक मादा हाथी अटखेलियां करती हुए पानी के भीतर कीचड़ में फंस गई और बाहर ही नहीं निकल पाई। हाथी शावक को डूबते देख झुंड के बाकी हाथियों ने उसे खींचने की कोशिश की और तालाब के बाहर किनारे तक लेकर आए। उसे जोर-जोर से हिला-डुला कर भी देखा, लेकिन मादा हाथी की सांसें थम चुकीं थीं। इसके बाद हाथियों का झुंड वहीं पर चिंघाड़ मारते हुए विलाप करने लगा और कुछ घंटे बाद शावक को वहीं छोड़कर जंगल के भीतर चला गया। धरमजयगढ़ वन मंडल के डीएफओ जितेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि रात में हाथियों का दल शोक प्रकट करने के लिए फिर उसी जगह पहुंचा। इसके बाद दल द्वारा रातभर उसकी निगरानी की गई। सुबह ग्रामीणों ने जब हाथियों की चिंघाड़ सुनी तो मामले की सूचना वन विभाग को दी गई।

10 माह में 6 हाथी शावकों ने इसी तरह गंवाई जान

तीन डॉक्टरों की टीम ने किया पीएम

डीएफओ श्री उपाध्याय ने बताया कि जिला स्तर से तीन वेटनरी डॉक्टरों की टीम बनाई गई थी, जोकि बुधवार को मौके पर पहुंची। उनकी निगरानी में हाथी के शव को उठा कर बीट क्वाटर लेकर आया गया। यहां डॉक्टरों द्वारा उसका पीएम कर सैंपल लिया गया और फिर उसका शावक का अंतिम संस्कार कराया गया।

इससे पहले भी हो चुकी हैं घटनाएं

केस-1 इसी साल के 1 जनवरी को रायगढ़ वन मंडल अंतर्गत घरघोड़ा रेंज के पानीखेता स्टाप डैम के दलदल में हाथी के बच्चे का दो से तीन दिन पुराना शव मिला था। इस बात की जानकारी विभाग को भी नहीं थी, जंगल गए ग्रामीणों को तेज बदबू से इसकी जानकारी हुई, फिर इसके बाद मामले का खुलासा हुआ था।

केस-2 22 जनवरी को रायगढ़ वन मंडल अंतर्गत घरघोड़ा वन परिक्षेत्र के पानी खेत गांव में स्टाप डेम में एक हाथी शावक का शव मिला। बताया जा रहा है कि हाथी डेम में दलदल में फंस गया था, जिससे उसकी मौत हो गई। मामले की जानकारी मिलने पर वन अमले द्वारा विधिवत कार्रवाई करते हुए शव का अंतिम संस्कार कराया गया था।

केस - 3

18 मार्च को धरमजयगढ़ वन मंडल के छाल रेंज के अंतर्गत आने वाले कीदा बीट के जामपाली तालाब में हाथी शावक का शव मिलने से हड़कंप मच गया था। ग्रामीणों ने बताया था कि हाथी शावक रात में अपने दल के साथ पानी पीने राजस्व विभाग की जमीन में बने तालाब में आया था और गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई थी।

हाईकोर्ट

छात्राओं का यौन उत्पीड़न शिक्षक को जमानत नहीं

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने नाबालिग छात्राओं के यौन उत्पीड़न का आरोप में गिरफ्तार किए गए शिक्षक की जमानत याचिका खारिज कर दी है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की सिंगल बेंच ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया, हालांकि ट्रायल कोर्ट को मामले की सुनवाई जल्द पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। सकरी के शासकीय प्राथमिक शाला में सातवीं कक्षा की नाबालिग छात्राओं ने उसलापुर के सागरदीप कॉलोनी में रहने वाले शिक्षक राममूरत कौशिक पर यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। घटना 1 अक्टूबर 2024 से 18 अक्टूबर 2024 के बीच की होने की जानकारी दी थी। स्कूल के हेड मास्टर गोरेलाल कश्यप ने 24 अप्रैल 2025 को सकरी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी शिक्षक को बीएनएस की धारा 75(1) और पॉक्सो एक्ट की धारा 8 के तहत जुर्म दर्ज करते हुए गिरफ्तार किया गया था। आरोपी ने हाई कोर्ट में जमानत याचिका लगाई थी। तर्क दिया कि उन पर झूठा आरोप लगाया गया है। घटना के कई महीनों बाद एफआईआर दर्ज करवाई गई। यह भी कहा कि हेड मास्टर ने व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण झूठी शिकायत दर्ज करवाई।

11 साल बाद बेटी ने मांगी अनुकंपा नियुक्ति, खारिज

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने आश्रित/ अनुकंपा नियुक्ति की मांग करते हुए लगाई गई विवाहित बेटी और उसकी मां की अपील खारिज कर दी। हाईकोर्ट के डिवीजन बेंच ने कर्मचारी की मौत के 11 साल बाद किए गए दावे को समय सीमा से बहुत अधिक माना। कहा कि इतनी देरी से योजना का उद्देश्य ही खत्म हो जाता है। एसईसीएल के एसडीएल ऑपरेटर स्व. इंजार साय, की ड्यूटी के दौरान 14 अगस्त 2006 को मौत हो गई थी। इसके बाद उनकी दो पत्नियों के बीच विवाद के चलते अनुकंपा नियुक्ति का मामला वर्षों तक अदालतों में अटका रहा। एसईसीएल ने पहली पत्नी शांति देवी का आवेदन 2009 में यह कहते हुए खारिज किया था कि दोनों पत्नियों के विवाद का निपटारा पहले कोर्ट में हो। सिविल कोर्ट में मुकदमे और डिक्री के बाद भी कानूनी स्थिति स्पष्ट न होने पर मामला लंबा खिंचता गया। इसी दौरान दूसरी पत्नी इंद्रकुंवर ने 17 अप्रैल 2017 को अपनी विवाहित बेटी, प्रवीण के नाम से अनुकंपा नियुक्ति मांगी।

औसत वार्षिक वर्षा 995 मिमी, इस साल हुई मात्र 600 मिमी

जलसंकट से जूझ रहे बेमेतरा जिले की सभी 425 पंचायतों में रबी का धान नहीं लगाने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा

जिला एक कृषि प्रधान जिला है। यहां की 80 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या कृषि कार्य पर निर्भर है। जिले का कुल खरीफ रकबा 2.25 लाख हेक्टेयर है, जिसमें लगभग 2.05 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में धान की खेती की जाती है। बेमेतरा जिला वर्षा छाया क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहाँ औसत वार्षिक वर्षा 995 मि.मी. होती है। वर्ष 2024-25 में जिले में मात्र 600 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई, जिससे जल संकट उत्पन्न हुआ। रबी मौसम में 1.73 लाख हेक्टेयर रकबे में से 26,680 हेक्टेयर में ग्रीष्मकालीन धान की खेती की गई थी। ग्रीष्मकालीन धान की फसल को औसतन 100 से.मी. पानी की आवश्यकता होती है, जिसकी पूर्ति मुख्य रूप से भूमिगत जल से की जाती है। 1 किलोग्राम धान उत्पादन के लिए लगभग 2500 से 3000 लीटर पानी की जरुरत होती है।

अलग खबर

वर्षा की कमी व भूजल स्तर के लगातार नीचे जाने से परेशान जिले की 425 पंचायतों के किसानों ने गर्मी के धान की फसल नहीं लेने का निर्णय लिया है। दूसरी तरफ कृषि विभाग, विशेषज्ञ और जिला प्रशासन ने भी लोगों से जल संरक्षण में भागीदारी निभाने व किसानों से फसल चक्र अपनाने की अपील की है।

1.73 लाख हेक्टेयर रकबे में से 26,680 हेक्टेयर में ग्रीष्मकालीन धान की खेती की गई

वैज्ञानिक संस्थानों की अनुशंसा

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान कटक ओडिशा ने भी यह अनुशंसा की है कि ग्रीष्मकालीन धान से भूजल का अत्यधिक दोहन होता है, जो दीर्घकाल में पर्यावरण और कृषि दोनों के लिए हानिकारक है। संस्थान ने सुझाव दिया है कि किसान ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर कम पानी वाली वैकल्पिक फसलें जैसे दालें, मक्का, तिलहन आदि की खेती करें।

भूजल दोहन से बढ़ी समस्याएं

वृहद क्षेत्र में ग्रीष्मकालीन धान की खेती के कारण जिले के कई ग्रामों में पीने के पानी तक की किल्लत उत्पन्न हो गई। सैकड़ों हैंडपंप और ट्यूबवेल सूख गए, जिससे ग्रामीणों को जल संकट का सामना करना पड़ा। समूह जल प्रदाय योजनाएं भी प्रभावित हुईं। इससे न केवल जलस्तर में गिरावट आई बल्कि बिजली की खपत बढ़ी। पर्यावरणीय असंतुलन पैदा हुआ और भूमि की उपजाऊ शक्ति में भी कमी आई।

जिले की जनसंख्या एवं प्रशासनिक स्थिति

बेमेतरा जिले की वर्तमान जनसंख्या लगभग 10.84 लाख है, जिसमें 90 प्रतिशत आबादी ग्रामीण है। जिले के चार विकासखण्डों के अंतर्गत 425 ग्राम पंचायतें आती हैं। वर्ष 2024-25 के जल संकट और ग्रीष्मकालीन धान से हुए नुकसान को देखते हुए, जिले की सभी 425 ग्राम पंचायतों ने भविष्य में ग्रीष्मकालीन धान की खेती नहीं करने का सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया है। ग्राम पंचायतों ने निर्णय लिया है कि अब किसान कम पानी में उपजने वाली वैकल्पिक फसलें अपनाएँगे। यह निर्णय जल संरक्षण और कृषि की दीर्घकालिक स्थिरता की दिशा में एक अभिनव एवं सराहनीय पहल मानी जा रही है।

जल संरक्षण के लिए भागीदारी बढ़ाएं, फसल चक्र अपनाएं

जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा सभी कृषक भाइयों से निम्न अपील की गई है कि ग्रीष्मकालीन धान की बुवाई न करें। इसके स्थान पर मूंग, उड़द, चना, मक्का, सूरजमुखी, सब्जियाँ, तरबूज, खरबूजा जैसी फसलें लें। ये कम पानी में भी सफलतापूर्वक ली जा सकती हैं और अधिक लाभदायक हैं। जल संरक्षण के लिए ड्रिप, स्प्रिंकलर सिंचाई, मल्चिंग और फसल चक्र अपनाएँ। ग्रामीण जल स्रोतों जैसे कुएँ, तालाब, नाला, बंधान आदि के संरक्षण में सामूहिक भागीदारी निभाएँ। हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि भूजल का विवेकपूर्ण उपयोग करें, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी जल और कृषि की स्थिरता बनाए रख सकें। बेमेतरा का यह कदम न केवल जल संरक्षण बल्कि सतत कृषि विकास की दिशा में भी एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

वैकल्पिक फसलों से अधिक आय संभव

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के अनुसार ग्रीष्मकालीन धान से प्रति हेक्टेयर लगभग 40 हजार की शुद्ध आय होती है, जबकि वैकल्पिक फसलों से इससे अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है । अन्य फसल रागी में 72,720, मक्का 1,14,000, सूरज- मुखी 1,08,978, तिल 43,922, मूंग 80,216, मूंगफली 92,997 रुपए प्रति हेक्टेयर आय हो सकती है।

मामले में दो गिरफ्तार

सिगरेट चोरी की सजा, नाबालिग को खंभे से बांधकर बेल्ट से पीटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

चाय दुकान से चोरी करने की बात पर 15 वर्षीय बालक को बदमाशों ने पहले मुक्के से मारा, उसकी नाक फोड़ी। फिर बेस बाल के बेट से पिटाई की । इसके बाद विद्युत खंभे पर बांधकर बेल्ट से काफी देर तक पिटाई करते रहे। क्षेत्र में दहशत बनाने के लिए इस घटना का वीडियो आरोपियों के साथियों ने ही बनाया और सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होते ही शहर में उबाल मच गया और कोतवाली पुलिस सक्रिय हुई और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल 15 वर्षीय नाबालिग बालक कोतरारोड में रहता है। सोमवार की सुबह 4 बजे नाबालिग प्रकाश नेताम निवासी राजीवनगर के पान ठेला से गोली, बिस्किट व सिगरेट की चोरी कर रहा था। प्रकाश नेताम और उसके भाई दीपक नेताम ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद दोनों उसे एक कमरे में ले गए। जहां पहले नाबालिग बालक पर थप्पड़ों की बरसात की गई, इसके बाद मारपीट का वीडियो बनाया गया। इसमें साफ दिख रहा है कि एक आरोपी हाथ में बेस बाल का बेट लिए उससे कुछ पूछता है और अचानक उसके नाक पर मुक्का जड़ देता है। जिससे बच्चे के नाक से खून की धारा बहने लगती है। इसके बाद उसे एक विद्युत पोल में बांध कर बेल्ट से इतना मारा जाता है जब तक कि मारने वाला थक न जाए। इससे बच्चा अधमरा हो जाता है। वीडियो बनाकर आरोपियों ने वायरल भी किया।

माफी मांगता रह गया बालक

वीडियो वायरल होने के साथ ही लोगों में गुस्सा देखा गया। इधर वीडियो कुछ दिन पुराना बताया जा रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि मारपीट करने वाले बच्चे से चोरी के बारे में पूछताछ करते हुए मारपीट कर रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है बालक बार बार हाथ जोड़कर माफी मांगते नजर आ रहा है, लेकिन उसकी पिटाई करने वालों ने उस पर जरा भी रहम की।

नार्थ बस्तर डिवीजन में सक्रिय 21 नक्सलियों ने संविधान पर जताया विश्वास, हथियारों से की तौबा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

जिले में सक्रिय माओवादियों में से 21 हिंसा का मार्ग छोड़कर शासन की आत्मसमर्पण रीति-नीति से प्रभावित होकर समाज की मुख्यधारा में शामिल हुए। जंगलवार कॉलेज सिंगारभाट में बुधवार को बस्तर संभाग के पुलिस अधिकारियों के समक्ष सभी 21 वर्दीधारी माओवादियों को देश के संविधान की प्रति सौंपकर मुख्यधारा में सम्मिलित होने पर स्वागत किया। पांच परगना के मांझी ने फूल देकर स्वागत किया। आईजी सुंदराज पी. ने कहा कि बदलाव की एक सशक्त पहल के तहत केशकाल डिवीजन नार्थ सब जोनल ब्यूरो के केशकाल डिवीजन के कुएमारी एवं किसकोड़ो एरिया कमेटी में सक्रिय 21 नक्सलियों ने 29 अक्टूबर को विधिवत आत्मसमर्पण करते हुए संविधान को थामा। नक्सलियों ने तीन एके 47, 4 एसएलआर, 2 इंसास राइफल, 5 थ्री-नॉट-थ्री राइफल, एक 315 बोर राइफल, 2 सिंगल शॉट राइफल तथा 1 बीएलजी पुलिस को सौंपा।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों पर था 85 लाख का ईनाम

पुनर्वास नीति में नक्सल पीड़ितों को मिली नौकरी

कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति के तहत मुख्यधारा में लौटे 13 माओवादियों को शासकीय सेवा के लिए नियुक्ति प्रदान की गई है। इसी तरह 36 को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत किया गया है। मुख्यधारा में लौटे युवाओं को विभिन्न रोजगार एवं आजीविका मूलक गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके अलावा दुर्गम एवं बीहड़ क्षेत्रों में 150 करोड़ रुपए की लागत से 40 पुल-पुलिया स्वीकृत किए गए हैं।

यह अधिकारी कार्यक्रम में रहे शामिल

इस अवसर पर एस.के. लामा निदेशक सीटीजेडब्ल्यू कॉलेज, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई. कल्याण ऐलिसेला, विपुल मोहन बाला उप महानिरीक्षक बीएसएफ सेक्टर कन्हारगांव भानुप्रतापपुर, रंजीत सिंह उप महानिरीक्षक एसएसबी सेक्टर भिलाई, यदुवली अक्षय कुमार सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर, पी.डी. चंद्रा पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव, त्रिलोक बंसल पुलिस अधीक्षक एसटीएफ बघेरा दुर्ग, एएसपी भानुप्रतापपुर आईपीएस आकाश श्रीश्रीमाल, जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी, एएसपी कांकेर दिनेश सिन्हा, एएसपी अंतागढ़ आशीष बंछोर, एएसपी पखांजुर राकेश कुर्रे एवं जिले के एसडीओपी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

दो महीने में साढ़े पांच हजार से अधिक रजिस्ट्री

नवरात्रि से दीपावली तक रजिस्ट्री में बूम, 108 करोड़ से अधिक की आय

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर में इस बार त्योहारी सीजन शारदीय नवरात्रि एवं दीपावली के महीने में प्रॉपर्टी की जमकर खरीदी-बिक्री हुई, जिससे रजिस्ट्री में भी बूम रहा। इन दो माह के दौरान साढ़े 5536 रजिसट्रियां हुई हैं, जिससे पंजीयन विभाग ने 108 करोड़ 38 लाख 86 हजार 869 रुपए की कमाई की है। इसमें नवरात्रि माह के दौरान 3228 रजिस्ट्री से 61 करोड़ 66 लाख 14 हजार 825 रुपए की आय तथा दीपावली महीने में 2308 रजिसट्रियों से 46 करोड़ 72 लाख 72 हजार 44 रुपए की आय हुई है। इस तरह दीपावली से नवरात्रि में रजिस्ट्री के साथ आय भी ज्यादा हुई है।

खास खबर

दो माह में साढ़े पांच हजार से अधिक रजिस्ट्री

त्योहारी सीजन का महीना होने के कारण सितंबर और अक्टूबर में अच्छी रजिस्ट्री हुई है। इन दो माह में साढ़े पांच हजार से अधिक रजिस्ट्री हुई है, जिससे 108 करोड़ रुपए से अधिक आय हुई है। - विनोच कोचे, पंजीयक रायपुर

नवरात्रि- दिवाली में पंजीयन शुल्क से 37 करोड़ से अधिक की आय

रजिस्ट्री दफ्तर से मिले आंकड़ों के अनुसार नवरात्रि के सितंबर महीने में 1 तारीख से 30 तारीख तक 3228 रजिस्ट्री हुई हैं। इस रजिस्ट्री से पंजीयन शुल्क के रूप में 21 करोड़ 82 लाख 98 हजार 508 रुपए तथा मुद्रांक शुल्क से 39 करोड़ 83 लाख 16 हजार 316 रुपए विभाग को प्राप्त हुए हैं। हालांकि इस माह में नवरात्रि के शुभ मुहूर्त में बहुत कम रजिस्ट्री हुई है। नवरात्रि के 10 दिनों में से 6 दिन ही पंजीयन कार्यालय खुले रहे हैं, वहीं 4 दिन अवकाश रहा। इस तरह 6 दिनों में मात्र 1012 रजिस्ट्री हो पाई, जिससे 20 करोड़ रुपए से अधिक आय हो पाई। दीपावली माह अक्टूबर में कुल 2308 रजिस्ट्री हुई है। यह रजिस्ट्री 1 तारीख से लेकर 24 तारीख तक की है। इस रजिस्ट्री से पंजीयन शुल्क 16 करोड़ 45 लाख 18 हजार 949 रुपए तथा मुद्रांक शुल्क से 30 करोड़ 27 लाख 53 हजार 95 रुपए की आय हुई है। इस तरह 47 करोड़ 72 लाख 72 हजार 44 रुपए की आय हुई है।

रायपुर
गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025
कार्तिक शुक्ल पक्ष नवमी
वर्ष : 24, अंक : 101
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 30.0
न्यून. 23.2

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

03 राजगद्दी के लिए ताकत झोकेंगी भारती देवी

विचार पेज
4 भाजपा ने नेतृत्व को पुनर्परिभाषित किया

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

आर्य महासम्मेलन में शामिल होंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के मौके पर यहां आयोजित

अंतरराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन को शुक्रवार को संबोधित करेंगे। सम्मेलन में भारत और विदेशों में स्थित आर्य समाज की इकाइयों के प्रतिनिधि जुटेंगे। महर्षि दयानंद के सुधारवादी आदर्शों और संगठन की वैश्विक पहुंच प्रदर्शित होगी। इस महासम्मेलन में "सेवा के 150 स्वर्णिम वर्ष" शीर्षक से एक प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी, जिसमें शिक्षा, समाज सुधार और आध्यात्मिक उत्थान में योगदान के माध्यम से आर्य समाज की परिवर्तन की यात्रा को प्रदर्शित किया जाएगा।

एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सीईओ शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति का बड़ा ऐलान

ट्रंप ने कहा-मोदी से बेहद स्नेह, भारत के साथ अमेरिका कर रहा व्यापार समझौता

एजेंसी ▶▶| सियोल

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और भारत के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर जारी बातचीत के बीच बुधवार को कहा, अमेरिका, भारत के साथ व्यापार समझौता कर रहा है। दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में आयोजित एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) सीईओ शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति उनके मन में बहुत सम्मान एवं स्नेह है। ट्रंप ने कहा, यदि आप भारत और पाकिस्तान की बात करें... तो मैं भारत के साथ व्यापार समझौता कर रहा हूं और जैसा कि आप जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए मेरे मन में बेहद सम्मान एवं स्नेह है, हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। इसके बाद व्यापार समझौते के विषय पर अधिक विस्तार ▶▶ शेष पेज 7 पर

ऐसा दावा भारत-पाक संघर्ष के दौरान मार गिराए गए थे सात नए विमान
दो परमाणु शक्ति देशों के बीच रुकवाया था सैन्य संघर्ष

प्रधानमंत्री की जमकर तारीफ

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, प्रधानमंत्री मोदी बहुत ही उम्दा व्यक्ति हैं। वह ऐसे व्यक्ति हैं जिनमें आप अपने पिता की छवि देखते हैं। वह बहुत प्रभावी हैं। वह बहुत सख्त हैं। ट्रंप जापान से बुधवार सुबह दक्षिण कोरिया पहुंचे जो एशिया के तीन देशों की उनकी यात्रा का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि उनके प्रधानमंत्री मोदी के साथ 'बेहतरीन संबंध' हैं और यह दोहराया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को रोकने के लिए व्यापार का सहारा लिया था।

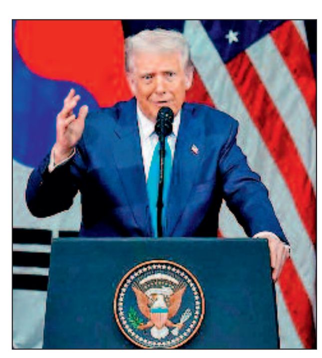

फिर कहा, मैंने रुकवाया भारत-पाक संघर्ष

भारत-पाकिस्तान संघर्ष पर एक बार फिर टिप्पणी करते हुए ट्रंप ने फिर दावा किया कि उन्होंने दोनों देशों के बीच हाल में हुई सैन्य झड़प रुकवाई थी। इससे कुछ घंटे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी दावा किया कि सात से 10 मई के बीच 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान 'सात बिल्कुल नए' विमान मार गिराए गए थे। ट्रंप कई बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान संघर्ष को 'सुलझाने में मदद की।

इधर, छह साल बाद आज मिलेंगे ट्रंप-जिनपिंग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गुरुवार को दक्षिण कोरिया में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करने वाले हैं। यह बैठक एशिया पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन समिट के दौरान होगी। गुरुवार को ट्रंप के एशिया दौरे का आखिरी दिन है। यह उनकी शी जिनपिंग के साथ दूसरे कार्यकाल में पहली मुलाकात होगी। इससे पहले दोनों 6 साल पहले मिले थे। ट्रंप ने साउथ कोरिया दौरे से पहले कहा कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हमारे पास बात करने के लिए बहुत कुछ है।

'मोंथा' से आंध्र-तेलंगाना-ओडिशा में तबाही, बस्तर में आज ट्रेनें रद्द

एजेंसी ▶▶| अमरावती/भुवनेश्वर

आंध्र प्रदेश के तट से मंगलवार आधी रात गुज़रे चक्रवाती तूफ़ान 'मोंथा' के कारण तीन लोगों की मौत हो गई और 1.50 लाख एकड़ से ज्यादा जमीन पर खड़ी फ़सलें बर्बाद हो गईं तथा विद्युत एवं परिवहन व्यवस्था बाधित हो गई। सरकार ने कहा कि एहतियाती उपायों के चलते नुकसान काफी कम रहा। पड़ोसी तेलंगाना में भी भारी बारिश हुई।

■ सड़कें जलमग्न फसलें क्षतिग्रस्त, महिला की मौत

ओडिशा में सड़कें, पुल और मकान क्षतिग्रस्त

चक्रवाती तूफान मोंथा के कमजोर होकर गहरे दबाव वाला क्षेत्र में बदलने के बीच ओडिशा के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हुई और भूस्खलन के कारण दक्षिणी जिलों में सड़कें, पुल और मकान क्षतिग्रस्त हो गए। चक्रवात मोंथा ने अपना मार्ग बदल लिया और आंध्र प्रदेश में काकीनाडा के बजाय अमलापुरम के पास तट से टकराया, जिससे ओडिशा पर इसका संभावित प्रभाव कम हो गया।

ऐसी आफत

- ▶▶ आंध्रप्रदेश में तीन लोगों की मौत
- ▶▶ 1.50 लाख एकड़ फसल बर्बाद
- ▶▶ छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ा चक्रवात
- ▶▶ भूस्खलन से सड़कें, पुल और घर क्षतिग्रस्त

बस्तर में भू-स्खलन

जगदलपुर। बंगाल की खाड़ी में विकसित चक्रवाती तूफान मोंथा का असर बस्तर में दिखाई दे रहा है। भारी बारिश के कारण घाट सेक्शन में भू-स्खलन हुआ। इसके कारण 29 और 30 अक्टूबर को किरंदुल से विशाखापट्टनम पैसेंजर और नाइट एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया है। बुधवार को दिनभर 24 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं और रुक-रुककर हुई बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया है।

मस्तूरी गोलीकांड
गिरफ्तार आरोपियों में दो नाबालिग भी शामिल

100 सीसीटीवी फुटेज खंगालकर पुलिस ने 7 आरोपियों को पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

मस्तूरी में मंगलवार देर शाम हुए गोलीकांड मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। घटनास्थल और आसपास लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों से हमलावरों की पहचान की गई, पुलिस ने मामले में 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें दो नाबालिग हैं। आरोपियों के पास से भारी मात्रा में हथियार जब्त किए गए हैं। नकाबपोशों द्वारा ▶▶ शेष पेज 7 पर

हरिभूमि फॉलोअप

बाइक से आए तीन नकाबपोशों ने सात पर की 15 राउंड फायरिंग, दो घायल

जब्त सामान

देशी पिस्टल 2 नग, देशी कट्टा 1 नग, मैगजीन 5 नग, जिंदा कारतूस 4 नग। घटना के दौरान मिला 13 नग खाली खोखा (कारतूस), बुलेट 10 नग, मोबाइल फोन 5 नग जब्त किए गए।

3 दिन पहले बनाया था प्लान

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि नितेश को मारने के लिए 25 अक्टूबर का दिन निकाला गया, लेकिन यह प्लान पूरा नहीं हो सका। इसके बाद 28 अक्टूबर की शाम 6 बजे आरोपी 2 बाइक पहुंचे। इसके बाद मुख्य सड़क पर लगातार 15 राउंड फायरिंग करते रहे। गोलियों की आवाज से पूरा इलाका थर्रा उठा।

यह आरोपी शामिल

- ▶▶ विश्वजीत अनंत पिता स्व बलराम अनंत उम्र 29 वर्ष गांव मोहतरा मस्तुरी
- ▶▶ अस्मान उर्फ बलमजीत अनंत पिता स्व. बलराम अनंत उम्र 20 वर्ष
- ▶▶ चाहत उर्फ विक्रमजीत स्व बलराम अनंत उम्र 19 वर्ष
- ▶▶ मोहम्मद मुस्तिकीम उर्फ नफीस पिता मोहम्मद मुख्तार उम्र 29 साल भारतीय नगर तैयबा चौक
- ▶▶ मोहम्मद मतीन उर्फ मोन्टु पिता मोहम्मद मुख्तार उम्र 22 साल अटल आवास कोनी व 2 नाबालिग

शीतकालीन सत्र में आएगा बिल

सीएम साय ने कहा- धर्मांतरण के खिलाफ लाया जाएगा कड़ा कानून

धर्मांतरण को लेकर सीएम दिए संकेत, कहा- बहला फुसलाकर मतान्तरण करना ठीक नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

प्रदेश में धर्मांतरण को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार भविष्य में कड़े कानून लागू करने वाली है। कानून बनाने का काम चल रहा है और शीतकालीन सत्र में इस बिल को विधानसभा में लाया जाएगा। इस बात के संकेत सीएम श्री साय ने दिए हैं। बुधवार को बाबा कार्तिक उरांव चौक के स्थापना हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम में पहुंचे सीएम ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान यह बात कही है। इस कार्यक्रम के दौरान डी लिस्टिंग और ▶▶ शेष पेज 7 पर

पीएम ने छत्तीसगढ़ को हमेशा सराहा

पीएम मोदी द्वारा मन की बात में ननि के नवाचार गार्बेज कैफे की तारीफ करने को लेकर सीएम ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी हमेशा से छत्तीसगढ़ में किए जा रहे कार्यों को मन की बात के माध्यम से सराहा है। प्लास्टिक कचरे के बदले भोजन देना एक अच्छी पहल है इसका अनुसरण अन्य निकायों को भी करना चाहिए।

हाईकोर्ट सख्त, ऐसे लोग कानून व्यवस्था को दे रहे खुली चुनौती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाईकोर्ट ने नियमों का उल्लंघन कर सड़क पर केक काटकर जन्मदिन मनाने और स्टंट करने

की घटनाओं पर संज्ञान लिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस एके प्रसाद की डिवीजन बेंच मुख्य सचिव द्वारा पेश शपथ पत्र से संतुष्ट नहीं हुई और फिर से एफिडेविट पेश करने कहा गया है। मामले में नवंबर के पहले सप्ताह में अगली सुनवाई होगी। कोर्ट ने कहा है कि ऐसी घटनाएं दिखाती हैं कि इन्होंने ▶▶ शेष पेज 7 पर

नियमों का कोई मूल्य नहीं रह गया

बुधवार को इन सभी घटनाओं पर हाईकोर्ट ने सुनवाई की। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि यह सब घटनाएं न केवल कानून-व्यवस्था को खुली चुनौती हैं, बल्कि यह भी दर्शातीं हैं कि कुछ रईसजादों के लिए सार्वजनिक जगह पर भी मर्यादा और नियमों का कोई मूल्य नहीं रह गया है। सरकार की ओर से कहा गया कि स्टंटबाजी के मामलों में पुलिस मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई हो रही है।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद 20 किमी लंबा जाम

पैदल मार्च कर गिरफ्तारी देने निकले प्रदर्शनकारी किसान

एजेंसी ▶▶| नागपुर

बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने बुधवार को प्रहर जनशक्ति पार्टी के नेता बच्चू (ओमप्रकाश) कडू और उनके समर्थकों को शहर के बाहरी हिस्से की वर्धा रोड (एनएच-44) खाली करने का निर्देश दिया। फिर भी हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी कडू के नेतृत्व में हजारों किसान हाइवे पर जमे रहे और अब वे पैदल मार्च करके खुद गिरफ्तारी देने निकल पड़े हैं। हाईकोर्ट ने अखबारों में छपी रिपोर्टों का स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा कि ▶▶ शेष पेज 7 पर

हाइवे जाम से लोगों को हो रही परेशानी

गौरतलब है कि प्रदर्शन से प्रभावित मार्गों पर यातायात ठप होने के कारण स्थानीय नागरिकों और आवागमन सेवाओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा. हाईकोर्ट ने प्रदर्शनकारियों से हाइवे और अन्य सार्वजनिक मार्गों को खाली करने का आदेश दिया, किंतु किसान नेताओं ने नौबत को गिरफ्तारी तक पहुंचाने की रणनीति अपनाई है।

200 ट्रकों को पुलिस ने नागपुर जाने से रोका

नागपुर में किसानों के कर्ज माफी के लिए किया गया हाइवे जाम का असर वर्धा जिले में देखने को मिला। लगभग 200 ट्रकों को पुलिस ने नागपुर की तरफ जाने से रोका है। ड्राइवरों का कहना है की सरकार को खाने-पानी की व्यवस्था करनी चाहिए।

शादी में तीन गहनों से ज्यादा पहनने पर लगेगा 50 हजार का जुर्माना

उत्तराखंड के दो गांवों का महिलाओं के लिए अनोखा फरमान

एजेंसी ▶▶ देहरादून

उत्तराखंड के पर्वतीय समाज में एक अनोखी सामाजिक पहल सामने आई है, जिसने राज्य और देशभर में चर्चा का विषय बन गई है। देहरादून जिले के जौनसार-बावर क्षेत्र के चकराता ब्लॉक के कंदाड़ और इंद्रोली गांवों में अब शादी और सामाजिक आयोजनों में महिलाओं के गहनों पर नए नियम लागू कर दिए गए हैं। इस नियम के तहत महिलाएं केवल तीन गहने ही पहनेंगी। महिलाएं अगर इससे ज्यादा गहने पहनेंगी तो उन पर 50 हजार रुपए जुर्माना किया जाएगा। इस कदम का मकसद दिखावे और आर्थिक बोझ को कम करना तथा समाज में सादगी और समानता को बढ़ावा देना है।

कौन से तीन गहने पहनेंगी महिलाएं

गांवों के नए आदेश के अनुसार, शादी या किसी अन्य सामाजिक समारोह में महिलाएं केवल तीन गहने मंगलसूत्र, कान के कुंडल और नाक की फुली ही पहन सकती हैं। यदि कोई महिला इस नियम का उल्लंघन करती है, तो उसे 50,000 रुपये का जुर्माना देना होगा। यह कदम खास तौर पर उन परिवारों को राहत देने के लिए उठाया गया है, जो शादी के दौरान दिखावे की होड़ में आर्थिक दबाव झेलते हैं।

आर्थिक रूप से कमजोर लोग शर्मिंदा न हों

इस पहल के पीछे गांव के बुजुर्ग और सामाजिक संगठन हैं। उन्होंने सामूहिक बैठक में इस नियम को सर्वसम्मति से पारित किया। उनका मानना है कि शादी में गहनों और परिधानों के दिखावे की होड़ आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर भारी पड़ रही थी उन्हें शर्मिंदगी का भी सामना करना पड़ता है। अब यह पहल समाज में समानता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देगी।

सादगी और समानता को बढ़ावा

गांववालों का कहना है कि यह कोई दंडात्मक आदेश नहीं बल्कि सामाजिक सुधार का प्रयास है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गरीब परिवार भी बिना दबाव के अपने बच्चों की शादी कर सकें। यह नियम शादी समारोहों में सादगी अपनाने और आर्थिक बोझ कम करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

महिलाओं का समर्थन और सामाजिक संदेश

गांव की महिला प्रतिनिधियों ने भी इस निर्णय का समर्थन किया है। उनका कहना है कि इससे दिखावे की होड़ खत्म होगी और समाज में सौहार्द और एकता का संदेश जाएगा। महिलाएं इसे समाज में संतुलन और समान अवसरों के लिए एक आवश्यक बदलाव मान रही हैं।

उत्तराखंड में नई सोच की मिसाल

कंदाड़ और इंद्रोली गांवों का यह कदम अब पूरे राज्य में चर्चा का विषय बन गया है। इसे उत्तराखंड के पर्वतीय समाज में सादगी, समानता और सामाजिक जिम्मेदारी की नई सोच के रूप में देखा जा रहा है। यह पहल भविष्य में अन्य क्षेत्रों के लिए भी एक प्रेरणा बन सकती है।

खबर संक्षेप

इंदौर में मिला 3,400 लीटर घटिया घी

इंदौर। इंदौर में प्रशासन ने बुधवार को एक कारखाने पर छापा मारकर घटिया गुणवत्ता का करीब 3,400 लीटर घी पकड़ा जिसके बाद इस इकाई को सील कर दिया गया। जिलाधिकारी शिवम वर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि मुखबिर की सूचना पर यहां पालदा क्षेत्र में एक कारखाने पर छापा मारा गया जहां लगभग 3,400 लीटर घटिया घी पाया गया। शुरुआती जांच रिपोर्ट में घी का नमूना अमानक पाया गया जिसके बाद कारखाने को सील कर दिया गया है।''

कुपवाड़ा में विस्फोट, चार लड़के हुए घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में बुधवार को रहस्यमय ढंग से हुए विस्फोट में चार लड़के घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह विस्फोट उत्तरी कश्मीर जिले के हंदवाड़ा के तुतीगुंड गांव में हुआ जहां कुछ बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। अधिकारियों के अनुसार, घायलों की पहचान उजैर ताहिर, साजिद रशीद, हाजिम शब्बीर और जेयान ताहिर के रूप में हुई। वे सभी स्थानीय निवासी हैं। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज हंदवाड़ा ले जाया गया।

दिल्ली से पकड़ाए गए छह अफ्रीकी नागरिक

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी के दक्षिण पूर्वी हिस्से में एमडीएमए नामक मादक पदार्थ की आपूर्ति एवं बिक्री करने के आरोप में 30 वर्षीय एक व्यक्ति सहित छह अफ्रीकी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने नाइजीरियाई नागरिक अबोग्ये किंग्सले अफोम से करीब 10 लाख रुपये मूल्य का मादक पदार्थ जब्त किया है। पांच अन्य अफ्रीकी नागरिकों को भी दिल्ली की अमर कॉलोनी से गिरफ्तार किया गया है। इन सभी के वीजा की अवधि समाप्त हो चुकी थी और वे बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहे थे।

बिहार विधानसभा चुनाव पकड़ रहा जोर, सत्तापक्ष और विपक्ष की ताबड़तोड़ चुनावी सभाएं

एक बजते-बजते गठबंधन का सूपड़ा साफ : शाह
राहुल ने कहा- नीतीश रिमोट से चलने वाले सीएम

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में सियासी घमासान अपने चरम पर पहुंच गया है। सूबे की सियासत इस वक्त पूरी तरह चुनावी रंग में रंग चुकी है, जहां एक ओर बीजेपी और एनडीए के बड़े नेता अमित शाह, राजनाथ सिंह और योगी आदित्यनाथ लगातार सभाएं कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव गठबंधन के लिए जनता से सीधा संवाद कर रहे हैं। बिहार का हर जिला चुनावी हलचल से गूंज रहा है, मंचों से आरोप-प्रत्यारोप की बरसात हो रही है और भीड़ के नारों में सत्ता की हवा का अंदाजा लगाया जा रहा है। एनडीए और इंडिया महागठबंधन के तमाम दिग्गज नेता ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं। इसी के तहत बुधवार को केंद्रीय मंत्री अमित शाह भी बिहार में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने समस्तीपुर में एक जनसभा को संबोधित किया और आरजेडी पर जमकर निशाना साधा। शाह ने साफ कहा कि राज्य में एनडीए की जीत पक्की है।

लालू जी बिहार में सीएम की कुर्सी खाली नहीं है

इधर, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दरभंगा की सभा में कहा लालू जी, बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं है, बेटे को सीएम बनाने के सपने देखते रहिए। एनडीए सरकार ने मैथिली भाषा को आधिकारिक दर्जा दिया। संविधान का भाषा में अनुवाद किया। मिथिला में देवी सीता का मंदिर बनाया जा रहा है, उन्होंने जिन स्थानों का दौरा किया, वे सभी राम सर्किट से जुड़ेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने समस्तीपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि लालू प्रसाद यादव और राहुल गांधी समेत गठबंधन का खेल 14 नवंबर को दोपहर 1 बजे तक खत्म हो जाएगा।

ओसामा जैसा नाम, वैसा ही उनका काम

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीवान की सभा में कहा यहां से आरजेडी ने जो प्रत्याशी दिया है। वो देश-दुनिया में अपने आपराधिक प्रवृत्ति की वजह से जाना जाता है। शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा का जैसा नाम वैसा काम। यह कांग्रेस, आरजेडी और समाजवादी पार्टी जैसे दलों को शोभा दे सकता है कि वे किसी पेशेवर अपराधी और माफिया को गले लगा कर किसी बाबर और किसी औरंगजेब की मजार में जाकर सजदा पढ़ेंगे।

पहले एक नारा था- जो लालू कहे वही सही

पटना में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'आरजेडी और कांग्रेस के राज में विकास पर ब्रेक लग गया था। इस ब्रेक को अगर कोई तोड़ सकता है, तो वह केवल एनडीए सरकार ही है। हमें जंगलराज नहीं चाहिए, विकास चाहिए। उन्होंने कहा, पहले एक नारा था- ना खाता न बही, जो लालू कहे वही सही। अब ये नहीं चलेगा। देश को बनाना हमारी जिम्मेदारी है। परिवार बनाने के लिए हम राजनीति नहीं करना चाहते।'

बिहार के लिए सीएम व पीएम दोनों ने कुछ भी नहीं किया

राहुल गांधीलोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मुजफ्फरपुर के सकरा में तेजस्वी यादव के साथ जनसभा की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री वोट के लिए स्टेज पर डांस भी कर देंगे। राहुल ने कहा, मैं हिंदुस्तान के जिस भी प्रदेश में जाता हूं, वहां मुझे बिहार के युवा मिलते हैं। मैं आपसे सवाल पूछना चाहता हूं। आपने दिल्ली बनाई, बेंगलुरु की सड़कें बनाईं, गुजरात में काम किया, खून पसीना बहाया, दुबई आपकी मेहनत से बना है। बिहार में आप ये काम क्यों नहीं कर पा रहे हो। नीतीश कुमार भाजपा के रिमोट कंट्रोल से काम कर रहे हैं।

बाल बच्चा के नौकरी लागे, ये चाही कि न चाही : तेजस्वी

मुजफ्फरपुर में एक सभा में आरजेडी प्रमुख तेजस्वी यादव ने कहा- अपन के बाल-बच्चा के नौकरी लागे के चाही कि न चाही। एक मौका दीजिए, तेजस्वी ने जो कहा वो किया और जो कह रहा है वो करेगा। 17 महीने में हम लोगों ने पांच लाख नौकरी दी। वही लोग 2020 में बोलते थे कि कहां से देंगे नौकरी? उन्हें के हाथों हम लोगों ने नियुक्ति पत्र दिलवाया बिना पेपर लीक के। आपसे हम वादा करके जा रहे हैं, प्रण है और इस प्रण को प्राण न्योछार करके भी पूरा करना पड़े तो तेजस्वी करेगा।

असम में गरमाई सियासत

कांग्रेस की बैठक में बांग्लादेश का राष्ट्रगान, जांच के आदेश

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम सरकार ने अधिकारियों को कांग्रेस की एक बैठक में कथित तौर पर बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाने के मामले की जांच करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीभूमि जिले में कांग्रेस सेवा दल की एक हालिया बैठक में कथित तौर पर बांग्लादेश का राष्ट्रगान 'आमार सोनार बांग्ला' की दो लाइनें गायी गईं। हालांकि, कांग्रेस ने भाजपा सरकार की आलोचना की और कहा कि सरकार गैर जरूरी विवाद पैदा करने की कोशिश कर रही है। श्रीभूमि जिला प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की और बताया कि राज्य सरकार के मंत्री कृष्णेंदु पॉल ने मामले की जांच करने के मौखिक निर्देश दिए हैं। जिसके बाद जांच की जा रही है इस विवाद पर श्रीभूमि जिला कांग्रेस अध्यक्ष तापस पुरकायस्थ ने कहा कि 'हमारे गौरव रविंद्रनाथ टैगोर के नाम पर राजनीति न करें। 85 वर्षीय विधु भूषण दास ने गीत की सिर्फ दो लाइनें गाईं। इसकी आलोचना करने का मतलब है रविंद्रनाथ टैगोर की आलोचना।'

क्या है पूरा मामला

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मंगलवार को श्रीभूमि शहर में कांग्रेस सेवा दल की बैठक आयोजित हुई। इस बैठक की शुरुआत में बांग्लादेश के राष्ट्रगान 'आमार सोनार बांग्ला' की दो लाइनें गायी गईं। नोबेल पुरस्कार विजेता भारतीय कवि रविंद्रनाथ टैगोर ने बांग्लादेश का राष्ट्रगान लिखा है। टैगोर ने ही भारत का भी राष्ट्रगान लिखा है।

एक और बांग्लादेश बनाना चाह रही कांग्रेस : भाजपा

कांग्रेस की इस बैठक का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि 'कांग्रेस ने पाकिस्तान को जन्म दिया। कांग्रेस द्वारा वोट-बैंक की राजनीति के लिए असम की डेमोग्राफी बदलने और एक ग्रेटर बांग्लादेश बनाने की कोशिश हो रही है। अब यह साफ हो गया है कि कांग्रेस ने दशकों तक असम में अवैध घुसपैठ को क्यों होने दिया और बढ़ावा दिया।

राष्ट्रपति ने राफेल में भरी उड़ान

- स्क्वाड्रन लीडर शिवांगी सिंह के साथ फोटो खिंचवाई
- दो लड़ाकू विमानों में उड़ान भरने वाली पहली राष्ट्रपति

मुर्मू ने इसे अविस्मरणीय अनुभव करार दिया

अंबाला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को हरियाणा के अंबाला में स्थित वायुसेना स्टेशन से राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरी और इसे अविस्मरणीय अनुभव बताते हुए कहा कि इससे उनके अंदर देश की रक्षा क्षमताओं के प्रति गर्व की एक नयी भावना जगी है। राष्ट्रपति ने यात्रा से ठीक पहले स्क्वाड्रन लीडर शिवांगी सिंह के साथ फोटो खिंचवाई। पाकिस्तान समर्थक सोशल मीडिया हैंडल पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल लड़ाकू विमान उड़ाने वाली देश की पहली महिला पायलट सिंह को पकड़े जाने का दावा किया गया था।

ट्रंप ने किया हमले का समर्थन

इजराइल ने गाजा पर फिर की बमबारी 46 बच्चों समेत 104 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

पिछले कुछ दिनों की शांति के बाद फिलिस्तीन के गाजा में एक बार फिर से इजरायल ने जमकर बमबारी कर कई इलाकों को तबाह कर दिया। इन हमलों में कम से कम 104 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई, जिनमें 46 बच्चे हैं जबकि 253 लोग घायल हैं। 9 अक्टूबर को इजरायल-हमास के बीच सीजफायर लागू होने के बाद यह सबसे बड़ा हमला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली हमले का समर्थन किया है। ट्रंप ने कहा कि अपने सैनिक की हत्या के बाद इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की है। हमास ने इजराइल की हवाई कार्रवाई को नागरिकों पर सीधा हमला बताया और आरोप लगाया कि इजरायल जानबूझकर सीजफायर तोड़ने की कोशिश कर रहा है। हालांकि बाद में इजरायली सेना ने कहा कि गाजा में युद्धविराम फिर से बहाल हो गया है।

हमास ने 'रेड लाइन' क्रॉस की

इजरायली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने आरोप लगाया कि हमास ने गाजा में मौजूद इजरायली सैनिकों पर हमला किया और मृत बंधकों के शव लौटाने के समझौते का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि हमास ने रेड लाइन क्रॉस की है और अब उसकी इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

हमास को संयम बरतना होगा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली हमले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि अपने सैनिक की हत्या के बाद इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की है। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस हमले से युद्धविराम को खतरा नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि हमास को संयम बरतना होगा।

इजरायल ने इन क्षेत्रों को बनाया निशाना

इजराइल की ओर से किए गए हवाई हमलों में गाजा सिटी, खान यूनिस, बेत लहिया और अल-बुरैज जैसे घनी आबादी वाले इलाकों को निशाना बनाया गया। पहले इजरायल ने दावा किया था कि हमास ने सीजफायर का उल्लंघन कर गाजा में तैनात उसके सैनिकों पर हमला किया। इसके जवाब में यह कार्रवाई की गई।

अदालतों की लेटलतीफी पर भड़का सुप्रीम कोर्ट, टाइम लिमिट के दिए संकेत

आरोप तय करने में तीन-चार साल का वक्त लगता है क्या...

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आरोप तय करने में देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट बुधवार को निचली अदालतों पर भड़क गया। कोर्ट ने कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा, आरोपों का मसौदा तैयार करने में तीन से चार साल लग जाते हैं क्या। यह क्या है। हम जानते हैं कि कार्यप्रणाली क्या है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसी स्थिति जारी नहीं रह सकती। पुलिस द्वारा आरोपपत्र या अंतिम जांच रिपोर्ट दाखिल होते ही आरोप तय किए जाने चाहिए। अदालत अमन कुमार नामक व्यक्ति द्वारा दायर जमानत याचिका पर विचार कर रही थी। इसी दौरान कोर्ट ने ये कड़ी टिप्पणी की। अमन कुमार की याचिका में जिन आधारों पर जमानत मांगी गई उनमें से एक यह भी था कि उन्हें विचाराधीन कैदी के रूप में अनिश्चित काल तक जेल में नहीं रखा जा सकता।

अदालत अमन कुमार द्वारा दायर जमानत याचिका पर विचार कर रही थी, जो अगस्त 2021 से डकैती और हत्या के प्रयास के एक मामले में विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में है

आरोप तय करने बन सकती है समय-सीमा

सुप्रीम कोर्ट ने ये संकेत दिया कि वो आपराधिक मुकदमों में आरोप तय करने के लिए निचली अदालतों से अपेक्षित समय-सीमा के बारे में दिशानिर्देश जारी कर सकता है ताकि मुकदमों में देरी को रोका जा सके। अदालत अमन कुमार द्वारा दायर जमानत याचिका पर विचार कर रही थी, जो अगस्त 2021 से डकैती और हत्या के प्रयास के एक मामले में विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में है। पुलिस ने इस मामले में 30 सितंबर, 2024 को आरोपपत्र दाखिल किया।

याचिकाकर्ता ने क्या तर्क दिया

जमानत याचिका में अमन कुमार ने तर्क दिया कि उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस ने उन्हें अस्वीकार्य बयानों के आधार पर फंसाया है। एक निचली अदालत ने अक्टूबर 2024 में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद उन्होंने पटना उच्च न्यायालय का रुख किया, जिसने भी मार्च 2025 में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। इसके बाद उन्होंने वर्तमान याचिका के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

ऐसी स्थिति जारी नहीं रह सकती : सुप्रीम कोर्ट

आज मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने इस मामले में निचली अदालत द्वारा आरोप तय करने में की गई देरी पर कड़ी आपत्ति जताई। पीठ ने टिप्पणी की कि ऐसी स्थिति जारी नहीं रह सकती और पुलिस द्वारा आरोपपत्र या अंतिम जांच रिपोर्ट दाखिल होते ही आरोप तय किए जाने चाहिए। इसलिए, न्यायालय ने इस मुद्दे पर दिशानिर्देश जारी करने का प्रस्ताव रखा।

एकजुट मोर्चे की सर्वदलीय बैठक 2 को

एसआईआर लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा : सीएम विजयन

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

चुनाव आयोग के आदेश पर 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के चुनाव आयोग के ऐलान पर सियासी गर्मी बढ़ गई है। केरल और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री इसके विरोध में खुलकर सामने आ गए हैं। केरल के सीएम पिनराई विजयन ने इसे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा बताया। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने एसआईआर के खिलाफ एकजुट मोर्चे के लिए 2 नवंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। उनका मुख्य विरोध आधार को नागरिकता का प्रमाण नहीं मानने का है। हालांकि, भाजपा की सहयोगी एआईडीएमके ने एसआईआर का स्वागत किया है। वहीं पश्चिम बंगाल में बीएलओ को हिंसा का डर है। केरल के सीएम विजयन ने कहा- बिहार एसआईआर की संवैधानिक वैधता सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन होने के बावजूद अन्य राज्यों में यह लागू करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि यह लाखों वास्तविक वोटर्स को वोटर लिस्ट से बाहर करने की साजिश है।

वो टीचर, जिसने बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर लिखे हिट गाने, 17 साल किया संघर्ष...

बनारस की गलियों में जन्मे लालजी पांडेय एक शानदार गीतकार थे, जिन्हें सब 'अनजान' के नाम से जानते हैं। लालजी का कॅरियर जितना सुपरहिट रहा, उतने ही संघर्ष भरे उनके शुरुआती दिन थे। उन्होंने बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर अपनी दैनिक जरूरतें पूरी की थीं।

नई दिल्ली। बॉलीवुड में कदम रखने से पहले वह गणित के सवाल हल करवा कर अपने परिवार का पेट पालते थे। बचपन से ही उनके परिवार में कला और साहित्य का माहौल था। उनके परदादा राजाराम शास्त्री बड़े ज्ञाता थे और यही कला और शब्दों का रस उनके खून में भरा गया। उन्होंने बचपन में ही कविता और लेखनी की ओर रुचि दिखाई और बनारस के प्रसिद्ध कवि रुद्र काशिकेय से शिक्षा पाई।

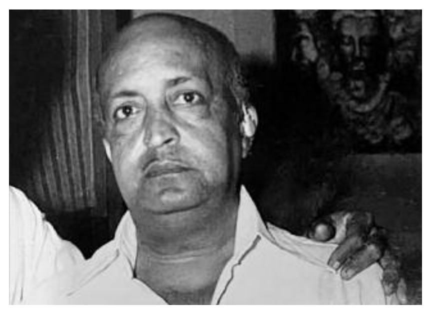

अनजान की शुरुआत

बनारस की पत्र-पत्रिकाओं में उनकी कविताएं छपने लगीं और स्थानीय काव्य गोष्ठियों में वह अपनी सुरीली आवाज में कविता पढ़कर लोगों का दिल जीतने लगे। उस जमाने में हरिवंश राय बच्चन की किताब 'मधुशाला' बहुत लोकप्रिय थी और अनजान ने उसका एक पैरोडी रूप 'मधुबाला' लिखा, जो नौजवानों में खूब मशहूर हुआ।

क्यों आए मुंबई

मुंबई आने का फैसला उनके लिए स्वास्थ्य और करियर दोनों कारणों से जरूरी था। उन्हें अस्थमा की गंभीर बीमारी थी और डॉक्टरों ने कहा कि अगर वह शुष्क वातावरण में रहेंगे तो जिंदा नहीं रह सकते। इसलिए, उन्होंने समुद्र के किनारे कहीं बसने का निर्णय लिया और मुंबई का रुख किया। मुंबई आने के बाद अनजान को एक लंबा संघर्ष शुरू करना पड़ा। उनके बनारस के दोस्त शशि बाबू ने उन्हें गायक मुकेश से मिलवाया, जिन्होंने उनकी कविताओं को सुना और उन्हें फिल्मों में गीत लिखने के लिए प्रोत्साहित किया।

ट्यूशन पढ़ाकर किया गुजारा

मुकेश की मदद से उन्हें प्रेमनाथ की फिल्म 'प्रिजनर ऑफ गोलकुंडा' में काम मिला। इस फिल्म के गाने अनजान ने लिखे, लेकिन यह फिल्म फ्लॉप रही, पर दर्शकों को गाने पसंद आए। यही वह दौर था जब अनजान को जीविका चलाने के लिए बच्चों को ट्यूशन पढ़ाना पड़ता था। ट्यूशन पढ़ाना उनके लिए सिर्फ पैसे कमाने का जरिया नहीं था, बल्कि यह उनके संघर्ष और मेहनत की कहानी का अहम हिस्सा भी था।

17 साल का संघर्ष : उनकी मेहनत और लगन रंग लाई और 17 साल के लंबे संघर्ष के बाद उन्हें फिल्म 'गोदान' में मौका मिला। इस फिल्म के गीतों ने उन्हें पहचान दिलाई और उनके काम में स्थिरता आई। इसके बाद उन्हें राजेश खन्ना और मुमताज की फिल्म 'बंधन' में गाने लिखने का अवसर मिला, जिसमें उनका गीत 'बिना बदरा के बिजुरिया' बहुत मशहूर हुआ।

अनजान के गाने : इसके बाद उन्होंने कल्याणजी-आनंदजी, बप्पी लहरी, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल और आर.डी. बर्मन जैसे दिग्गज संगीतकारों के साथ काम किया। उन्होंने बॉलीवुड को 'खइके पान बनारस वाला', 'पिपरा के पतवा सरीखा डोले मनवा' और 'बिना बदरा के बिजुरिया' जैसे हिट गाने दिए। उनके गीतों में भोजपुरी और पूर्वांचल की मिठास झलकती थी और उनकी लेखनी लोगों के दिलों को छूती थी।

डिवोर्स की अफवाहों पर भड़कीं माही

नई दिल्ली। टेलीविजन की मशहूर एक्ट्रेस माही विज और एक्टर-होस्ट जय भानुशाली इन दिनों अपनी शादी को लेकर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर यह अफवाह जोरों पर थी कि दोनों ने 14 साल की शादी के बाद तलाक ले रहे हैं। हालांकि, अब माही विज ने इन खबरों पर कड़ा रिएक्शन दिया है और इसे 'फॉल्स नैरेटिव' बताते हुए कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। हाल ही में एक इंस्टाग्राम पेज ने दावा किया कि जय और माही ने जुलाई-अगस्त 2025 में तलाक के कागजात पर साइन कर दिए हैं। इतना ही नहीं, उनके तीनों बच्चों की कस्टडी भी तय हो गई है। इस पोस्ट पर माही विज ने सीधे तौर पर कॉमेंट करते हुए लिखा, 'झूठी खबें मत फैलाओ। मैं इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करूंगी।' यह रिएक्शन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जहां फैंस ने सपोर्ट किया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों के रिश्ते में काफी समय से खटपट चल रही थी और उन्होंने कुछ महीने पहले ही तलाक के लिए अर्जी दी थी। जय भानुशाली और माही विज ने 2011 में शादी की थी। दोनों तीन बच्चों के माता-पिता हैं। बेटी तारा जिस का जन्म साल 2019 में हुआ। वहीं, दो फोस्टर बच्चे राजवीर व खुशी, जिन्हें उन्होंने 2017 में गोद लिया था।

इक्कीस का ट्रेलर रिलीज
दिखी जवानों की दमदार कहानी

मुंबई। 'वो इक्कीस का था- इक्कीस का ही रहेगा' इस टैग लाइन से शुरू होगी कहानी। परमवीर चक्र विजेता अरुण खेत्रपाल की कहानी पर आधारित फिल्म 'इक्कीस' का दमदार ट्रेलर बुधवार को रिलीज हुआ। ट्रेलर की शुरुआत होती है जोश और जुनून से भरे एक वादे के साथ। इस वादे को पूरे करने की शपथ लेते हैं अगस्त्य नंदा, जो फिल्म में परमवीर चक्र विजेता अरुण खेत्रपाल की भूमिका निभा रहे हैं। कुछ करने का जज्बा और फिर से अपनी बटालियन के लिए परमवीर चक्र वाले का वादा। फिल्म में बहादुरी, वीरता और पराक्रम के साथ एक प्यारी लव स्टोरी भी नजर आएगी। ट्रेलर में आगे अगस्त्य सैन्य प्रशिक्षण करते दिखाई देते हैं। आखिर में दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र उनके दादा के रूप में दिखाई देते हैं, जो बताते हैं कि कैसे बचपन में अरुण उनकी युद्ध की कहानियां सुना करते थे। फिल्म इक्कीस में धर्मेंद्र, जयदीप अहलावत, अगस्त्य नंदा, सिमर भाटिया, दीपक डोबरियाल, विवान शाह, सिकंदर खेर, राहुल देव के अलावा भी कई कलाकार नजर आएंगे। इस फिल्म को दिनेश विजान और मैडॉक फिल्म्स प्रस्तुत कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है। 'इक्कीस', परमवीर चक्र विजेता लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल, सबसे कम उम्र के अधिकारी की कहानी से प्रेरित है। 'इक्कीस' 1971 के युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म है।

हमेशा चाहती थीं मृत्यु को समझना

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने आज अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने बौद्ध शिक्षाओं और अध्यात्म के जरिए जीवन और मृत्यु को समझने की अपने सफर के बारे में बताया। मनीषा कोइराला ने गुरु मिंग्युर रिनपोछे के साथ कई तस्वीरें इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर कीं। इसके साथ ही मनीषा ने कैप्शन में लिखा, 'हमेशा मृत्यु को समझना चाहती थीं, ताकि उसका डर खत्म हो जाए।' मनीषा ने आगे किताब 'द तिब्बती बुक ऑफ लिविंग एंड डाइंग' की एक पंक्ति लिखी- 'आप वैसे ही मरते हैं जैसे आप जीते थे'। मनीषा ने अपनी इस पोस्ट में न्यिमा रिनपोछे से हुई मुलाकात के बारे में जिक्र करते हुए लिखा, '2008-09 में चोकी न्यिमा रिनपोछे से मिलीं। मैंने सवाल पूछा- 'मेरा जीवन उद्देश्य क्या?' जवाब मिला- 'यह पश्चिमी सवाल है।' जब मनीषा ने बाद में बारदो (मृत्यु और पुनर्जन्म के बीच का समय) के बारे में पूछा, तो योंगे मिंग्युर रिनपोछे के पास भेजा गया। मनीषा ने आगे लिखा, 'मिंग्युर रिनपोछे की कक्षाओं से प्रेरित हुईं। वे प्राचीन बौद्ध ज्ञान को क्वांटम फिजिक्स और आधुनिक विज्ञान से जोड़कर सरल तरीके से समझाते हैं। अब उनके कोर्स दोबारा शुरू करने को उत्सुक हैं।'

डकैत और लव एंड वॉर में होगा मुकाबला

मुंबई। अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर अभिनित फिल्म 'डकैत' की नई रिलीज डेट तय हो गई है। पहले यह फिल्म दिसंबर 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन शेष की चोट के कारण इसकी नई रिलीज डेट जारी की गई है। मृणाल ने अपनी आगामी फिल्म 'डकैत' का एक नया पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया। 'डकैत' 19 मार्च, 2026 को, उगादि और ईद के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कथित तौर पर यह संजय लीला भंसाली की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'लव एंड वॉर' के आस पास रिलीज होगी, जिसमें आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल मुख्य भूमिका में हैं। 'लव एंड वॉर' 20 मार्च, 2026 को रिलीज हो रही है। फिल्म 'डकैत' एक प्रेम कहानी है। शेष और मृणाल के अलावा फिल्म में अनुराग कश्यप की अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन शनील देव ने किया है। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु में रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी और पटकथा अदिवी शेष और शनील देव ने मिलकर लिखी है।

टीवी मसाला

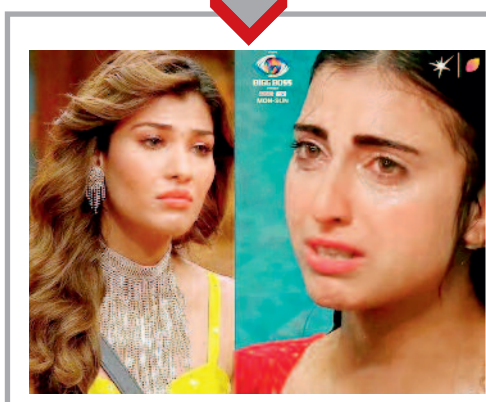

नेहल ने बिग बॉस से बाहर आते ही फरहाना को बताया झगड़ालू

मुंबई। 'बिग बॉस 19' में इस बार दर्शकों को कई ऐसे मोड़ देखने को मिले, जिन्होंने सबको चौंका दिया। इस हफ्ते के 'वीकेंड का वार' में नेहल चुडासमा और बसीर अली को कम वोटों के आधार पर घर से बाहर कर दिया गया। शो में नेहल हमेशा अपने गेम और सच्ची दोस्ती के लिए जानी गईं। घर से बाहर आने के बाद नेहल ने बताया कि उनकी फरहाना भट्ट संग दोस्ती में कैसे दरारें आनी शुरू हुईं। नेहल चुडासमा ने अपने और फरहाना भट्ट के रिश्ते के बारे में बात की। दोनों की दोस्ती कुछ हफ्ते पहले तक काफी मजबूत थी और उन्होंने कई टास्क और मुश्किल हालातों में एक-दूसरे का साथ दिया, लेकिन कुछ समय बाद यह दोस्ती तनावपूर्ण होने लगी. नेहल का घर से बाहर होना फरहाना के लिए काफी भारी पड़ गया। उन्हें यह देखकर दुख हुआ और वह रोती हुई नजर आईं। वह नेहल के साथ अपने झगड़े को लेकर पछतावा करती दिखी। इस बारे में नेहल ने अपनी प्रतिक्रिया साझा की। उन्होंने कहा, फरहाना को पछतावा मेरे शो के जाने के बाद हुआ। मैं उसके इस इमोशन की कद्र करती हूं, लेकिन मेरे लिए इसकी कोई खास अहमियत नहीं है, क्योंकि यह मुझसे सीधे तौर पर नहीं कहा गया। फरहाना के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते हुए नेहल ने कहा, मुझे फरहाना ने निराश किया, क्योंकि वह अक्सर बिना वजह झगड़ा करती थी, कोई क्लियर फैसला नहीं लेती थी और कई बार दूसरों को भड़काती थी। उसमें थोड़ा बहुत अहंकार भी था, इसलिए मेरा निराश होना लाजमी था।

30 सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए स्टैंडअलोन एवं कंसोलिडेटेड अनंकेक्षित वित्तीय परिणामों का सार (₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	स्टैंडअलोन: 3 माह समाप्त 30.09.2025 (अनंकेक्षित)	3 माह समाप्त 30.09.2024 (अनंकेक्षित)	6 माह समाप्त 30.09.2025 (अनंकेक्षित)	6 माह समाप्त 30.09.2024 (अनंकेक्षित)	समाप्त वर्ष 31.03.2025 (अंकेक्षित)	कंसोलिडेटेड: 3 माह समाप्त 30.09.2025 (अनंकेक्षित)	3 माह समाप्त 30.09.2024 (अनंकेक्षित)	6 माह समाप्त 30.09.2025 (अनंकेक्षित)	6 माह समाप्त 30.09.2024 (अनंकेक्षित)	समाप्त वर्ष 31.03.2025 (अंकेक्षित)
1	प्रचालनों से कुल आय	7511.80	6584.10	12998.71	12069.02	28339.48	7511.80	6584.10	12998.71	12069.02	28339.48
2	अवधि के लिए निवल लाभ/(हानि) (कर, अपवादत्मक मदों से पूर्व)	492.01	131.94	(115.42)	(148.17)	724.67	484.87	124.80	(136.84)	(168.40)	686.59
3	कर पूर्व अवधि के लिए निवल लाभ/(हानि) (अपवादात्मक मदों एवं समेकित परिणामों में संयुक्त उद्यमों के निवल लाभ/(हानि) के शेयर के बाद)	492.01	131.94	(115.42)	(148.17)	724.67	499.23	141.42	(108.81)	(137.57)	745.60
4	कर पश्चात अवधि के लिए निवल लाभ/(हानि)	367.67	96.67	(87.22)	(115.85)	512.97	374.89	106.15	(80.61)	(105.25)	533.90
5	अवधि के लिए कुल व्यापक आय {अवधि के लिए लाभ/(हानि) (कर पश्चात) और अन्य व्यापक आय (कर पश्चात) शामिल}	334.00	72.83	(154.56)	(163.52)	349.47	341.04	82.36	(148.11)	(152.64)	370.56
6	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रु. 2 प्रति शेयर)	696.41	696.41	696.41	696.41	696.41	696.41	696.41	696.41	696.41	696.41
7	अन्य इक्विटी	24087.94	23903.61	24087.94	23903.61	24416.60	23703.54	23502.56	23703.54	23502.56	24025.75
8	निवल मूल्य	24784.35	24600.02	24784.35	24600.02	25113.01	24399.95	24198.97	24399.95	24198.97	24722.16
9	प्रति शेयर मूल तथा डाइल्यूटेड अर्जन	1.06	0.28	(0.25)	(0.33)	1.47	1.08	0.30	(0.23)	(0.30)	1.53
10	पूंजी विमोचन रिजर्व	37.87	37.87	37.87	37.87	37.87	37.87	37.87	37.87	37.87	37.87

नोटः
1. वर्तमान अवधि के वर्गीकरण के अनुरूप, जहाँ भी आवश्यक समझा गया, आंकड़ों को पुनः समूहीकृत/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।
2. उपरोक्त परिणाम लागू सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के अनुसार तैयार किए गए हैं। इन परिणामों की समीक्षा ऑडिट समिति द्वारा की गई है और निदेशक मंडल द्वारा 29.10..2025 को आयोजित उनकी बैठक में अनुमोदित किया गया है।
3. ट्रेड रिसीवेबल्स में ₹211 करोड़ (यूएसडी 25.5 मिलियन) का बकाया शामिल है जो ग्राहक STPG (पूर्व में NEC सूडान) से है। यह राशि गृहयुद्ध के कारण रुकी हुई है। बोर्ड द्वारा अनुमोदित होने के कारण इसे अच्छा माना गया है और इसके लिए कोई प्रावधान नहीं बनाया गया है। अगर खराब और संदेहास्पद ऋण के लिए प्रावधान बनाया गया तो कर पूर्व लाभ (PBT) पर ₹211 करोड़ का प्रभाव पड़ेगा।
4. रिपोर्टिंग तारीख के अनुसार, देनदारों में RVUNL सूरतगढ़ 7 और 8 परियोजना (211x660 मेगावाट) के बकाया शामिल हैं, जो कि ट्रायल ऑपरेशन की शुरुआत से 3 साल से अधिक पुराने हैं। चूंकि ग्राहक ने डिलीवरी विस्तार के लिए संशोधन जारी किया है, यह पुष्टि की गई है कि भुगतान प्रक्रिया में है और शेष राशि का भुगतान किया जाएगा, इसलिए कोई प्रावधान नहीं बनाया गया है। ग्राहक ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में 140 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। यदि खराब और संदेहास्पद ऋण के लिए प्रावधान बनाया जाता है, तो इसका कर पूर्व लाभ (PBT) पर 98 करोड़ रुपये का प्रभाव पड़ेगा।
5. सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) नियम, 2015 के विनियम 52(4) के अनुसार अतिरिक्त प्रकटीकरण अनुबंध 'ए' में संलग्न हैं।
6. कंपनी के निम्नलिखित संयुक्त उद्यम हैं: बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (बीजीजीटीएस), रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल), एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एनबीपीपीएल), पावर प्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट्स लिमिटेड (पीपीआईएल) और भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड (बीसीजीसीएल)। वर्ष के दौरान कंपनी की कोई सहायक कंपनी (सब्सिडियरी) और सहयोगी (एसोसिएट्स) नहीं है।
7. उपरोक्त 30 सितम्बर, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए संशोधित सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों में दायर विस्तृत वित्तीय परिणामों का सार है। उपरोक्त रिपोर्टिंग अवधि के लिए, प्रतिभूति प्रीमियम खाते, ऋण पूंजी, वरीयता शेयर, डिबेंचर मोचन आरक्षित, ऋण इक्विटी अनुपात, ऋण सेवा कवरेज अनुपात और ब्याज सेवा कवरेज अनुपात के संबंध में जानकारी शून्य/एनए है। लिस्टिंग विनियमों के विनियम 52(4) में निर्दिष्ट प्रकटीकरण सहित वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप स्टॉक एक्सचेंजों की वेबसाइटः www.nseindia.com और www.bseindia.com पर और कंपनी की वेबसाइट www.bhel.com "वित्तीय सूचना" अनुभाग के अंतर्गत उपलब्ध है। इसे नीचे दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके भी देखा जा सकता है।

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29.10.2025

कृते भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
हस्ता/–
(के. सदाशिव मूर्ति)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

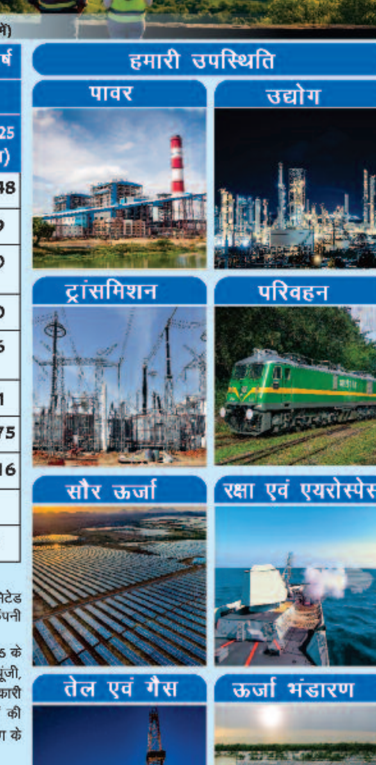

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालयः बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110049
सीआईएनः L74899DL1964GOI004281 | फोनः नं. 91–11–66337598
ई–मेलः shareholderquery@bhel.in | www.bhel.com

हमें फॉलो करें
/BHELOfficial /BHEL_India /BHEL_India /bhel.india /company/bhel

चिंतन

बड़ी उपलब्धि, आखिरी सांसें गिन रहा नक्सलवाद

पिछले छह दशकों से देश में नासूर बनकर उभरा नक्सलवाद अब समाप्त होने के कगार पर आ गया है। परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। केंद्र सरकार की नक्सलवाद से मुक्ति के अभियान की सफलता से यह अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। कई बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सरेंडर कर अपनी जान बचा ली है। कभी देश के 128 जिले नक्सलवाद के शिकंजे में थे, लेकिन अब इनकी संख्या महज 6 रह गई है। यहां भी नक्सली नेता एक-एक करके सरेंडर कर रहे हैं। बीते दिनों सीपीआई (माओवादी) के सेंट्रल कमेटी मेंबर पिल्लूरी प्रसाद राव उर्फ चंद्रन्ना और आंध्र के स्टेट यूनिट के नेता बंदी प्रकाश उर्फ प्रभात ने सरकार के सामने सरेंडर किया तो साफ हो गया कि देश केंद्र सरकार द्वारा तय किए गए 31 मार्च तक नक्सलवाद सफाए के लक्ष्य को पाने के करीब है। चंद्रन्ना नक्सलियों के ऐसे कमांडर रहे, जिसकी पहुंच कई राज्यों में है। हथियार जुटाने और फंड उगाहने में माहिर चंद्रन्ना के सरेंडर करने के बाद यह माना जा रहा है कि नक्सल आंदोलन की बस अब कुछ सांसें बाकि हैं। अचानक बड़े नक्सली नेताओं के आत्मसमर्पण को सुरक्षा बलों की जीत के तौर पर देखा जा रहा है। पिछले दो महीने में मोस्ट वॉन्टेड नक्सलियों के शीर्ष कमांडर ने आत्मसमर्पण किया है। सरेंडर करने वालों में एक करोड़ के इनामी नक्सली मल्लाजोलु वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति, केंद्रीय समिति के सोनू, हार्डकोर कमांडर रुपेश, मारे गए नक्सली कमांडर किशनजी की पत्नी सुजाता भी शामिल रहीं। अब पिल्लूरी प्रसाद राव उर्फ चंद्रन्ना और आंध्र के स्टेट यूनिट के नेता बंदी प्रकाश भी इस लिस्ट में शामिल हो गए। गृह मंत्रालय के अनुसार, अक्टूबर 2025 तक 1,225 नक्सलियों ने सरेंडर किया और करीब 270 नक्सली मारे गए। 680 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। असल में केंद्र सरकार ने नक्सल आंदोलन को खत्म करने के लिए दोहरी नीति अपनाई है, वह रंग ला रही है। एक तरफ सुरक्षा बल टेक्नोलॉजी की मदद से माओवादियों के गढ़ में आक्रामक अभियान चला रहे हैं, दूसरी ओर सरेंडर करने वाले नक्सलियों के लिए पुनर्वास की योजना शुरू की गई है। सरेंडर करने वाले मल्लोजुला वेणुगोपाल उर्फ भूपति को स्टील और खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी लिमिटेड ने अपने ब्रांड एंबेसडर के रूप में नियुक्त करने की पेशकश की। सरकार के आत्मसमर्पण और पुनर्वास पैकेज के तहत चंद्रन्ना को 25 लाख और प्रकाश को 20 लाख रुपये का चेक दिया गया। यह उन नक्सलियों के लिए मैसेज है, जो हथियार छोड़ना चाहते हैं। सरकार का इशारा साफ है कि अगर कोई अहिंसा का रास्ता अपनाना चाहता है तो सरकार उसका पूर्ण सहयोग करेगी। वैसे भी अनेक ऐसे नक्सली सामने आ रहे हैं, जिनका हिंसा से मोहभंग हो गया है। यही कारण है कि नक्सलवाद के बड़े कमांडर आत्मसमर्पण कर रहे हैं। बड़े माओवादी नेताओं के सरेंडर करने के कारण नक्सल आंदोलन से जुड़ने वाले युवा भी हतोत्साहित हो रहे हैं। आत्मसमर्पण के पीछे नेतृत्व में आंतरिक कलह, बढ़ती उम्र को भी बड़ा कारण माना जा रहा है। संगठन में कलह के चलते एक धड़ा सरेंडर कर रहा है। संगठन दो गुटों में बंटा हुआ है। भूमिगत कार्यकर्ता और सदस्य अपनी-अपनी राहें चुन रहे हैं। सुरक्षा बलों के तेज प्रहार के कारण भी नक्सल आंदोलन कमजोर हुआ है। कारण चाहे जो भी रहे हों। ये सही है कि नक्सलवाद खत्मे की ओर है, जो देश के विकास के लिए बहुत जरूरी है।

विश्लेषण
हरदीप सिंह पुरी

भाजपा ने नेतृत्व को पुनर्परिभाषित किया

> वंशवाद भाजपा समेत सभी दलों में मौजूद है। फिर भी, भाजपा की एक खासियत यह है कि वहां पारिवारिक पृष्ठभूमि अपने-आप नेतृत्व में तब्दील नहीं होती। यह एक ऐसी पार्टी है जहां अवसर अर्जित करना जरूरी होता है और जहां किसी व्यक्ति का उत्थान उसके काम, प्रतिबद्धता एवं जनता के विश्वास पर निर्भर करता है, न कि वंश पर। भाजपा में, एक पारिवारिक पहचान एक दरवाजा तो खोल सकता है, लेकिन उस दरवाजे को हमेशा के लिए खुला नहीं रख सकता। कांग्रेस से परे भी, सत्ता का एक परिवार विशेष के हाथों में केंद्रित होना ही कई क्षेत्रीय दलों की पहचान है। भाजपा उन चंद पार्टियों में से एक है जहां नेतृत्व विरासत में नहीं मिलता, केवल अर्जित किया जाता है।

आजाद भारत के इतिहास में राजनीति ज्यादातर समय हक की एक ऐसी भावना से प्रभावित रही, जिसने विरासत और वैधता के बीच घालमेल किया। एक परिवार और एक पार्टी को यह लगने लगा कि वे शासन करने के लिए ही पैदा हुए हैं। गुजरते वक्त के साथ, इस मानसिकता ने संस्थाओं को खोखला कर दिया और पीढ़ियों को राजनीतिक विशेषाधिकार को जन्मसिद्ध अधिकार मानने के लिए प्रेरित किया। इस धारणा को अब योग्यता, जवाबदेही और प्रदर्शन पर आधारित नई राजनीतिक नैतिकता द्वारा चुनौती दी जा रही है। हाल ही में इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित "वन नेशन, ए फ्यू फैमिलीज" शीर्षक लेख में भारत में वंशवादी राजनीति के जारी रहने को लेकर एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया गया है। यह लेख जिस मुद्दे को उजागर करता है वह वास्तविक तो है, लेकिन उसकी व्याख्या अधूरी है। वंशवाद भाजपा समेत सभी दलों में मौजूद है। फिर भी, भाजपा की एक खासियत यह है कि वहां पारिवारिक पृष्ठभूमि अपने-आप नेतृत्व में तब्दील नहीं होती। यह एक ऐसी पार्टी है जहां अवसर अर्जित करना जरूरी होता है और जहां किसी व्यक्ति का उत्थान उसके काम, प्रतिबद्धता एवं जनता के विश्वास पर निर्भर करता है, न कि वंश पर। भाजपा में, एक पारिवारिक पहचान एक दरवाजा तो खोल सकता है, लेकिन उस दरवाजे को हमेशा के लिए खुला नहीं रख सकता।

यह एक मौलिक अंतर है। राजनीतिक रिश्तेदारी अपने आप में कोई समस्या नहीं है। लेकिन वंशानुगत नियंत्रण एक समस्या है। जब नेतृत्व एक ही परिवार की मिल्कियत बन जाए, जब आंतरिक बहस की जगह रक्त संबंधों के प्रति निष्ठा ले ले, तो लोकतंत्र मुरझा जाता है। राजनीतिक संस्कृतियों के बीच का यह अंतर काफी गहरा है। वर्ष 2000 से, भारतीय जनता पार्टी के आठ राष्ट्रीय अध्यक्ष हुए हैं- बंगारू लक्ष्मण, जना कृष्णमूर्ति, वेंकैया नायडू, लालकृष्ण आडवाणी, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अमित शाह और जे.पी. नड्डा। ये सभी अलग-अलग क्षेत्रों एवं पृष्ठभूमि से आए हैं और इनमें से प्रत्येक संगठनात्मक कार्य के अनुशासन के रास्ते आगे बढ़े हैं। इसी अवधि के दौरान, कांग्रेस के मात्र तीन अध्यक्ष ही हुए हैं, जिनमें से दो गांधी परिवार से हैं। सोनिया गांधी उन्नीस वर्षों तक इस पद पर रहीं और आज भी पार्टी में इस परिवार का निर्णय ही अंतिम होता है।

आकस्मिक रिश्तेदारी और संस्थागत कब्जे के बीच अंतर किए बिना ही, प्रकाशित विश्लेषण राजनीति में रिश्तेदारों वाले विधायकों की संख्या की गिनती करता है। भाजपा के 2,078 विधायकों में से 84 राजनीतिक परिवारों से आते हैं, जो लगभग चार प्रतिशत है। कांग्रेस के 857 विधायक हैं, जिनमें से 73 वंशवादी हैं, जो लगभग नौ प्रतिशत है। आनुपातिक रूप से मापने पर, कांग्रेस का वंशवादी घनत्व दोगुना है। फिर भी, इस लेख में संख्याओं की गिनती का हवाला देकर एक झूठी समरूपता गढ़ी गई है। कांग्रेस से परे भी, सत्ता का एक परिवार विशेष के हाथों में केंद्रित होना ही कई क्षेत्रीय दलों की पहचान है। समाजवादी पार्टी की बागडोर मुलायम सिंह यादव से निकलकर अखिलेश यादव के पास चली गई। राष्ट्रीय जनता दल यादव परिवार के ही अधीन है। द्रमुक की लगाम एम. करुणानिधि से एम. के. स्टालिन और अब उदयनिधि स्टालिन के पास चली गई। तृणमूल

कांग्रेस ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक के इर्द-गिर्द ही घूमती है। झारखंड मुक्ति मोर्चा पर सोरेन परिवार का नियंत्रण बना हुआ है। ये बहुलवादी नेतृत्व के नहीं, बल्कि विरासत में मिले नेतृत्व के उदाहरण हैं। परिवार को हटा दिया जाए, तो पार्टी ढह ही जाए। इस बात को समझने के लिए कि भाजपा अलग तरह से क्यों काम करती है, हमें इसके संस्थागत ढांचे पर गौर करना होगा। भाजपा का संगठन स्तरीकृत, सामूहिक और लक्ष्य-उन्मुख है। वहां कार्यकर्ताओं को बहुत जल्दी ही पहचान लिया जाता है और उन्हें व्यवस्थित कार्यक्रमों के जरिए प्रशिक्षित किया जाता है और बूथ, मंडल, जिला और राज्य स्तर पर जिम्मेदारी देकर परखा जाता है। प्रत्येक चरण में किया गया प्रदर्शन अगले अवसर का निर्धारण करता है। चुनाव जीते जाने वाली प्रतियोगिताएं होती हैं, लेकिन ये संगठन की लामबंदी, लोगों को समझाने और परिणाम देने की क्षमता का भी लेखा-जोखा होती हैं। यह संरचना एक ऐसी संस्कृति का निर्माण करती है जिसमें सेवा, अनुशासन और परिणाम ही आगे बढ़ने के पैमाने हैं। नेतृत्व की पाइपलाइन की भी यही कहानी है। वर्ष 2014 से पार्टी ने पहली पीढ़ी के वैसे नेताओं को आगे बढ़ाया है जो भारत की सामाजिक गतिशीलता को दर्शाते हैं। छत्तीसगढ़ के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णु देव साईं ने निरंतर जमीनी स्तर पर काम करके अपना करियर बनाया। ओडिशा में मोहन माझी ने मुख्यमंत्री पद का दायित्व मिलने से पहले संगठन और विधानमंडल में वर्षों बिताए। हरियाणा में नायब सिंह सैनी एक साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं और राजस्थान में भजन लाल शर्मा वर्षों तक निर्वाचन क्षेत्र में काम करके और पार्टी की जिम्मेदारी निभाकर आगे बढ़े। इनमें से किसी को भी राजनीतिक पद विरासत में नहीं मिला। इनमें से प्रत्येक इस बात के उत्कृष्ट उदाहरण हैं कि एक योग्यता-आधारित पार्टी में नेतृत्व कैसे अर्जित किया जा सकता है। भाजपा का संसदीय और सरकार में रहने का अनुभव भी पहुंच और प्रभुत्व के बीच के अंतर को दर्शाता है। कई युवा नेताओं को दृश्यता और जिम्मेदारी दी जाती है, लेकिन उनका मूल्यांकन उनके काम के आधार पर किया जाता है। मंत्रियों का मूल्यांकन परिणामों, सुधारों और जन संवाद के आधार पर किया जाता है। पार्टी के पद समयबद्ध और प्रदर्शन से जुड़े होते हैं। इससे त्रुटि या महत्वाकांक्षा समाप्त नहीं होती और न ही कोई भी संस्था ऐसा कर सकती है। लेकिन यह कवायद ऐसे प्रोत्साहन पैदा करती है, जो वंशावली की तुलना में योग्यता को प्राथमिकता देते हैं। इतिहास को स्वीकार करना जरूरी होता है। कांग्रेस ने राष्ट्रीय कल्पना में राजनीतिक विरासत को आम बात बना दिया। वाईएसआर कांग्रेस और बीआरएस से लेकर तृणमूल तक, कई क्षेत्रीय वंशवादी संगठन कांग्रेस की ही शाखाएं हैं और उन्होंने उसके वंशानुगत ढांचे की नकल की है।

दशकों से इस संस्कृति ने राजनीतिक दलों को ऐसे पारिवारिक उद्यमों में बदल दिया है, जहां विचारधारा की जगह निष्ठा ने ले ली और नेतृत्व के विकास की जगह उत्तराधिकार के नियोजन ने ले ली। यह मॉडल कुछ समय तक चुनावी सफलता तो दिला सकता है, लेकिन यह शायद ही कभी टिकाऊ संस्थाओं या सक्षम नेताओं की एक व्यापक श्रृंखला का निर्माण कर पाता है। भाजपा उन चंद पार्टियों में से एक है जहां नेतृत्व विरासत में नहीं मिलता, केवल अर्जित किया जाता है। इस मायने में, भाजपा एक अनूठी पार्टी है। इसलिए नहीं कि वह पूर्णता का दावा करती है, बल्कि इसलिए कि उसने एक ऐसी संस्कृति विकसित की है जो नेतृत्व अर्जित करने पर जोर देती है। भारत के सार्वजनिक जीवन में यही वह खूबी है जिसे बनाए रखना जरूरी है, क्योंकि यह सत्ता को जवाबदेही से और महत्वाकांक्षा को सेवा से जोड़ती है।

(लेखक केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

विचार
आदर्श सिंह

बाल विवाह के खात्मे व सतत विकास लक्ष्यों के करीब भारत

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान दुनियाभर से जुटे बाल अधिकार कार्यकर्ताओं ने बाल विवाह के खात्मे की धीमी रफ्तार के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र संघ के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल करने में हो रही देरी पर चिंता जताई। संयुक्त राष्ट्र संघ के सतत विकास लक्ष्य 5.3 में बच्चों को नुकसान पहुंचाने वाली सभी प्रथाओं जैसे बाल विवाह व महिलाओं के जननांगों को विकृत करने की कुरीति पर 2030 तक पूरी तरह रोक लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस पर 193 देशों ने दस्तखत किए हैं। बाल विवाह का खात्मा सतत विकास लक्ष्य 3 (अच्छा स्वास्थ्य व सेहत) और सतत विकास लक्ष्य 4 (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा) को हासिल करने की भी बुनियादी शर्त है। इसके पीछे कारण यह है कि कम उम्र में बाल विवाह के नतीजे में कम उम्र में मां बनने से जच्चा-बच्चा दोनों की जान को खतरा तो होता ही है, दोनों के कुपोषित होने का खतरा भी रहता है। साथ ही, बाल विवाह का एक दुष्परिणाम यह होता कि शादी के बाद 10 में से सिर्फ दो लड़कियां ही पढ़ाई जारी रख पाती हैं। यानी यह बच्चियों की शिक्षा व पढ़-लिख कर अपने पांव पर खड़े होने की संभावनाएं ही समाप्त कर देता है जो सीधे-सीधे सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सबसे बड़ी रुकावट है। भारत उन देशों में शुमार है जहां बाल विवाह की समस्या हमेशा से विकराल रही है और इसी वजह से माना जा रहा था कि भारत के लिए इन सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करना मुश्किल है। इसकी वजह हैं निराशाजनक आंकड़े। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे -5 (2019-21) के अनुसार देश में 20 से 24 आयुवर्ग की 23.3 प्रतिशत लड़कियों का विवाह उनके 18 साल की होने से पहले यानी कानूनी रूप से शादी की वैध उम्र से पहले ही हो गया था। सुशिक्षित लोगों का प्रदेश माना जाने वाला पश्चिम बंगाल इस मामले में शीर्ष पर है जहां बाल विवाह की दर 41.6 प्रतिशत है। इसके बाद बिहार (40.8), त्रिपुरा (40.1), झारखंड (32.2) और असम (31.8) आते हैं। देश में बाल विवाह की सबसे ऊंची दर वाले दस जिलों में तीन पश्चिम बंगाल के और पांच बिहार के हैं। इन सभी जिलों में बाल विवाह की दर 50 प्रतिशत से ज्यादा है। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले में बाल विवाह की दर 57.6 प्रतिशत है जबकि बिहार के लखीसराय और सुपौल में यह 56.1 और 55.9 प्रतिशत है। देश के 15 जिलों में बाल विवाह की दर 50 प्रतिशत से ज्यादा जबकि 45 जिलों में 40 प्रतिशत से ज्यादा है। बाल विवाह से पीड़ित दुनिया की एक तिहाई लड़कियां अकेले भारत में है। लेकिन सितंबर 2025 में जारी एक रिपोर्ट 'टिपिंग प्वाइंट टू जीरो : एविडेंस टूवाड्र्स ए चाइल्ड मैरेज फ्री इंडिया' के अनुसार देश में लड़कियों की बाल विवाह की दर में 69 प्रतिशत जबकि लड़कों के बाल विवाह की दर में 72 प्रतिशत की गिरावट आई है। जाहिर है कि ये आंकड़े अप्रत्याशित हैं। लेकिन बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से भी ज्यादा नागरिक संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के सहयोगी संगठन इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन की पहल पर सेंटर फॉर लीगल एक्शन एंड बिहैवियरल चेंज फॉर चिल्ड्रेन (सी-लैब) की ओर से तैयार की गई इस सर्वे रिपोर्ट में बाल विवाह के आंकड़ों के बजाय इसमें गिरावट के कारणों को समझना कहीं अहम होगा। देश के पांच राज्यों के 757 गांवों से जुटाए गए इन आंकड़ों के अनुसार बाल विवाह की रोकथाम के लिए गिरफ्तारियों और एफआईआर जैसे कानूनी उपाय सबसे कारगर साबित हुए हैं। इसी का नतीजा है कि लड़कियों के बाल विवाह के खिलाफ सबसे बड़ी गिरावट असम में देखने को मिली जहां राज्य सरकार ने बाल विवाह के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान छेड़ रखा है। बिहार व महाराष्ट्र में लड़कियों के बाल विवाह की दर में 70 प्रतिशत जबकि राजस्थान में 66 प्रतिशत की कमी आई है और इन राज्यों में सर्वे में शामिल लोगों ने श्रेय जागरूकता अभियानों और प्रोत्साहन उपायों को दिया। हालांकि किसी निष्कर्ष पर अगले राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे या जनगणना के आंकड़ों से ही पहुंचना संभव होगा, लेकिन माना जा रहा है कि फिलहाल देश में बाल विवाह की दर घटकर 15 प्रतिशत के आसपास आ चुकी है। यह बाल विवाह की रोकथाम के लिए एक लंबी लड़ाई का नतीजा है जिसमें पहली बार सरकार, न्यायपालिका और नागरिक समाज एक साथ आए और समन्वित प्रयासों को अंजाम दिया। कानून पर सख्ती से अमल किया गया। वह दिन दूर नहीं, जब भारत जल्दी ही इस लड़ाई में 'टिपिंग प्वाइंट' यानी वह मुकाम जहां से समस्या अपने आप खत्म होने लगती है, तक पहुंच जाएगा जो हमें सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने के करीब पहुंचाएंगे।

(लेखक बाल अधिकारों की मुहिम से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हमें वैराग लेकर भगवान को नहीं पाना है

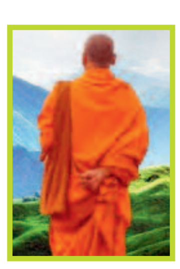

संकलित
दर्शन

परिवार में कोई बीमार हो तो दूसरे व्यक्ति के शरीर पर भी असर होता है। अगर बच्चों का विवाह नहीं हुआ है, अच्छा लड़का या लड़की नहीं मिली है, पढ़ाई ठीक से नहीं कर पाए हैं तो इन पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। हमें वैराग लेकर भगवान को नहीं पाना है। बल्कि हम जहां हैं, वहां रहकर भगवान को ऊपर से नीचे उतारना है। भगवान उतरते हैं। दशरथ के घर उतरे हैं, वासुदेव की जेल में उतरे हैं। हम वैराग लेकर उन्हें ऊपर खोजने जाएं, यह भी एक गति है, लेकिन क्यों न हम एक एक पारिवारिक दायित्व पूरा करते-करते उन्हें नीचे बुला लें। हम नरसिंह मेहता नही है। हम मीरा और भर्तृहरि नहीं हैं। मनु और शतरूपा ने वैराग का पथ लिया तो भी परिवारिक दायित्व को पूरा किया। भजन का मतलब यह नहीं कि आप सबको नजरअंदाज करें, सबकी उपेक्षा करें। भजन में पारिवारिक स्वास्थ्य आवश्यक है। आत्मा की तंदुरुस्ती के विषय में मैं खुलासा कर दूं कि आत्मा बीमार नही है। मन बीमार हो सकता है, आत्मा कहां बीमार होती है। जैसे सूरज तंदुरुस्त है, लेकिन बादल से आवृत्त होने पर सूरज दिखना बंद हो जाता है। वैसे ही स्थिति हमारी आत्मा की है। जैन परंपरा कहती है कि आत्मा पर कई तरह के कशाय के बादल छा जाते हैं। इसी रूप में आत्मा अस्वस्थ नहीं हो सकती। आत्मा बूढ़ी नहीं हो सकती। शरीर जन्म लेता है, आत्मा जन्म नहीं लेती। ये तो सीधी-सी बात है।

तुलसीदास जी द्वारा ब्राह्मण को जीवन दान

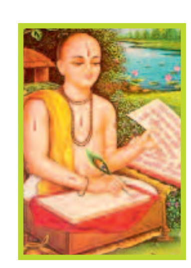

संकलित
प्रेरणा

भक्तमाल में वर्णन है कि एक ब्राह्मण था, परंतु कुछ विद्वान बताते है कि वह ब्राह्मण नहीं, एक भुलई नाम का कलवार था जो भक्ति पथ और गोस्वामी जी की निन्दा किया करता था। उसकी मृत्यु हो गई, उसकी पत्नी उसके साथ सती होने के लिए जा रही थी। गोस्वामी तुलसीदास जी अपनी कुटी के द्वार पर बैठे हुए भजन कर रहे थे। उस ब्राह्मण की स्त्री ने उन्हें दूर से ही देखा तो फिर श्री चरणों में आकर इन्हें प्रणाम किया। तुलसीदास जी ने उसे आशीर्वाद देते हुए कहा कि सौभाग्यवती होओ। उस स्त्री ने कहा कि मेरे पति का देहांत हो गया है और मैं सती होने के लिए श्मशान घाट पर जा रही हूँ। तब इस आशीर्वाद का क्या अर्थ होगा? गोस्वामीजी ने कहा कि अब तो मेरे मुख से आशीर्वाद निकल चूका है, यदि तुम और तुम्हारे परिवार के लोग भगवान श्रीराम का भजन करें तो मै तुम्हारे मृत पति को जीवित कर दूँगा। यदि काल सत्य है, तो मेरे प्रभु काल के भी काल है, यह बात भी तो सत्य है। उस स्त्री ने अपने सभी कुटुम्बियों को बुलाकर कहा कि यदि आप लोग सच्चे हृदय से श्रीराम भक्ति करने की दृढ़ प्रतिज्ञा करे तो मेरे यह मृत पति जीवित हो जायेंगे। सभी ने गोस्वामीजी की बात को स्वीकार करते हुए श्रीराम नाम का संकीर्तन प्रारंभ किया। तब गोस्वामी जी ने उसे सुंदर भक्तिमय जीवन दान दिया। श्री राम की कृपा से उस ब्राह्मण को जीवन दान मिल गया और इससे प्रभावित होकर उसके परिवार के लोग भगवद्भक्त हो गए।

अंतर्मन

आज की पाती

सोने की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित किया जाए

भारतवर्ष कभी सोने की चिड़िया थी और भारत था भी सर्वाधिक सम्पन्न देश। टनों के हिसाब से सोना मंदिरों और पूजा-स्थलों में भरा था। आततायों ने मंदिरों को तहस नहस कर अपने देशों को समृद्ध बनाया। ऐसा वे बार बार करते रहे और भारत के सोने के भंडार खाली नहीं होते थे। आजकल सोना इतना महंगा हो गया कि गरीब बेटी के हाथ पीले करने के बारे में सोच भी नहीं सकता, और गरीब की पहुंच से परे पीली धातु का होना एक अभिशाप बन गया। कारण चाहे कुछ भी हो, सोने के दाम एक लाख रुपए ऊपर चले जाना बड़ी एवं दु:खद बात है। एक बात स्पष्ट है कि एक विशाल सम्पन्न देश इसकी बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने में विफल है या नियंत्रण लगाना ही नहीं चाहता। इस पर नियंत्रण होना चाहिए।

- परेश जैन, दुर्ग

करंट अफेयर

चीन ने भारी बर्फबारी से एवरेस्ट चोटी पर किया पर्वतारोहन बंद

चीन के स्थानीय अधिकारियों ने भारी बर्फबारी और बर्फीली परिस्थितियों के कारण तिब्बत क्षेत्र में स्थित एक लोकप्रिय पर्वतारोहण स्थल को बंद कर दिया जो दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी 'एवरेस्ट' तक जाने वाले मार्ग में है। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पर्यटन अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को जारी एक घोषणा के अनुसार, डिंगरी काउंटी में झूफेंग चोटी (जो एवरेस्ट चोटी के चीनी हिस्से के पास स्थित है) तक पर्वतारोहण को अगली सूचना तक बंद कर दिया गया है। इससे पहले अक्टूबर में, चीन के राष्ट्रीय अवकाश, जो पर्यटन का मौसम होता है, के दौरान आए भारी बर्फीले तूफान के बाद सैकड़ों पर्वतारोही कई दिनों तक एवरेस्ट पर फंसे रहे। स्थानीय मौसम पूर्वानुमान में बुधवार तक बर्फबारी और बर्फीली परिस्थितियों का अनुमान लगाया गया था, जो ऊंचाई पर रहने वाले पर्यटकों के लिए खतरा बन सकता है। हल्की बर्फबारी भी रास्तों और सड़कों की स्थिति को बाधित कर सकती है। कुछ समय पहले बचावकर्मियों ने 16,000 फुट की ऊंचाई पर फंसे 880 लोगों की मदद की थी। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इनमें 580 पर्वतारोही, 300 गाइड और अन्य कर्मचारी शामिल थे। उस समय भी डिंगरी के अधिकारियों ने झूफेंग पर्यटन क्षेत्र को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था।

ऑफ बीट

कभी हम दो हिस्सों में सोते थे अब लेते हैं आठ घंटे की नींद

आधुनिक युग में एक बार में आठ घंटे की लगातार नींद लेना आम बात है लेकिन यह कोई पुरानी बात नहीं है। कई लोग रात में तीन बजे अचानक जाग जाते हैं और सोचते हैं कि कुछ गलत तो नहीं। वास्तव में, यह बहुत मानवीय अनुभव है। मानव इतिहास के अधिकांश हिस्से में लोग एक बार में नहीं, बल्कि दो खंडों में सोते थे जिन्हें पहली नींद और दूसरी नींद कहा जाता था। प्रत्येक नींद कई घंटों की होती थी और इनके बीच में लगभग एक घंटे या उससे अधिक का जागरण काल रहता था। यूरोप, अफ्रीका, एशिया सहित विभिन्न क्षेत्रों के ऐतिहासिक अभिलेख बताते हैं कि लोग सूर्यास्त के तुरंत बाद सो जाते थे, आधी रात के आसपास कुछ देर के लिए जागते थे और फिर भोर तक दूसरी नींद लेते थे। रात को दो भागों में बाँटने से लोगों के लिए समय का अनुभव भी बदल जाता था। यह मध्यांतर रात्रि को एक स्पष्ट मध्य बिंदु देता था, जिससे सर्दी की रातों का समय कम भारी और अधिक व्यवस्थित महसूस होता था। बीच के समय में लोग छोटे-मोटे काम करते थे- जैसे आग सुलगाना या पशुओं को देखना। कई दंपति इस समय का उपयोग निजी क्षणों के लिए करते थे। प्राचीन यूनानी कवि होमर और रोमन कवि विरगिल तक के साहित्य में "पहली नींद के अंत का समय" जैसे उल्लेख मिलते हैं।

ट्रेंड

उर्वरकों पर सब्सिडी

हम किसान भाई-बहनों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी दिशा में हमारी सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए रबी सीजन के लिए फॉस्फोरस और पोटाश उर्वरकों पर सब्सिडी को मंजूरी दी है। इससे उनकी कमाई भी बढ़ेगी।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

चुनाव आयोग निष्पक्ष

चुनाव आयोग निष्पक्ष रूप से काम कर रहा है और वह एक स्वायत्त संस्था है। निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर प्रक्रिया शुरू की गई परन्तु चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर भी कांग्रेस और आरजेडी ने आरोप लगा दिए।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

जीव-जंतुओं का संरक्षण

मां नर्मदा जी का आशीर्वाद पूरे प्रदेश को मिल रहा है...प्रदेश सरकार जीव-जंतुओं के संरक्षण और पर्यावरण संतुलन के लिए सतत कार्य कर रही है। इसी क्रम में हाल ही में चंबल नदी में घड़ियालों का पुनर्वास किया गया था, कल जीवनदायिनी नर्मदा नदी में मगरमच्छ छोड़े जाएंगे।

- डॉ. मोहन यादव, सीएम, मप्र

अफसरशाही से मुक्ति

देश में 75 साल में ऐसा सिस्टम बन गया कि एक भी सरकारी काम बिना रिश्वत या बिना चक्कर काटे नहीं होता। अब पंजाब में लोगों को अफसरशाही से मुक्ति मिलेगी, सिर्फ एक कॉल पर सुविधाएं घर बैठे मिलेंगी।

- अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, दिल्ली

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

साउंड हीलिंग थेरेपी ध्वनि से संभव तन-मन का उपचार

बदलती जीवनशैली की वजह से आज के दौर में अधिकतर लोग मानसिक रूप से परेशान नजर आते हैं। इसका असर शारीरिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। इनसे राहत के लिए साउंड हीलिंग थेरेपी बहुत कारगर हो सकती है।

नेचुरोपैथी

बुशरा फातमा

बीते एक दशक में जितनी तेजी से हमारी लाइफस्टाइल में बदलाव आया है, उसने पूरी तरह हमारे मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को बदल दिया है। छोटी-छोटी बातों पर तनावग्रस्त हो जाना या डिप्रेशन में चले जाना, आम समस्या बनती जा रही है। भारत उन देशों की कतार में भी आगे होता जा रहा है, जहां डिप्रेशन के मरीजों की संख्या अधिक है। बढ़ता तनाव और उससे जुड़ी शारीरिक समस्याएं, लोगों को फिर से उन प्राचीन यौगिक क्रियाओं और प्राकृतिक चिकित्सा की तरफ मोड़ रहा है, जो एक समय में हमारे देश में बहुत प्रचलित हुआ करती थीं। साउंड हीलिंग थेरेपी एक ऐसी ही थेरेपी है, जिसे लेकर लोगों में में रुझान बढ़ रहा है, जो तनाव कम करने में कारगर साबित हो रहा है।

कैसे काम करती है थेरेपी: साउंड हीलिंग एक ऐसी थेरेपी है, जिसमें ध्वनि तरंगों का इस्तेमाल किया जाता है, जो हमारे शरीर के सातों चक्रों पर काम करते हैं। इन सात चक्रों से संबंधित सात अलग-अलग बाउल का यूज किया जाता है, जिनके अलग नोट्स होते हैं और वो शरीर पर उसी नोट्स के हिसाब से काम करते हैं। ये बाउल मुख्यतः हाथों से बने होते हैं, जिनमें सात धातुओं का मिश्रण होता है, जिन्हें पूर्णिमा की रात में बनाया जाता है। इन बाउल में इतने वाइब्रेशन मौजूद होते हैं कि ये हमारे शरीर के चक्रों को सीधे प्रभावित करते हैं। इसलिए जब अलग-अलग चक्र के बाउल्स हमारे आस-पास बजाए जाते हैं, तब उनसे जो वाइब्रेशंस निकलती हैं, वो हमारे चक्रों के ब्लॉक को तोड़ देती हैं। चूंकि शरीर में मौजूद चक्रों के असंतुलन से ही मानसिक और शारीरिक समस्याएं उत्पन्न होती हैं। ऐसे में साउंड हीलिंग थेरेपी हमारे चक्रों को बैलेंस करने का काम करता है।

साउंड हीलिंग उन लोगों के लिए बहुत लाभदायक है, जो किसी मानसिक समस्या से गुजर रहे हैं और अपने दैनिक जीवन में तनाव को आसानी से हैंडल नहीं कर पाते हैं। चूंकि मन का स्वास्थ्य, तन के स्वास्थ्य से जुड़ा होता है, इसलिए कई ऐसे लोग जो किसी गंभीर बीमारी से भी गुजर रहे हों तो साउंड हीलिंग उनके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकता है।

तनाव-चिंता से दिलाए राहत: साउंड हीलिंग थेरेपी में अलग-अलग ध्वनि के वाइब्रेशन शरीर को अलग-अलग तरीके से ही प्रभावित करते हैं, जो हमारी चिंता और तनाव को काफी हद तक कम करने में मदद करते हैं। ये वाइब्रेशन, कोशिकाओं को शांत करती है, जिससे तनाव कम महसूस होने लगता है। कई बार जब आप ये थेरेपी लेंगे तो सर भारी महसूस होगा लेकिन कुछ सेशन लेने के बाद आप अपने तनाव को कम होता महसूस करेंगे।

अच्छी नींद में मददगार: जिन लोगों को कम नींद या नींद न आने की समस्या हो उनके लिए ये थेरेपी रामबाण की तरह काम करती है। शरीर में मौजूद चक्र जब धीरे-धीरे संतुलन में आने लगते हैं तो दिमाग शांत होने लगता है और उससे अच्छी नींद आती है।

एकाग्रता बढ़ाने में सहायक: बढ़ते काम का बोझ हो या स्टूडेंट्स की पढ़ाई का बढ़ता स्ट्रेस दिमाग को अशांत तो बनाता ही है। साथ ही ये एकाग्रता को भी कम करता है। साउंड हीलिंग थेरेपी एकाग्रता को बढ़ाने में मदद करती है और फोकस में वृद्धि करती है। रैटल शेकर इस थेरेपी में इस्तेमाल किया जाने वाला एक ऐसा अद्भुत यंत्र है, जिसे ऋषिकेश के जंगलों में पाए जाने वाले एक पेड़ के बीज से बनाया जाता है। हमारा दिमाग चार अलग-अलग वेव्स पर काम करता है अल्फा, बीटा, डेल्टा और गामा और जब हम किसी बात को लेकर ओवर थिंकिंग करते हैं तो वो दिमाग अल्फा, बीटा के स्टेट में चला जाता है। जब रैटल शेकर को मस्तिष्क पर रखा जाता है तो उससे निकलने वाली आवाज से शरीर प्रतिक्रियाएं देता है और दिमाग शांत होता चला जाता है।

कोर्टिसोल हॉर्मोन पर नियंत्रण: हमारे शरीर में मौजूद कोर्टिसोल हॉर्मोन बहुत-सी बीमारियों को जन्म देती है और शरीर के जिस हिस्से में यह बढ़ता है, वहां म्यूकस पैदा होता है। डिप्रेशन के मरीजों में कोर्टिसोल हॉर्मोन की मात्रा बहुत बढ़ जाती है और साउंड हीलिंग थेरेपी में ये हॉर्मोन रिएक्ट करता है इसलिए रेगुलर सेशन के बाद मरीज खुद को काफी शांत और हल्का महसूस करता है।

लाइफस्टाइल में बदलाव है जरूरी: डिजिटल और सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल ने लोगों को बहुत इंपल्सिव और इंसिक्योर बना दिया है और लोग शांति और सुकून की तलाश में अपने पुराने दौर की जीवनशैली की तरफ दोबारा बढ़ रहे हैं। लेकिन अगर अपने लाइफस्टाइल में हेल्दी बदलाव लाया जाए तो मानसिक तनाव पर बहुत हद तक काबू पाया जा सकता है। अच्छे खान-पान की आदत, अच्छी नींद और हार्मोनल बैलेंस के लिए सुबह-सुबह घास पर नंगे पांव चलना न सिर्फ फिजिकली फिट रखने में मदद करता है बल्कि यह हमारे मानसिक स्वास्थ को भी ठीक करता है। पूरे दिन में एक घंटे की फिजिकल एक्टिविटी जैसे वॉक, योग या जॉगिंग भी मेंटल फिटनेस के लिए बहुत जरूरी है। *

(होलिस्टिक हीलर शुभांगी चौहान से बातचीत पर आधारित)

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. विकास अग्रवाल

जनरल फिजीशियन, कोलकाता

अस्त-व्यस्त जीवनशैली समेत कुछ अन्य वजहों से इन दिनों अनेक लोग थाइरॉयड प्रॉब्लम से ग्रस्त रहने लगे हैं। हालांकि पुरुषों की तुलना में महिलाएं इससे अधिक ग्रस्त रहती हैं लेकिन पुरुषों में भी इसे काफी देखा जाने लगा है। ध्यान ना देने पर कई बार यह रोग गंभीर रूप भी ले लेता है। इसलिए यहां आपको इस रोग के कारणों, लक्षणों, उपचार और बचाव के बारे में डिटेल में बता रहे हैं।

कई अन्य समस्याओं की वजह बन सकती है थाइरॉयड प्रॉब्लम

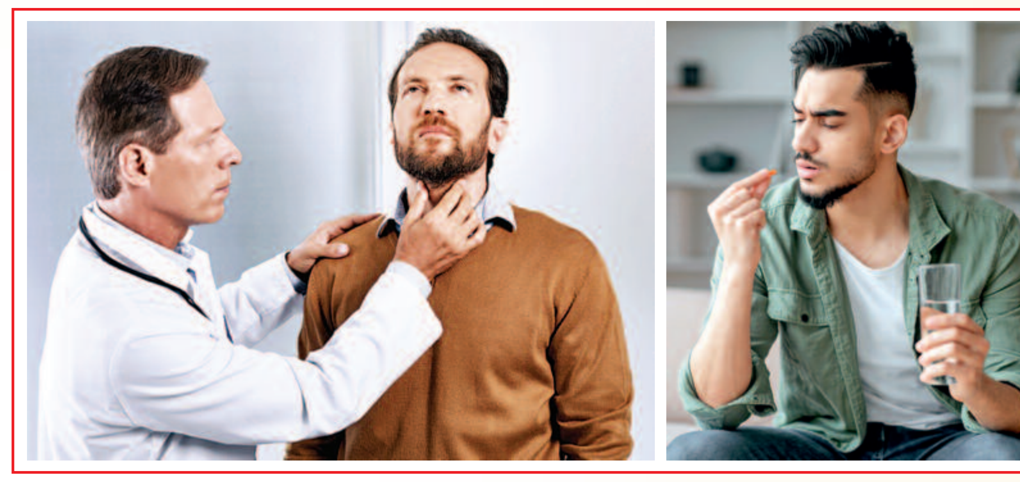

अगर आप अकसर बिना किसी कारण के खुद को बेचैन महसूस करते हैं, घबराए हुए से रहते हैं और जरा भुलक्कड़ भी हो गए हैं। किसी कार्य में एकाग्रचित्त नहीं हो पाते हैं। अचानक आपका शारीरिक वजन घटने या बढ़ने लगा है। जरूरत से ज्यादा थकान महसूस होती रहती है तो सावधान हो जाएं ऐसा थाइरॉयड प्रॉब्लम की वजह से भी हो सकता है। इंडियन थाइरॉयड सोसाइटी से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक भारत में 4.2 करोड़ से ज्यादा लोग थाइरॉयड के मरीज हैं, जिनमें 60 प्रतिशत महिलाएं हैं।

क्या है थाइरॉयड प्रॉब्लम

हमारे गले में अखरोट के आकार की थाइरॉयड ग्लैंड होती है, जो दो तरह के हारमोन टी3 और टी4 बनाती है। यह शरीर की सबसे महत्वपूर्ण ग्रंथियों में से एक है, जो कई शारीरिक क्रियाओं को कंट्रोल में रखती है। अच्छी नींद, स्वस्थ पाचन तंत्र, मेटाबॉलिज्म, लिवर फंक्शन, शरीर के तापमान को नियमित रखना और उसका विकास आदि। इस तरह आप थाइरॉयड ग्रंथि को शरीर का सेंट्रल कंट्रोलर मान सकते हैं। यह समस्या दो प्रकार की हो सकती है- हाइपोथाइरॉयडिज्म और हाइपरथाइरॉयडिज्म। हाइपो में वजन बढ़ने लगता है और भूख कम लगती है। हाथ पांव में सूजन आ जाती है। सुस्ती और ठंड लगने से व्यक्ति परेशान रहता है। महिलाओं में मासिकधर्म में गड़बड़ी और याददाश्त में कमी हो जाती है। आयोडीन की कमी के अलावा खान-पान पर ध्यान नहीं देना और जरूरत से ज्यादा तनावयुक्त जीवन थाइरॉयड समस्या को बढ़ावा देता है।

हाइपरथाइरॉयडिज्म समस्या में मरीज का वजन कम हो जाता है और बार-बार भूख लगती है। हमेशा टेंशन महसूस होना, ध्यान केंद्रित ना कर पाना, तेज या धीमी धड़कन और ब्लड प्रेशर की समस्या, वजन का तेजी से गिरना या बढ़ना, गले में सूजन, ज्यादा पसीना आना, मासिकधर्म की परेशानी, नींद में कमी, थकान को मिटाने के लिए बार-बार कुछ खाने की इच्छा, गैस्ट्रिक अल्सर, बार-बार यूरिन आना इसके लक्षणों में शामिल हैं। हाइपर थाइरॉयडिज्म की तुलना में हाइपोथाइरॉयडिज्म में यह समस्या ज्यादा देखी जाती है। ऐसा तब होता है, जब शरीर के कुछ सेल्स थाइरॉयड ग्लैंड की सेल्स को खत्म करना शुरू कर देते हैं। इसीलिए इसे ऑटो इम्यून बीमारी भी कह सकते हैं। पहले के दौर में यह समस्या काफी ज्यादा हुआ करती थी, लेकिन आजकल लोग इसके प्रति सचेत हो गए हैं।

थाइरॉयड रोग के लक्षण

इसके लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि थायराइड ग्रंथि अधिक सक्रिय (हाइपरथाइरॉयडिज्म) है या कम सक्रिय (हाइपोथाइरॉयडिज्म) है। थाइरॉयड के लक्षण हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकते हैं और धीरे-धीरे विकसित हो सकते हैं।

कम सक्रिय थाइरॉयड के लक्षण: थकान और कमजोरी, वजन बढ़ना, ठंड लगना, त्वचा और बालों का रूखापन, बाल झड़ना, कब्ज, मांसपेशियों में दर्द या जकड़न, डिप्रेशन या मूड स्विंग्स, धीमी हृदय गति, अनियमित या हैवी ब्लीडिंग, याददाश्त कमजोर होना, चेहरा या आंखों के आस-पास सूजन इसके लक्षणों में शामिल हैं।

अधिक सक्रिय थाइरॉयड के लक्षण: वजन कम होना (भूख बढ़ने के बावजूद), घबराहट, चिंता या बेचैनी महसूस होना, तेज हृदय गति या धड़कन, पसीना आना या गर्मी लगना, असहज लगना, नींद में परेशानी, बार-बार मल त्याग या दस्त, मांसपेशियों में कमजोरी, हाथों में कंपन, महिलाओं में अनियमित पीरियड्स, बालों का पतला होना, आंखों में उभार होना।

थाइरॉयड प्रॉब्लम के साइड इफेक्ट्स

इससे हड्डियां भी कमजोर पड़ने लगती हैं। थाइरॉयड के मरीजों को ऑस्टियोपोरोसिस होने की आशंका हो सकती है। पैरों में दर्द और वाटर रिटेंशन की समस्या भी थाइरॉयड प्रॉब्लम से ही जुड़ी है।

थाइरॉयड ग्लैंड में असंतुलन होने की वजह से हारमोंस में असंतुलन होता है। इससे दिल की बीमारी से लेकर इनफर्टिलिटी तक भी हो सकती है। थाइरॉयड कैंसर भी इसी असंतुलन का ही नतीजा है। गले में दर्द, सूजन और हमेशा भारीपन महसूस होना इसकी वजह से हो सकता है। हाइपोथाइरॉयडिज्म, प्रेगनेंसी में काफी खतरनाक हो सकता है। यह गर्भ में पल रहे शिशु के विकास और उसके मस्तिष्क के लिए काफी नुकसानदेह होता है। इसलिए महिलाएं जब भी प्रेगनेंसी प्लान करें, तो अपना थाइरॉयड टेस्ट जरूर कराएं।

थाइरॉयड हारमोंस से जुड़ी समस्या है, इसीलिए इसका सीधा असर सेक्स इच्छा और इनफर्टिलिटी पर पड़ता है। पुरुषों और महिलाओं में भी थाइरॉयड, सेक्स को प्रभावित करता है। अचानक आए मूड में बदलाव के लिए डॉक्टर से कंसल्ट करके थाइरॉयड टेस्ट कराएं और एंडोक्राइनोलॉजिस्ट से मिलें। थाइरॉयड की दवाएं लेने पर व्यक्ति नॉर्मल सेक्सुअल लाइफ जी सकता है। थाइरॉयड की समस्या ज्यादातर स्त्रियों में ही देखने को मिलती है। पुरुषों में थाइरॉयड की समस्या स्त्रियों की तुलना में कम देखने को मिलती है। इसके लक्षण दिखने पर डॉक्टर को जरूर बताएं। इससे जुड़ी सावधानियों और दवाओं के बारे में वे बताएंगे। जब तक थाइरॉयड नार्मल नहीं हो तब तक महिलाओं को प्रेगनेंसी प्लान करने से बचना चाहिए।

टेस्ट-ट्रीटमेंट

थाइरॉयड प्रॉब्लम की जांच के लिए डॉक्टर की सलाह पर TSH, T3, T4 जैसे ब्लड टेस्ट करवाए जा सकते हैं। थाइरॉयड की समस्या का इलाज दवाओं, सही आहार और जीवनशैली में बदलाव से संभव है। थाइरॉयड के उपचार के लिए डॉक्टर द्वारा बताई गई दवा फायदेमंद होती है। इससे मोटापा और थकान कंट्रोल में हो जाता है। थाइरॉयड की गोली ताउम्र खानी पड़ सकती है, पर कुछ केस में यह दवा छूट सकती है। दवा खाने और ना खाने का निर्णय आप डॉक्टर से कंसल्ट कर ही तय कर सकते हैं। *

प्रस्तुति: शिखर चंद जैन

प्रिकॉशन

राजकुमार 'दिनकर'

नारियल पानी पीने से पहले...

हम अकसर हरे नारियल को कटवाकर उसमें सीधे स्ट्रॉ लगाकर उसका पानी पीते हैं। क्या आपको पता है कि नारियल पानी को इस तरह सीधे नारियल से पीना, हमारे लिए फंगल इंफेक्शन का भी कारण बन सकता है। हालिया हुए एक अध्ययन से खुलासा हुआ है कि नारियल पानी को सीधे नारियल से पीना हमारी सेहत के लिए नुकसानदेय हो सकता है। क्योंकि इन हरे नारियल को आमतौर पर किसी ठंडी जगह पर स्टोर नहीं किया जाता, उन्हें एक बार तोड़ने के बाद एक जगह से दूसरी जगह लाकर बेचा जाता है। इस प्रक्रिया में नारियल कभी ठंडे, तो कभी बेहद गर्म वातावरण में रहते हैं। नम वातावरण में भी लगातार महीनों ऐसे ही रहने के कारण इनमें खतरनाक बैक्टीरिया, कवक और विषाक्त पदार्थ भी पैदा हो सकते हैं।

हो सकती हैं इस तरह की समस्याएं: प्रदूषित नारियल पानी बासी होने के कारण बहुत किस्म के हानिकारक बैक्टीरिया का घर हो सकते हैं। जिस पानी को पीने से हमें पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसे पीने के बाद उल्टी, पेट दर्द और दस्त हो सकता है। दूषित नारियल पानी में नाइट्रोप्रोपियोनिक एसिड जैसे विषाक्त पदार्थ हमारे तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है, जिसमें चक्कर आना, मांसपेशियों में सिकुड़न होने के लक्षण दिखाई देते हैं। अगर नारियल के भीतर मौजूद पानी ज्यादा प्रदूषित हो तो सांस लेने में भी कठिनाई महसूस होती है। इससे सीने में जकड़न या फेफड़ों में तरल पदार्थ का जमाव हो सकता है। अगर ऐसे लक्षण दिखाई दें या असहज महसूस हो तो समझ जाएं कि नारियल पानी में कोई कमी है। तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए।

सावधानी बरतें: नारियल पानी पीते समय कुछ सावधानी बरतें।

- नारियल सीधे न पिएं क्योंकि इसके बाहरी आवरण पर मौजूद दरारों से सूक्ष्मजीव नारियल में प्रवेश करते हैं।
- नारियल या नारियल पानी लाने के बाद उसको फ्रिज में रखें ताकि इसमें फफूंद और जीवाणु पनप न सकें।
- नारियल पानी पीते समय अगर आपको उसके स्वाद में खट्टापन, महक महसूस हो तो समझ जाएं कि यह भीतरी तौर से प्रदूषित है।
- कहीं भी खुले में नारियल खरीदने की बजाय सीलबंद पॉश्चराइज्ड नारियल पानी ही चुनें, जिनको सावधानीपूर्वक संरक्षित किया गया हो।
- अगर नारियल के खोल पर दरारें दिखती हैं तो ऐसे नारियल को न खरीदें। यह जरूरी नहीं कि रेफ्रिजरेटर में रखे नारियल भी पीने के लिहाज से सुरक्षित हों। इसलिए पीने से पहले हमेशा उसके स्वाद और गंध की जांच कर लें। *

सर्दी के मौसम ने दस्तक दे दी है। आने वाली कड़ाके की सर्दियों में स्वस्थ रहने के लिए अभी से तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। इसीलिए हम आपको कुछ सरल योगासनों के बारे में बता रहे हैं, जिनके अभ्यास से आप सर्दी के मौसम में भी स्वस्थ रहेंगे।

सर्दियों में आप रहेंगे स्वस्थ जब रोज करेंगे ये योगासन

योगोपचार

दिव्यज्योति 'नंदन'

सर्दियों में हमारे स्वास्थ्य की सच्ची रखवाली दवाइयां नहीं बल्कि कई तरह की हमारी शारीरिक गतिविधियां करती हैं। इनमें ही योगासन भी शामिल हैं। हल्की सर्दियां शुरू होते ही किस तरह हमारे शरीर और सेहत के लिए ये सीधे, सरल योगासन महत्वपूर्ण हैं। ये न केवल इन दिनों हमारे शरीर को गर्म रखते हैं बल्कि मन को भी सक्रिय और उत्साहित रखते हैं, जिससे हम प्रसन्न और एक्टिव रहते हैं, तो आइए सरल ढंग से जानें कि ये छह सीधे सरल योगासन कौन से हैं?

सूर्य नमस्कार: सूर्य नमस्कार हमारे योगशास्त्र का पहला और सबसे महत्वपूर्ण अध्याय है। सूर्य नमस्कार सही मायने में अकेला ही हमारे स्वास्थ्य का सबसे मजबूत रखवाला है। सूर्य नमस्कार, शरीर को भीतर से गर्म रखता है। हमारे रक्त संचार को तेज करता है, जिसकी इन दिनों हमें जरूरत होती है। साथ ही यह योगासन सर्दी के दिनों में शरीर की हर मांसपेशी को सक्रिय बनाता है, जिस कारण ठंड से होने वाले आलस्य और थकान से राहत मिलती है। इस तरह हर दिन सुबह खाली पेट अगर पांच से छह राउंड केवल सूर्य नमस्कार के कर लिए जाएं, तो सर्दियों में स्वस्थ रहने के लिए यह सबसे अच्छी गतिविधि है।

वज्रासन: इस मौसम में हमारी सेहत के लिए यह भी जरूरी आसनों में से एक है। भोजन के बाद वज्रासन की मुद्रा में बैठना शरीर के लिए सर्वश्रेष्ठ गतिविधियों में से एक होता है। यह आसन करने से ठंड के मौसम में हमारा पाचन दुरुस्त रहता है, साथ ही इस आसन के करने से हमारा शरीर शांत और संतुलित रहता है। वास्तव में वज्रासन करने से शरीर का भारीपन, गैस और अपच जैसी परेशानियां दूर होती हैं। सर्दी के मौसम में नियमित रूप से वज्रासन करने से हमारी सेहत सही रहती है। *

भुजंगासन: सर्दी के मौसम में जो दूसरा आसन हमारे लिए बेहद उपयोगी है, उसका नाम है- भुजंगासन या कोबरा पोज। यह आसन हमारी रीढ़ और पीठ को लचीला बनाता है। इन दिनों में कई लोगों की छाती, अतिरिक्त रूप से जकड़न का शिकार रहती है, उसे यह आसन अच्छी तरह से खोलता है, जिससे ठंडी हवा से जकड़े हमारे फेफड़ों को राहत मिलती है और सर्दी जुकाम से हम बचे रहते हैं। हर दिन भुजंगासन करने से हम सर्दी के दिनों में सर्दी लगने से भी बचे रहते हैं। इसके चलते हमारा शरीर इन दिनों गर्म रहता है।

रांची के पास बड़ा हादसा

पटरी से उतरकर पलट गए 10 डिब्बे पुर्जा-पुर्जा हो गई मालगाड़ी

एजेंसी ▶▶ राउरकेला

राउरकेला-रांची मुख्य रेल मार्ग पर बुधवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा हो गया। बानो और कनरवां रेलवे स्टेशन के बीच एक मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे इस व्यस्त रूट पर रेल यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया है। जानकारी के अनुसार, बानो और कनरवां रेलवे स्टेशन के बीच ज्वाइंट लाइन संख्या दो पर करीब सुबह 10 बजे बीएससीएस मालगाड़ी अचानक बेपटरी हो गई। हादसे में ट्रेन की लगभग दस बोगियां पटरी से उतर गईं। जिनमें से कुछ बोगी पलट चुकी हैं। डिब्बे के कलपुर्जे पटरी पर बिखर गए।

घटना के जांच के दिए आदेश

घटना के बाद हटिया और बंडामुंडा से रेलवे की राहत टीमों को तत्काल मौके पर रवाना किया गया है। फिलहाल मालगाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त होने के सटीक कारणों का पता नहीं चल सका है। फिलहाल किसी तरह की जनहानि की सूचना नहीं है, परंतु रेलवे अधिकारियों ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

गणतंत्र दिवस की परेड में यूरोपीय संघ के शीर्ष नेता पहली बार होंगे विशेष मेहमान

नई दिल्ली। अगले साल 26 जनवरी, 2026 पर गणतंत्र दिवस की परेड में यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं को पहली बार विशेष मेहमान के तौर पर निमंत्रण भेजा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा गणतंत्र दिवस समारोह के लिए मुख्य अतिथि होंगे। औपचारिक निमंत्रण भेजने के बाद अब स्वीकृति की आधिकारिक पुष्टि की प्रक्रिया चल रही है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग, कार्यालय कार्यपालन अभियंता, मिनीमाता बांगो बांध संभाग क्र. 3. माचाडोली जिला - कोरबा (छ.ग.)

-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना :-
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 178126 निविदा सूचना क्र. 07 /व.ले.लि./ ई-प्रोक्युरमेंट/ 2025-26,
दि. 28.10.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 14.11.2025 समय 17:30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है

कार्य का नाम- मिनीमाता बांगो बांध माचाडोली के स्पीलवे ट्रीटमेंट का कार्य (ब्लॉक नं. 19 से 30)।

अनुमानित लागत :- रू. 953.59 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 04.11.2025 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोटः- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

अन्य निविदा संबंधी शर्तें विभाग के साईट https://eproc.cgstate.gov.in में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

कार्यपालन अभियंता
मिनीमाता बांगो बांध संभाग क्र. 3, माचाडोली
जिला - कोरबा (छ.ग.)
G-252604382/5

कार्यालय नगर पालिका परिषद तखतपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

क्र. 652/लो.नि./न.पा./2025-26 तखतपुर, दिनांक 29/10/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेंडर नम्बर	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	Bid Due Date
178149	Design, Construction, Testing, Commissioning of all the Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) work Including 05 Years of Operation and Maintenance of the Entire System In Nagar Palika Parishad, Takhatpur under SBM 2.0 (1st Call)	459.77	20/11/2025
178153	Construction of Mini Stadium work at Nagar Palika Parishad Takhatpur (1st Call)	198.57	20/11/2025

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद तखतपुर

नगर पालिका के करो का भुगतान समय पर करें।

इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय
दाऊ कल्याण सिंह कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र भाटापारा - 493 118 (छ.ग.)
E-mail: dkscars@rediffmail.com

क्रमांक / शैक्ष. /2025-26/2369 भाटापारा, दिनांकः 29/10/2025

विज्ञापन

दाऊ कल्याण सिंह कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, भाटापारा में जेनेटिक्स एण्ड प्लांट ब्रीडिंग, एग्रीकल्चर एक्सटेंशन, एन्टोमोलॉजी, सॉइल साइंस एवं उद्यानिकी विषय में अतिथि शिक्षक की नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। आवेदन की अंतिम तिथि दिनांक 10.11.2025 है एवं साक्षात्कार दिनांक 25.11.2025 को 11 बजे से कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, भाटापारा में आयोजित किया जावेगा। विस्तृत जानकारी के लिये वि.वि.की वेबसाइट www.igkv.ac.in देखा जा सकता है।

S-45713/1 अधिष्ठाता

छ.ग. गृह निर्माण मंडल, वृत्त-दुर्ग

प्रथम निविदा आमंत्रण विज्ञापन क्र. 53

निक्षेप कार्य अंतर्गत उप पंजीयक कार्यालय भवनः 1. बेरला, ब्लॉक-बेरला, जिला-बेमेतरा में जीर्णोद्धार/ मरम्मत कार्य, राशि रू. 34.75 लाख। 2. साजा ब्लॉक-साजा, जिला-बेमेतरा में जीर्णोद्धार/ मरम्मत कार्य, राशि रू. 39.81 लाख। 3. नवागढ़, ब्लॉक-नवागढ़, जिला-बेमेतरा में जीर्णोद्धार/मरम्मत कार्य, राशि रू. 34.58 लाख। 4. कवर्धा, जिला-कबीरधाम में बाऊण्ड्रीवॉल एवं जीर्णोद्धार/मरम्मत कार्य, राशि रू. 27.21 लाख। 5. खैरागढ़, जिला-के.सी.जी. में जीर्णोद्धार/ मरम्मत कार्य, राशि रू. 14.38 लाख। की ऑनलाईन/मेन्यूवल निविदा प्रपत्र-'अ' में एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। विवरण मण्डल वेबसाईट www.cghb.gov.in एवं http://eproc.cgstate.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता, संभाग- कवर्धा के मो.नं. 94242-09025 पर सम्पर्क करें।

S-45716/1 उपायुक्त

आसाराम बापू को 6 महीने की अंतरिम जमानत, पुलिस सुरक्षा हटेगी

जयपुर। नाबालिग बच्ची से रेप के आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम बापू को चिकित्सा आधार पर 6 महीने की अंतरिम जमानत मिल गई है। राजस्थान हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा और न्यायमूर्ति संगीता शर्मा की खंडपीठ ने आसाराम की स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए जमानत अवधि के दौरान 3 पुलिसकर्मियों को रखने की शर्त भी हटा दी है। आसाराम बीमारी की वजह से अभी निजी आयुर्वेद अस्पताल में भर्ती है। राजस्थान की जोधपुर में 2013 में आसाराम पर नाबालिग बच्ची से रेप का आरोप लगा था, जिसके बाद 2018 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। कई याचिका खारिज होने के बाद आसाराम ने 2025 में चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत मांगी थी, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात के एक रेप मामले में आसाराम को 7 जनवरी, 2025 को दे दी।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला-नारायणपुर (छ.ग.)

// अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना //

निविदा क्रमांक /M-1277/पुअ/ना.पुर/एसी-1/2025-26/ नारायणपुर, **दिनांक 24/10/2025**

पुलिस अधीक्षक, नारायणपुर की ओर से निम्नलिखित निर्माण कार्य के लिए मुहरबंद निविदायें प्रपत्र- अ में प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा 01.01.2015 (भवन) एवं निविदा जारी दिनांक तक संशोधित दर अनुसूची के आधार पर लोक निर्माण विभाग के एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत सक्षम ठेकेदार ("डी" श्रेणी एवं अधिक) पंजीकृत ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्धति, जिसमें एक अमानत राशि व दूसरा निविदा प्रपत्र का लिफाफा होगा, निविदा पंजीकृत डाक/ स्पीड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है। कार्यालय पुलिस अधीक्षक, नारायणपुर में निविदाओं उपस्थित निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोले जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की जावेगी। उक्त तिथि को अपरिहार्य परिस्थिति में निविदा संबंधी कार्यवाही अगले कार्य दिवस को की जावेगी।

(1) निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि :- 06.11.2025 के 05:00 बजे तक
(2) निविदा प्राप्ति / जमा की अंतिम तिथि :- 07.11.2025 के 04:00 बजे तक
(3) निविदा खोले जाने की तिथि :- 10.11.2025 के संध्या 5:00 बजे
(4) निविदा प्रपत्र का मूल्य :- 750/- (चालान के माध्यम से पुलिस- 0055, 800- अन्य प्राप्तियां)
(5) कार्य पूर्ण करने की अवधि :- 03 माह (वर्षा ऋतु सहित)
(6) ठेके की आमंत्रण क्रमांक :- "डी" एवं उच्च श्रेणी लोनिवि के श्रेणी के पात्रतानुसार (प्रथम बार)
(7) प्रभावी दर अनुसूची :- लो.नि.वि. द्वारा दिनांक 01 जनवरी 2015 को जारी एस.ओ.आर. में प्रचलित

क्र.	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत	धरोहर राशि
1	38 वीं वाहिनी आई.टी.बी.पी. टेक हेड क्वार्टर मुंजमेटा नारायणपुर में ट्यूबलर स्ट्रक्चर्स बैरक 01 निर्माण कार्य।	9.00 (लाख)	18000=00
2	38 वीं वाहिनी आई.टी.बी.पी. टेक हेड क्वार्टर मुंजमेटा नारायणपुर में ट्यूबलर स्ट्रक्चर्स बैरक 02 निर्माण कार्य।	9.00 (लाख)	18000=00
3	38 वीं वाहिनी आई.टी.बी.पी. टेक हेड क्वार्टर मुंजमेटा नारायणपुर में ट्यूबलर स्ट्रक्चर्स बैरक 03 निर्माण कार्य।	9.00 (लाख)	18000=00
4	38 वीं वाहिनी आई.टी.बी.पी. टेक हेड क्वार्टर मुंजमेटा नारायणपुर में ट्यूबलर स्ट्रक्चर्स बैरक 04 निर्माण कार्य।	9.00 (लाख)	18000=00
5	38 वीं वाहिनी आई.टी.बी.पी. टेक हेड क्वार्टर मुंजमेटा नारायणपुर में ट्यूबलर स्ट्रक्चर्स बैरक 05 निर्माण कार्य।	9.00 (लाख)	18000=00
6	38 वीं वाहिनी आई.टी.बी.पी. टेक हेड क्वार्टर मुंजमेटा नारायणपुर में ट्यूबलर स्ट्रक्चर्स बैरक 06 निर्माण कार्य।	9.00 (लाख)	18000=00
7	38 वीं वाहिनी आई.टी.बी.पी. टेक हेड क्वार्टर मुंजमेटा नारायणपुर में ट्यूबलर स्ट्रक्चर्स बैरक 07 निर्माण कार्य।	9.00 (लाख)	18000=00
8	38 वीं वाहिनी आई.टी.बी.पी. टेक हेड क्वार्टर मुंजमेटा नारायणपुर में ऑफिसर टॉयलेट/ बॉथरूम का निर्माण कार्य।	5.00 (लाख)	10000=00

नोट :- निविदा संबंधी अन्य जानकारी के लिए पुलिस अधीक्षक, कार्यालय नारायणपुर में सम्पर्क कर सकते है।

पुलिस अधीक्षक,
नारायणपुर
G- 252604385/2

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, राँची।
अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेंट सूचना
टेन्डर रेफरेंन्स नं0-प0नि0वि0/राँची-38/2025-26
दिनांक :-24.10.2025

1.	कार्य का नाम	Surface Renewal / Strengthening work of – (i) Argora Chowk to Kathal More Road, (ii) Itki Road to Shyama Prasad Mukherjee Nagar Road, (iii) Siram toli Chowk to Bahu Bazar Via Chutiya Thana-Mahadev Manda Chutiya Road and (iv) Hinoo Chowk to Birsa Chowk road (कुल लम्बाई- 10.93 कि0मी0) कार्य वर्ष 2025-26.
2.	प्राक्कलि राषि (रू0 लाख में)	रू0 472.70 लाख (रूपये चार करोड़ बहत्तर लाख एवं सत्तर हजार) मात्र।
3.	अग्रधन की राषि (रू0 लाख में)	रू0 4.73 लाख (रूपये चार लाख एवं तिहत्तर हजार) मात्र।
4.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	04 (चार) माह
5.	वेबसाईड पर निविदा प्रकाषन की तिथि	03.11.2025 10.30 बजे पूर्वाह्न
6.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि/ समय	17.11.2025 12.00 बजे दोपहर तक
7.	निविदा खोलने तिथि/ समय	18.11.2025 12.30 बजे
8.	निविदा प्रकाषित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल राँची, मोहराबादी, राँची-834008.
9.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	0651-2361018
10.	ई-प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	0651-2403007

- प्राक्कलित राशि एवं अग्रधन की राशि घट-बढ़ सकती है, जिसे *Tender Online Upload* में देखा जा सकता है, एवं किसी भी प्रकार का बदलाव *http://jharkhandtenders.gov.in* पर देखा जा सकता है।
- नियम एवं शर्तें के लिए वेबसाईट *http://jharkhandtenders.gov.in* पर देखें।

PR 364784 Road Construction Dept Road Division Ranchi(25-26)D
कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमंडल,राँची।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता, गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, जगदलपुर (छ.ग.)

-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना :-
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 178133/ निविदा सूचना क्रमांक 08/व.ले.लि./ 2025-26, दिनांक 28.10.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 18.11.2025 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

कार्य का नाम :सुकमा जिले के विकासखण्ड सुकमा के गीदम नाला पर गुट्टागुड़ा एनीकट कम कार्य का नाम काजवे निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत : रू.206.71 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर)
(एस.ओ. आर. दिनांक 01.05.2025 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 08.08.2025 तक))

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 04.11.2025 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोटः- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/ पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस निविदा में जल संसाधन विभाग द्वारा दिनांक 01.10.2024 से अभी तक जारी समस्त निविदा पूर्व अर्हता प्रमाण पत्र मान्य होगा (प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग के पत्र क्रमांक 425001/TC/2016/ सर्क./ 9210 रायपुर दिनांक 23.09.2025 के अनुसार)।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, सुकमा
कृते मुख्य अभियंता गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, जगदलपुर, छ.ग.
G-252604403/4

कर्नाटक के विजयपुरा में भूकंप से दहशत

विजयपुरा। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में लगातार आ रहे भूकंपों ने लोगों की नींद उड़ा दी है। पिछले दो महीनों में 11 झटके दर्ज किए गए हैं। मंगलवार रात 11:41 बजे के बाद बुधवार सुबह भी करीब 5:30 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। लोग घरों से बाहर भागे। दीवारे और वाहन हिलने लगे।

राणा को फिर मिली जान से मारने की धमकी

मुंबई। महाराष्ट्र की भाजपा नेता और पूर्व सांसद नवनीत राणा को एक बार फिर से जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी स्पीड पोस्ट के जरिए आए एक पत्र में लिखकर भेजी गई है। यह हैदराबाद से भेजा है। नवनीत ने इसकी शिकायत अमरावती के राजापेठ पुलिस स्टेशन में की। जिसके आधार पर पुलिस ने असंज्ञेय मामला दर्ज किया है।

माफिया ने ड्रोन से की बमबारी, 4 पुलिस अफसरों समेत 64 की मौत

रियो डि जेनेरियो। ब्राजील के रियो डि जेनेरियो में पुलिस ने ड्रग संगठन 'रेड कमांड' के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन चलाया है। इस ऑपरेशन में कम से कम 64 लोग मारे गए, जिनमें 4 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। राजधानी रियो डि जनेरियो में मंगलवार सुबह 2500 पुलिसकर्मियों ने हेलिकॉप्टर से अपराधियों के इलाकों पर छापा मारा।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सरोना, तेलीबांधा, मोतीबाग, टाटीबंध, चंदनडीह एम.जी. रोड हेतु सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी हेड गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर एंव हाऊसकीपिंग स्टाफ की आवश्यकता है ड्यूटी 12 घंटा, योग्यता न्यूनतम दसवीं पास। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क- 8602776151. (RO-6551)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित संस्था में कार्य हेतु सुरक्षा गार्ड, सुपरवाइजर की आवश्यकता है (मेल / फीमेल) संपर्क करें मोबाइल नंबरः- 9981855505, 9131941253.(RO-339)

मिल कार्य

आवश्यकता है- तेल मिल मे काम करने के लिए लड़के लड़की की आवश्यकता है. रायपुरा चौक. पगार 8 से 10 हजार 8839105162. (RO-398)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- सर्जिकल आफिस में लड़के और लड़कियों की आवश्यकता है। योग्यता 10वी, 12वी, संपर्क करेः- रामा मेडिटेक, गीतांजलि नगर, हाऊस नम्बर-15/A, रायपुर, 6269933233.(RO-389)

वेल्डर

आवश्यकता है- वेल्डर की जॉब के लिए संपर्क करे गौरव इंजीनियरिंग वर्कस धमधा रोड दुर्ग बायपास के पास फोन नंबर :- 9329870104. (आरो नं.-1677)

डिजाइनर/ऑपरेटर

आवश्यकता है- विज्ञापन एंव प्रिटिंग ऑफिस हेतु अनुभवी सेल्समैन, ग्राफिक्स डिजाइनर, टेलीकॉलर, हेल्पर, कम्प्युटर ऑपरेटर, पी ए, चपरासी, एंव ड्रायवर की आवश्यकता है। संपर्क मां एड एजेंसी रायपुरा चौक। 7974351591.(RO-4024)

क्लीनिक कार्य

आवश्यकता है- क्लीनिक में कार्य हेतु दसवीं/ बारहवीं पढ़े लड़के की आवश्यकता है। दुर्ग निवासी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार 6000 से 7000, संपर्क - डॉ. एच.सी.अग्रवाल मों नं.- 96177-89223, 942555-55659, समय- शाम 5 बजे से 8 बजे तक पताः- स्टेशन रोड स्वरूप टॉकिज के सामने ब्राइट फर्नीचर के पीछे दुर्ग (छ.ग.) (आरो न.-4114)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- घरेलू कार्य करने हेतु महिला/ लड़की की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- पाटलिपुत्र कॉलोनी लोयला स्कूल के बाजू में वसंत विहार चौक बिलासपुर 7974770055, 8889997826.(RO-38966)

हेल्पर/पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- गोलबाजार रायपुर शॉप के लिए लेडिस स्टॉफ हेल्पर पैकिंग कार्य हेतु (आकर्षक वेतन+ ओवरटाइम) केवल मेहनती परमानेंट काम के इच्छुक संपर्क करें प्रातः 9 से 11- 9826679757.(RO-0066)

छोटा विज्ञापन

ड्रायवर

शीघ्र आवश्यकता- स्कूल बस चालक/ मैजिक चालक- 10 पद, सुरक्षागार्ड- 05 पद संपर्क करे- मो. नं. 7389358588, 7805015500, पता- 01, सुंदर नगर रायपुर. (RO-0070)

कुक

आवश्यकता है- न्यू राजेंद्रनगर रायपुर घर में शाकाहारी खाना बनाने महिला कुक की आवश्यकता, समय सुबह 10.30-1, शाम 5.30-7.30 तक, वेतन काम अनुसार संपर्क करें 8120289207, 9300201654. (RO-A)

आवश्यकता है- न्यू गीतांजलि नगर, रायपुर (बी टी आई के पास) में खाना बनाने के लिए महिला की आवश्यकता है। संपर्क - 9752530608. (RO-352)

एच.आर./मैनेजर

आवश्यकता है- शिवाय & रूद्र कार्पोरेशन शंकर नगर रायपुर को विभिन सर्विस के लिए HR मैनेजर/एग्जीक्यूटिव प्रोजेक्ट का ऑर्डिनेटर की आवश्यकता है, योग्यता पोस्ट ग्रेजुएशन, ग्रेजुएशन, वेतन योग्यतानुसार कॉन्टैक्ट- 7354154632.(RO-336)

सेल्स एक्जीकेटिव

आवश्यकता है- वाशिंग पाउडर कंपनी शिवशक्ति एंटरप्राइजेस दुर्ग क्षेत्र के लिए अनुभवी सेल्स एग्जीक्यूटिव एवं फैक्ट्री अंदर कार्य हेतु कर्मचारी कि आवश्यकता स्वयं का वाहन आवश्यक वेतन योग्यतानुसार संपर्क 7000169593.(आरो नं.-1679)

हरिभूमि क्लासीफाईड

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- टाटीबंध,रायपुर नर्सिंग होम, ट्रेनी स्टाफ (12 वी)। नर्सिंग स्टाफ(ANM, GNM)। आया बाई। वेतन योग्यतानुसार। रहने की सुविधा। मो.9826077576,समय 1-2 PM (RO-0068)

ऑफिस कार्य/मार्केटिंग

आवश्यकता है- आफिस कार्य एवं मार्केटिंग हेतु युवतियों/ महिलाओ कि आवश्कता है, योग्यताः १२वीं पास सम्पर्क करें:- मीताली वेलनेस रायपुर ढाबा के पास, पचपेड़ी नाका चौक रायपुर फोन नंबर 0771-3502204.(RO-337)

घरेलु नौकर

आवश्यकता है- रायपुर स्थित एक प्रतिष्ठित बंगले के लिए 12 घंटे एवं 24 घंटे कार्य हेतु अनुभवी, विश्वसनीय एवं जिम्मेदार घरेलू नौकर की आवश्यकता है अनुभवः 5 से 10 वर्ष शैक्षणिक योग्यताः न्यूनतम 10वीं पास वेतनः 25,000 तक प्रतिमाह सुविधाएंः रहने और खाने की व्यवस्था निःशुल्क स्थानः सिविल लाइन्स रायपुर संपर्क करें: 9109125252 / 9109972720 केवल अनुभवी और जिम्मेदार उम्मीदवार ही संपर्क करें। (RO-338)

गोडाऊन कार्य

आवश्यकता है- डाबर की एजेंसी के गोडाउन एवं कम्पुटर पर कार्य करने हेतु लड़को की एवं टाटा एस के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें किसन मार्केटिंग, महेश कालोनी, श्रीनगर रोड गुढियारी, रायपुर मो 9827168307.(RO-349)

हेल्पर

आवश्यकता है- राईस मिल हेतु परबाईलिंग में हेल्पर कार्य के लिये कुल 4 पद लड़को की आवश्यकता हैं। सम्पर्क करें- बोरझरा, उरला, रायपुर (छ.ग.), मो. 9826136200. (RO-6999)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस में टेलीकॉलर काम के लिए लड़को की जरूरत है केवल अविवाहित 18 से 28 वर्ष आयु वाले ,ऑल इंडिया प्लेसमेंट शुरुआती वेतन 12000 रहने के लिए कमरा दिया जाएगा 7310671995, 6387630593. (RO-522)

आवश्यकता है- ग्वालियर में ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए वेतन 10000 + कमीशन + बोनस के साथ कमाए 15000-20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया का कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करे - 9039470547.(RO-512)

सेल्समैन/हेल्पर

आवश्यकता है- थोक कपड़े की दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समैन व कपड़े की दुकान में काम किया हुआ व्यक्ति एवं हेल्पर की आवश्यकता है समय 3 से 6 चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29-30 प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर- 9425506658, 9424200658, 9425206658.(RO-7262)

हरिभूमि क्लासीफाईड

टेक्नीशियन/असिस्टेंट

आवश्यकता है- यूरेकाफॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु टेलीकॉलर- 2, ऑफिस असिस्टेंट- 02, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव- 4, सर्विस टेक्निशियन- 2, ऑफिस बॉय-1 संपर्क करें:- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर 9826652461. (RO-327)

सेल्स कार्य

आवश्यकता है- श्रीमारूति कोरियर आंफिस में लड़कियों एवं डाक-पार्सल बांटने बाइकर 12वीं पास लड़के चाहिए। श्री मारूति कोरियर, रिंगरोड-1, कालीमाता मंदिर के आगे, कुशालपुर, रायपुर, बायोडाटा भेजे 9399676408. (RO-A)

इंजीनियर/मैनेजर

आवश्यकता है- दुर्ग/ राजनांदगांव में निम्न पदों के लिए कर्मचारी (युवक/युवतियां) की आवश्यकता है। 5 साल अनुभवी को प्राथमिकता। * बी.ई./ डिप्लोमा सिविल इंजीनियर - 4 पद , * सुपरवाइजर भवन/सड़क निर्माण कार्य हेतु - 4 पद , * फार्म हॉउस मैनेजर -1 पद ,* फार्म हॉउस टेडेसरा साफ-सफाई कर्मचारी (फैमिली सहित) , के.पी.मिश्रा कन्स्ट्रक्शन पता- महाराजा चौक, डी-15, आदर्श नगर दुर्ग- 78698-77505, 70003-43771.(आरो न.-683)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

अन्य

आवश्यकता है- वन विभाग को जिलानुसार लड़के लड़कियों की पद संख्या- 975 वनरक्षक फील्ड ऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (26500+59500) पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे (रविन्द्र साहू) 7275246764. (RO-1203)

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें - 9241054300 (RO-590)

Business व्यापार

व्यापार- जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित संपर्कः- APS इंटरप्राइजेस, रायपुर- 9111760925, 9977676447, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, अंबिकापुर- 8827848099. (RO-302)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

जैकेट के शेष

दो एकड़ में बना ऐसा भवन...

उद्घाटन करेंगे। शांति शिखर भवन में इसे लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए भवन को आकर्षक तरीके से सजाया जा रहा है। नवा रायपुर में रहने और ब्रम्हाकुमारी संस्थान से जुड़े रंगोली कलाकार हितेन्द्र देवांगन अपने कुछ साथियों के साथ वहां 40 बाई 40 की विशाल रंगोली बनाने के काम में सोमवार से जुटे हुए हैं। पांच दिन की मेहनत के बाद तैयार होने जा रही इस रंगोली में प्रधानमंत्री मोदी और संस्थान की पूर्व प्रशासिका दादी जानकी के बीच आत्मीय क्षणों को बखूबी दर्शाया जा रहा है। भवन के भीतर भूतल में बनाई जा रही इस रंगोली का प्रधानमंत्री मोदी कार्यक्रम के दौरान अवलोकन भी करेंगे। भवन के उद्घाटन और सभा को संबोधित करने के बाद वहां बनाए गए मेडिटेशन के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

राजस्थानी शैली में भवन, डेढ़ हजार की क्षमता वाला ऑडिटोरियम : एकेडमी फार ए फीसफुल वर्ल्ड- शांतिशिखर का निर्माण राजस्थानी शैली में जोधपुर के बालुई पत्थर (सैंड स्टोन) से किया गया है। दो एकड़ में बने इस भवन में गुलाबी पत्थर से डिजाइन करने के साथ निर्माण में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यहां डेढ़ हजार की क्षमता वाला सर्वसुविधा युक्त वातानुकूलित ऑडिटोरियम, दो सेमिनार हाल, राजयोग अनुभूति के लिए मेडिटेशन कक्ष, लाइब्रेरी, साहित्य केंन्द्र आदि बनाये गये हैं।

भवन के बाहर विशाल...

स्थल तैयार किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के साथ राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह शामिल होंगे।

छत्तीसगढ़ का मुख्यालय...

कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। इसका लाभ छत्तीसगढ़ के साथ ओडिशा और महाराष्ट्र के लोगों को भी मिलेगा।

नक्सलियों की टूट रही...

डीएकेएमएस और सीएनएम के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्य शामिल हैं। इन्होंने हिंसक और जनविरोधी विचारधारा को त्यागकर शांति और प्रगति के मार्ग को अपनाया है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यधारा में लौटे सभी कैडरों ने संविधान पर आस्था व्यक्त करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में सम्मानजनक जीवन जीने का संकल्प लिया है। राज्य शासन द्वारा इन्हें पुनर्वास प्रोत्साहन के रूप में 50 हजार की राशि प्रदान की जाएगी। इस पुनर्वास की प्रक्रिया में डीआरजी, बस्तर फाइटर, एसटीएफ, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और कोबरा की टीमों का विशेष योगदान रहा।

बस्तर में पुनर्वास की रोशनी...

सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का मानना है कि संवाद ही इस समस्या का स्थायी समाधान है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में देश अब नक्सल मुक्त भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है। छत्तीसगढ़ सरकार इस दिशा में प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे इस परिवर्तन की यात्रा में सहभागी बनें, ताकि छत्तीसगढ़ का प्रत्येक गांव शांति, प्रगति और समरसता का प्रतीक बन सके।

पोलित ब्यूरो एवं सीसी के...

आईजी बस्तर सुंदरराज पी. ने स्पष्ट करते हुए कहा कि नक्सलियों के पोलित ब्यूरो एवं सीसी मेंबर के मात्र 6 से 7 लीडर बचे हैं, जो भूमिगत हैं। उनके पास अभी भी हथियार छोड़कर मुख्यधारा में आने का समय है, अन्यथा हमारी फोर्स उनको निर्धारित समय तक खत्म करने के लिए तैयार है। पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने मीडिया से रूबरू होते हुए बताया कि उत्तर सब डिविजन व्यूरो में पांच डिविजन नार्थ उत्तर कांकेर डिविजन, माड़ डिविजन, पूर्व उत्तर डिविजन, केशकाल डिविजन और गढ़चिरौली डिविजन आता है। यह पांचों डिविजन खत्म होते हुए नजर आ रहे हैं। इन पांच डिविजन में अब कितने नक्सली होंगे, यह तो आंकड़ा स्पष्ट नहीं है, परंतु जंगलों में रहकर बंदूक के दम पर आतंक फैलाने वालों के पास मौका है कि हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा में जुड़ जाएं और शांति कायम में सहभागी बने। पांचों डिविजन के जंगल में भटक रहे नक्सली हथियार छोड़कर सीधे जिला मुख्यालय पहुचकर संपर्क करके हथियार छोड़ सकते हैं, उनको किसी से डरने की जरूरत नहीं है। अपील के बाद भी नहीं समझ में आ रहा है, तो अब वहीं होने वाला है जो हमारी फोर्स ने 10 माह में जिस ढंग से पोलित ब्यूरो के महासचिव बासवराजू एवं सीसी के साथ हुआ है। उसके लिए हमारी सभी फोर्स व बटालियन तैयार है। बारिश खत्म हो चुकी है और अब ऑपरेशन में भी गति आएगी। बस्तर संभाग में छिपे नक्सलियों के पास अभी का समय बहुत अच्छा है, दो सप्ताह में जिस तरह से सैकड़ों नक्सली शांति मार्ग को अपनाकर आ रहे है, वो भी आ जाएं।

पोलित ब्यूरो एवं सीसी की...

मेंबर में माल्ला राजी रेड्डीव उर्फ साथीन्ना उर्फ मुरली उर्फ संग्राम, पाका हनुमंताथू उर्फ गणेश उइके, माड़वी हिड़म, रामदेर उर्फ मज्जीदेव बचे हुए हैं।

डीएमएफ घोटाला...

भी धावा बोला है। सूत्रों के मुताबिक ईओडब्लू ने रायपुर में वालफोर्ट एनक्लेव स्थित अशोक, अमित कोठारी तथा उनके भाइयों के ठिकानों पर छापे की कार्रवाई की है। इसी तरह राजनांदगांव में ललित भंसाली, राधा कृष्ण फर्म, एस. नहाटा, विनोद कुमार तथा एक अन्य, दुर्ग-भिलाई में पेशे से ठेकेदार निलेश पारख के मकान तथा निवास, धमतरी, सिर्री में ठेकेदार अभिषेक त्रिपाठी के ठिकाने पर धावा बोला है।

यह है डीएमएफ...

सब इंजीनियर को 2% कमीशन मिला। डीएमएफ के वर्क प्रोजेक्ट में करप्शन के लिए फंड खर्च के नियमों को बदला गया था। फंड खर्च के नए प्रावधानों में मटेरियल सप्लाई, ट्रेनिंग, कृषि उपकरण, खेल सामग्री और मेडिकल उपकरणों की कैटेगरी को जोड़ा गया था, ताकि संशोधित नियमों की मदद से डीएमएफ के तहत जरूरी डेवलपमेंट वर्क को दरकिनार कर अधिकतम कमीशन वाले प्रोजेक्ट को अप्रूव किया जा सके।

अलकनंदा टॉकीज में ...

में रिबई पंडो और उसके परिवार के दो अन्य बच्चों की भूख से मौत की घटना ने पूरे देश में हलचल मचा दी थी। इस मुद्दे को मध्यप्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री और सरगुजा की वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंहदेव ने जोरदार ढंग से उठाया था। उन्होंने तत्कालीन कलेक्टर के निलंबन की मांग की थी। यह मामला इतना तूल पकड़ा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव को स्वयं वाड्रफनगर आकर स्थिति का जायजा लेना पड़ा। राजनीतिक माहौल में बढ़ते तनाव के बीच 19 अप्रैल 1992 को तत्कालीन कलेक्टर टीएस छतवाल ने अलकनंदा टॉकीज का लाइसेंस निरस्त करने के लिए नोटिस जारी किया। नोटिस का जवाब देने की अंतिम तिथि 23 अप्रैल थी, लेकिन 24 अप्रैल को जबलपुर हाईकोर्ट ने सिंहदेव परिवार के पक्ष में स्थगन आदेश जारी कर दिया। सिंहदेव के अधिवक्ता ने उसी दिन शपथपत्र सहित यह आदेश कलेक्टर को देने की कोशिश की परंतु कलेक्टर ने मिलने से इंकार कर 24 अप्रैल की दोपहर अलकनंदा टॉकीज का लाइसेंस निरस्त कर टॉकीज का संचालन रोक दिया। इस कार्रवाई के चलते 24 और 25 अप्रैल के चार शो नहीं चल सके। सिंहदेव ने आठ हजार रुपए की क्षति की जानकारी देते हुए क्षतिपूर्ति की मांग की। अदालत में आबकारी आयुक्त ने बताया कि उनके कार्यालय में अलकनंदा टॉकीज के लाइसेंस निरस्तीकरण से संबंधित कोई फाइल उपलब्ध नहीं है। उच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में तत्कालीन कलेक्टर टीएस छतवाल को दोषी पाते हुए ब्याज सहित 34,795 रुपए की क्षतिपूर्ति राशि राजपरिवार को देने का आदेश दिया है। यह राशि न्यायालय में जमा करा दी गई है। तीन दशक बाद आये इस फैसले से साफ हो गया कि अलकनंदा टॉकीज पर कार्यवाही राजनीतिक प्रतिशोध के चलते की गई थी। पूर्व मंत्री श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंहदेव ने रिबई पंडो और बेटों की भूख से मौत का मामला मजबूती के साथ उठाया था जो राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियां बना, यह बात मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा की सरकार को नागवार गुजरी। सत्ता के इशारे पर उक्त कार्यवाही को अंजाम दिया गया।

पेज एक के शेष

ट्रंप ने कहा...

से बात किए बिना ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच मई की शुरुआत में हुए विवाद को सुलझाने का दावा किया। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद दोनों देशों के तनाव कायम हैं। इस 50 प्रतिशत शुल्क में रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है।

100 सीसीटीवी ...

मस्तूरी में की गई 15 राउंड फायरिंग की गुत्थी बिलासपुर पुलिस ने सुलझा ली है। जमीन की खरीद फरोख्त, अतिक्रमण और राजनैतिक वर्चस्व को लेकर यह कांड हुआ। मंगलवार की शाम मस्तूरी पुराना बस स्टैण्ड चौक पर मस्तूरी जनपद उपाध्यक्ष व उनके रिश्तेदारों पर तीन नकाबपोशों ने जमकर फायरिंग की। इसमें किरारी निवासी किसान चंद्रकांत सिंह व राजू सिंह के हाथ व पैर गोली लगी है। इस सनसनीखेज वारदात से पूरे इलाके में हड़कंप मचा गया। बताया जा रहा है कि मस्तूरी के नितेश सिंह व मुख्य आरोपी विश्वजीत अनन्त के परिवार के मध्य मस्तूरी क्षेत्र में जमीन के विवाद व राजनैतिक वर्चस्व को लेकर खींचतान चल रही है, दोनों पक्षों पर मस्तूरी तथा सिविल लाइन थाने में अपराध दर्ज हैं। मस्तूरी में गोली कांड करने से पहले आरोपी विश्वजीत अनंत, नितेश सिंह एवं उसके परिजनों तथा साथियों को जान से मारने की नीयत से अपने भाई तथा अन्य आरोपियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया है।

सीएम साय ने कहा...

धर्मांतरण एक बड़ा मुद्दा बना रहा। धर्मांतरण को लेकर सीएम श्री साय ने कहा कि धर्मांतरण रोकने सभी को जागरूक होना पड़ेगा। इस देश में किसी धर्म को मानने का सभी को अधिकार है यह धर्म निरपेक्ष देश है लेकिन किसी की अशिक्षा गरीबी, अज्ञानता को माध्यम बनाकर, बहला फुसलाकर धर्मांतरण करते हैं तो यह ठीक नहीं है यह बंद होना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण के लिए प्रदेश में पहले कानून है लेकिन अब इससे भी कड़ा कानून ला रहे हैं। दिसंबर में होने वाले शीतकालीन सत्र में बिल पास किया जाएगा।

अच्छी हो जाएंगी सड़कें : सड़कों की स्थिति को लेकर सीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के पांच साल के कार्यकाल में सड़कों के मेंटेनेंस पर ध्याननहीं दिया गया। अभी-अभी बारिश समाप्त हुई है और थोड़ा इंतजार करें। 22 महीने की सरकार में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। सड़कें अच्छी हो जाएंगी।

हाईकोर्ट सख्त..

प्रदेश में कानून व्यवस्था को चुनौती दी जा रही है। हाईकोर्ट द्वारा ऐसी घटनाओं पर पहले संज्ञान लिए जाने और मुख्य सचिव द्वारा बार-बार शपथ पत्र देने के बावजूद प्रदेश में ऐसी घटनाओं पर सख्त कार्रवाई से अंकुश नहीं लगाया जा रहा है। कोर्ट ने कहा कि उम्मीद है कि मुख्य सचिव लॉ एंड ऑर्डर का पालन सुनिश्चित करेंगे। ऐसा नहीं होने पर इसका प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जाएगा। रजिस्ट्रार ज्यूडिशियल और राज्य सरकार की तरफ से पैरवी कर रहे वकील को निर्देश दिया गया है कि वे इस आदेश की सूचना तत्काल मुख्य सचिव को दें। छत्तीसगढ़ में कुछ रसूखदारों द्वारा सड़क पर लगातार केक काटते हुए जन्मदिन मनाया जा रहा है।

पैदल मार्च कर ...

आंदोलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर करीब 20 किलोमीटर तक ट्रैफिक जाम लगा हुआ है, जिससे एंबुलेंस और पुलिस वाहन भी नहीं चल पा रहे। न्यायमूर्ति रजनीश व्यास ने कहा कि यह हाईवे नागपुर एयरपोर्ट और नेशनल कैंसर इंस्टिट्यूट से जुड़ता है। सड़क पर जाम होना नागरिकों के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। सरकार की ओर से सुनवाई में वकील देवेन्द्र चौहान उपस्थित रहे।

मुंबई में तोड़फोड़ के दौरान 4 मंजिला इमारत गिरी, दो लोग घायल

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के माहिम इलाके में बुधवार को तोड़फोड़ अभियान के दौरान एक 4 मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में 2 लोग घायल हुए हैं। घटना सेनापति बापट मार्ग पर माहिम रेलवे स्टेशन के पास स्थित उन्नति सोसाइटी में दोपहर करीब 1:48 बजे हुई है।

बृहन्मुंबई नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि हादसा तब हुआ, जब 4 मंजिला संरचना में तोड़फोड़ का काम चल रहा था, तभी अचानक से पूरी इमारत ढह गई। अधिकारियों ने बताया कि इमारत के ढहने के बाद अग्निशमन विभाग, 108 एम्बुलेंस सेवाओं और पुलिस समेत आपातकालीन प्रतिक्रिया दल तुरंत मौके पर पहुंचे। मलबे से 2 घायलों को निकाला गया है, जो अस्पताल में भर्ती हैं। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। बचाव कार्य भी पूरा हो गया है। बताया जा रहा है कि इमारत काफी जर्जर हो गया था, जिससे तोड़फोड़ के दौरान वह गिर गया हालांकि, मामले की जांच की जा रही है।

राम मंदिर को मिला तीन हजार करोड़ से अधिक का दान : मिश्र

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भक्तों ने तीन हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का दान दिया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बुधवार को इसकी पुष्टि की।

मिश्र ने बताया कि 2022 में शुरू हुए निधि समर्पण अभियान के बाद से देश भर से श्रद्धालुओं ने उदारतापूर्वक दान दिया है तथा राम मंदिर निर्माण के लिए भक्तों ने तीन करोड़ रुपये से अधिक का योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि मंदिर परियोजना की कुल लागत लगभग 1800 करोड़ रुपये आंकी गई है और अब तक लगभग 1500 करोड़ रुपये का बिल तैयार हो चुका है। मिश्र ने कहा कि 2022 के बाद दान देने वाले समेत सभी दानदाताओं को आगामी 25 नवंबर को होने वाले ध्वजारोहण समारोह में आमंत्रित किया जाएगा। मिश्र ने बताया कि

ध्वजारोहण समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने और प्रधानमंत्री के दौरे एवं कार्यक्रम के विवरण पर चर्चा के लिए राम मंदिर निर्माण समिति की एक बैठक हुई। उन्होंने बताया कि समिति प्रधानमंत्री से अनुरोध करेगी कि वह ऋषियों और संतों के आश्रमों को दर्शाने वाले भित्तिचित्रों एवं सप्त मंदिर क्षेत्र को देखने के लिए समय निकालें। उन्होंने बताया कि सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए ध्वजारोहण समारोह में आठ हजार से अधिक लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है।

पीएम मोदी करेंगे मंदिर का ध्वजारोहण

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे और मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण करेंगे। बुधवार को ध्वजारोहण समारोह का परीक्षण किया गया। मिश्र ने बताया कि प्रधानमंत्री के 70 एकड़ के मंदिर परिसर में शेषावतार मंदिर, कुबेर टीला और सप्त मंडपम भी जाने की उम्मीद है।

एक बार में आठ हजार लोग कर सकेंगे दर्शन

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष के अनुसार मुख्य मंदिर के अंदर एक बार में पांच हजार से आठ हजार श्रद्धालुओं के दर्शन की व्यवस्था की गई है। दक्षिणी निकास द्वार तक दर्शन मार्ग में लगभग 20 मिनट लगेंगे जबकि सुग्रीव किले तक पूरे मार्ग में लगभग 40 मिनट लगेंगे।

उद्धव ठाकरे 'दो मुंह वाला कोबरा' हैं दोहरे मापदंड अपनाते हैं : भाजपा नेता

एजेंसी ▶▶| मुंबई

महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता आशीष शेलार ने शिवसेना (उबाठा) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को ''दो मुंह वाला कोबरा'' कहा और उन पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। शेलार ने यह टिप्पणी ठाकरे द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मुंबई को ''निगलने की चाहत रखने वाला एनाकोंडा'' कहे जाने के दो दिन बाद की है। शेलार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आप दो मुंह वाले कोबरा हैं उद्धव ठाकरे।' उन्होंने कहा कि ठाकरे खुद को बाघ कहते हैं, लेकिन लोमड़ी की तरह व्यवहार करते हैं।

■ ठाकरे की राजनीति दूसरों पर टिप्पणी करने की

शेलार ने कहा, ''वह तलवार चलाने की बात करते हैं, लेकिन अपने दोस्तों के खिलाफ हो जाते हैं। वह दूसरों को एनाकोंडा कहते हैं, लेकिन जहरीले सांप की तरह काम करते हैं। वह मुंबई के विभाजन की अफवाहें फैलाते हैं और फिर शहर का शोषण करते हैं।'मंत्री ने कहा कि ठाकरे भाजपा कार्यालयों पर सवाल उठाते हैं, लेकिन अपना नया आवास 'मातोश्री-2' बनाते हैं। शहर के बांद्रा इलाके में स्थित 'मातोश्री' ठाकरे का आवास है। इससे पहले, ठाकरे ने शाह पर तब निशाना साधा था जब वह चर्चगेट स्टेशन के पास नए भाजपा कार्यालय के भूमिपूजन समारोह में भाग लेने के लिए शहर आए थे।

जेनिथ ने टीएमसी छोड़ी कांग्रेस में शामिल होंगे

शिलांग। मेघालय में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में,

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. मुकुल संगमा के छोटे भाई, जेनिथ एम. संगमा, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद एआईसीसी) से मंजूरी मिलने के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में फिर से शामिल होने के लिए तैयार हैं।

न्यायालय तहसीलदार कांकेर जिला उत्तर बस्तर कांकेर

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./202510140100022/अ-20(3) /2025-26
मोहल्ला माहुरबंदपारा कांकेर

आवेदक कार्यपालन अभियंता गृह निर्माण मण्डल संभाग कोण्डागांव द्वारा रिडेव्हलपमेंट योजना के क्रियान्वयन हेतु मोहल्ला माहुरबंदपारा कांकेर स्थित शासकीय भूमि शीट नम्बर 10 बी प्लाट नम्बर 70 क्षेत्रफल 675 वर्गमीटर, प्लाट नम्बर 4 क्षेत्रफल 439 वर्गमीटर, शीट नम्बर 10 सी प्लाट नम्बर 6/1 मे से क्षेत्रफल 2250 वर्गमीटर, प्लाट नम्बर 14/1 मे से क्षेत्रफल 7875 वर्गमीटर कुल 12663 वर्गमीटर भूमि छ.ग. गृह निर्माण मण्डल को आबंटित किये जाने श्रीमान कलेक्टर महोदय को प्रस्तुत आवेदन, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) के माध्यम से जांच प्रतिवेदनार्थ प्राप्त हुई है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो वह स्वंय या आम मुख्तियार नामें से दिनांक 10/11/2025 को पेश कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर मुहर से जारी किया जाता है।

मुहर — तहसीलदार कांकेर

कार्यालय नगर पंचायत गुरूर, जिला-बालोद (छ.ग.)

क्र./964/ राजस्व/न.प./2025-2026 — गुरूर दिनांक 28/10/2025

// प्रथम दर प्रस्ताव आमंत्रण संशोधन सूचना //

नगर पंचायत गुरूर अधीनस्थ तहसील कार्यालय के सामने वार्ड क्रमांक 13 पर व्यवसायिक परिसर निर्माण (स्ववित्त/ पीपीपी मोड में) किये जाने हेतु निकाय के पत्र क्र./ 885/ राजस्व/ न.पं. /2025-2026 गुरुर दिनांक 06.10.2025 तहत नगर पंचायत द्वारा दुकानों की निलामी कर आबंटित किये जाने हेतु निविदादर/ प्रस्ताव आमंत्रित किया गया है। तत्संबंध कार्यालय में निविदादर/ बोली प्रस्तुत करने की पूर्व निर्धारित अंतिम तिथि 30.10.2025, वर्तमान निर्धारित तिथि 06.11.2025 तथा निविदा/ बोली खोलने की पूर्व निर्धारित तिथि 31.10.2025, वर्तमान निर्धारित तिथि 07.11.2025 समय 11:00 बजे में आंशिक संशोधन करते हुए निम्नानुसार निविदादर/ प्रस्ताव आमंत्रित किया जाता है। शेष नियम / शर्त यथावत रहेगी ।

अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में नगर पंचायत के राजस्व शाखा से प्राप्त की जा सकती है एवं विभागीय वेबसाइड www.uad.cg.gov.in में अवलोकन/ डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत गुरूर

कार्यालय जिला विपणन अधिकारी
छ.ग. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित कांकेर
G-Mail dmokanker@gmail.com. E-Mail- mf dmo kanker@nic.in

क्रमांक/विपणन /निविदा/1345/ 2025 — **निविदा** — कांकेर, दिनांक 28.10.2025

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 में विपणन संघ के धान संग्रहण केन्द्रों में सूखा धान भूसा एवं एकभर्ती प्लास्टिक बोरी व्यवस्था हेतु ऑनलाईन ई-निविदा सूचना

छ.ग. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित जिला कांकेर द्वारा विपणन संघ के धान संग्रहण केन्द्रों में सूखा धान भूसा एवं एकभर्ती प्लास्टिक बोरी व्यवस्था हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित किया जाता है। निविदा सूचना जेम पोर्टल की वेबसाईट में जाकर इच्छुक निविदाकारों के द्वारा भरा जा सकता है। निविदा बिड संख्या / Bid Number : GEM/2025/B/ 6763062 निविदा दिनांक 07.10.2025 से 07.11.2025 समय 11:00 बजे तक ऑनलाईन भरी जा सकती है। बी. जी. / डी.डी. की मूल प्रति निविदा की अंतिम तिथि एवं समय से पूर्व जिला विपणन कार्यालय कांकेर में जमा करना अनिवार्य है।

निविदा प्रारूप तथा शर्तों का अवलोकन जेम पोर्टल की वेबसाईट WWW.GEM.GOV.IN पर निविदाकर्ता के अध्ययन हेतु गाईडलाईन के रूप में उपलब्ध है।

जिला विपणन अधिकारी
उत्तर बस्तर कांकेर

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्र. 20/न.पा.नि./जोन क्र. 04/2025-26 — दिनांक 28/10/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन(Online) निविदा दिनांक 19/11/2025 समय 5.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा क्रमांक/ सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	निविदा शुल्क	अमानत राशि
178212	एकीकृत विकास योजना अन्तर्गत व्यापार विहार में रोड विकास कार्य।	252.83	3000/-	150000/-

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 29.10.2025 को 5.31 बजे से देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता, जोन क्र. 04
नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)

Green City, Clean City, Dream City

न्यायालय कृति कुजूर न्यायाधीश, षष्ठम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 2 रायपुर छ.ग.

प्रकरण क्रमांक-165ए/2025 प्रोसेस क्रमांक 1838/2025 पेशी तारीख- 18.11.2025

मोह. अतहर मलिक ....वादी
विरुद्ध
श्रीमती माया गुप्ता व अन्य ....प्रतिवादी

वादी मो. अतहर मलिक पिता मो. रफीक पता स्वास्तिक बेकरी के पास बैजनाथपारा रायपुर ने आप **अनावेदकगण** 1 श्रीमती माया गुप्ता पति श्री जी. एस. गुप्ता पता- पंकज गुप्ता हनुमान मंदिर के पास सदर रोड कान्हा कलेक्शन बालोद तह.व जिला बालोद छ.ग. के विरुद्ध वाद संस्थित किया है। आपको न्यायालय में तारीख 18.11 2025 को दिन में 11.00 बजे उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समंस किया जाता है। आप स्वयं न्यायालय में या ऐसे किसी पलीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिस सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से संबंधित सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जा रहा है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेजों को जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपको प्रतिरक्षा या मुजराई दावा या दावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे में हो या अपना प्रतिरक्षा या मुजराई को दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भरता करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो प्रकरण की सुनवाई और उसका निपटारा आपके अनुपस्थिति में किया जावेगा। आज तारीख 09.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई है ।

नोट- यदि कारणवश पेशी तिथि को अवकाश हो जाता है या कार्य स्थगित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो प्रकरण की सुनवाई अगले कार्य दिवस पर किया जावेगा ।

मुहर — कृति कुजूर
न्यायाधीश, षष्ठम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2
रायपुर छ.ग.

न्यायालय श्रीमान व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 01 धमतरी जिला धमतरी

श्रीमति जयश्री साहू वगैरह -- आवेदकगण
बनाम
श्रीमान शाखा प्रबंधक वगैरह -- अनावेदकगण
प्रो.क्र.-870/2005 — प्र.क्र.-10/2025
पे.ता.-24/11/2025
आम जनता -- अनावेदकगण

आवेदकगण के द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 के तहत इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत कर स्व. श्री उत्तम सिंह की आवेदकगण उत्तराधिकार होने के कारण उसके पक्ष में उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जारी करने बाबत निवेदन किया गया है।

आम जनता (जो कोई हित रखता हो) को सूचित किया जाता है कि, उक्त आवेदकगण श्रीमति जयश्री साहू पिता उत्तम साहू, श्रीमति प्रेरणा साहू पिता उत्तम सिंह एवं श्रीमति देवश्री साहू पिता उत्तम के पक्ष में उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जारी करने बाबत किसी को आपत्ति हो तो वह नियत पेशी दिनांक 24/11/2025 को इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उक्त संबंध में मय दस्तावेज के उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दर्ज कराये।

यदि किसी कारण वश नियत तिथि 24/11/2025 को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है तो आगामी कार्य दिवस पर अपनी आपत्ति मय दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। अन्यथा उसके बाद एकपक्षीय कार्यवाही कर सुनवाई का अवसर समाप्त किया जायेगा।

उपरोक्तानुसार सूचित हो ।

सील
दिनांक : — (श्रीमती तनुश्री गवेल)
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी
धमतरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CULTURE

INVITING APPLICATIONS FOR GRANT-IN-AID UNDER THE SCHEME OF "FINANCIAL ASSISTANCE TO CULTURAL ORGANIZATIONS WITH NATIONAL PRESENCE" FOR THE FINANCIAL YEAR 2025-26.

The Ministry of Culture, Government of India invites applications/ proposals from Cultural Organizations under aforementioned scheme with the objective to provide financial assistance to Cultural Organizations having National Presence to meet the expenditure to be incurred on conducting the cultural programmes / festivals, etc.

Details of scheme guidelines, eligibility criteria, prescribed application format, details of required documents, etc. are available on the website of Ministry of Culture i.e. http://www.indiaculture.gov.in/financial-assistance-cultural-organizations-national-presence

Eligible applicant organizations should submit two copies of applications, complete in all respect **latest by 31st December, 2025 (5.00 PM)** at the following address:-

Director, Eastern Zonal Cultural Centre
IB-201, Sector 3, Salt Lake City
Bidhannagar, Kolkata-700106, West Bengal

Incomplete applications and applications received after last date of receipt of applications WILL BE SUMMARILY REJECTED.
Canvassing by the applicant organizations in any form will lead to disqualification of proposal.

राशिफल

मेष — धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष — वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह — सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या — किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर — व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ — मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन — परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

भारत व नेपाल के विद्युत क्षेत्र में सहयोग हुए मजबूत, समझौता पत्र हस्ताक्षरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

नेपाल के ऊर्जा, जल संसाधन एवं सिंचाई मंत्री कुलमन घीसिंग ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय विद्युत और आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात की। बैठक में दोनों देशों के बीच विद्युत क्षेत्र में जारी सहयोग को सुदृढ़ करने पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय ग्रिड कनेक्टिविटी पहलों पर भी विचार-विमर्श किया, जिसका उद्देश्य सीमा पार बिजली व्यापार को सुगम बनाना, ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करना और भारत तथा नेपाल के बीच स्वच्छ ऊर्जा संसाधनों के व्यापक एकीकरण को बढ़ावा देना है।

■ नेपाल के ऊर्जा मंत्री घीसिंग व भारतीय केंद्रीय उर्जा मंत्री मनोहर लाल मिले

दोनों देशों में एक-एक उद्यम संस्थाएं

मनोहर लाल और कुलमन घीसिंग की उपस्थिति में, भारत के महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) पावरग्रिड और नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के बीच संयुक्त उद्यम और शेयरधारक समझौतों (जेवी एंड एसएचए) पर हस्ताक्षर किए गए। ये समझौते उच्च क्षमता वाले सीमा पार विद्युत पारेषण अवसंरचना के विकास हेतु दो संयुक्त उद्यम संस्थाओं - एक भारत में और एक नेपाल में के गठन के लिए हैं।

शब्द पहेली - 6032

बाएँ से दाए-
1. छुट्टी, रजा-4
3. वध, आघात-4
5. दशानन-3
7. अनमोल, अनूठा-3
8. अनाथ, बेसहारा-3
10. खजूर-3
11. रहम करना-2,3
14. गहराई नापना-2,3
17. लगातार, सतत-5
20. संतुष्ट होना-2,3
23. बीच में, दौरान-3
24. खुश, आनंदित-3
25. शिक्षा-3
26. शोक-3
27. जांचना, परखना-4
28. धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे
2. मयखाना, मधुशाला-5
3. प्रेमकहानी-5
4. चापलूसी-4
6. नटना, वचन तोड़ना-4
7. फिजूल, व्यर्थ-3
9. अव्यवस्थित समूह, भीड़-3
12. गुजर करना-3
13. वेग, गति-3
15. खूबसूरत-3
16. पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17. गुजारिश, मांग-4
18. सुअर-3
19. गुस्सा होना-5
20. ममतापूर्ण-5
22. अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली -6031 का हल

सूडोकु नवताल - 6042

★★★✯☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6041 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

खबर संक्षेप

टीवीएस मोटर कंपनी का लाभ बढ़कर 42 फीसदी

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी ने मंगलवार को बताया कि मजबूत वाहन बिक्री के कारण 30 सितंबर, 2025 को समाप्त दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध मुनाफा 42 प्रतिशत बढ़कर 832.76 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 588.13 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था।

सेल का दूसरी तिमाही लाभ 53 फीसदी घटा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी सेल का वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 53 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ 418.72 करोड़ रुपये रह गया। वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में कंपनी ने 897.15 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने बुधवार को शेयर बाजारों को जुलाई-सितंबर, 2025 तिमाही के इस वित्तीय नतीजे की सूचना दी।

स्टारलिंक मुंबई में आज करेगी तकनीकी परीक्षण

नई दिल्ली। एलन मस्क की अगुवाई वाली स्टारलिंक 30 और 31 अक्टूबर को मुंबई में उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाओं के लिए सुरक्षा और तकनीकी शर्तों के अनुपालन का परीक्षण करेगी। कानून प्रवर्तन एजेंसियों के समक्ष किया जाने वाला यह परीक्षण, स्टारलिंक को आवंटित अस्थायी स्पेक्ट्रम पर आधारित होगा।

देशभर में मार्च से मोबाइल पर आएगा कॉलर का नाम, परीक्षण शुरू

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मोबाइल पर आने वाली कॉल में कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम दिखाने की सुविधा (सीएनएपी) का दूरसंचार कंपनियों ने परीक्षण करना शुरू कर दिया है। उम्मीद है कि यह सुविधा देशभर में मार्च, 2026 तक लागू हो जाएगी।

- कॉलिंग लाइन पहचान निषेध की सुविधा लेने वालों का नाम प्रदर्शित नहीं होगा

दूरसंचार विभाग के सूत्रों ने बुधवार को कहा कि वोडाफोन आइडिया ने हरियाणा सर्किल में सीएनएपी सेवा का पायलट परीक्षण शुरू कर दिया है, जबकि जियो भी जल्द ही इसी सर्किल से परीक्षण शुरू करेगी। इस कॉल उठाने से पहले कॉल करने वाले का नाम चलेगा पता सुविधा के तहत कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम रिसीवर के मोबाइल स्क्रीन पर प्रदर्शित होता है, जिससे उपयोगकर्ता को कॉल उठाने से पहले ही पता चल जाता है कि कॉल कौन कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि परीक्षण सफल रहने पर दूरसंचार विभाग देशभर में चरणबद्ध तरीके से इस सेवा को लागू करेगा। विभाग चाहता है कि 31 मार्च, 2026 तक इस सुविधा को देशभर में लागू कर दिया जाए।

सुविधा केवल 4जी और 5जी नेटवर्क वाले फोन पर ही संभव होगी

ट्राई ने फरवरी 2024 में की थी सिफारिश

ट्राई ने फरवरी, 2024 में सौंपी सिफारिशों में कहा था कि सीएनएपी केवल इच्छुक उपभोक्ताओं को ही उपलब्ध कराई जाए। लेकिन दूरसंचार विभाग का मानना था कि यह सेवा स्वचालित रूप से सभी को दी जानी चाहिए, ताकि धोखाधड़ी और साइबर अपराधों पर लगाम लगाई जा सके। अब ट्राई ने इसी विचार पर सहमति दी है।

2जी व 3जी नेटवर्क पर नहीं मिलेगी सुविधा

अधिकारियों का कहना है कि यह कदम फर्जी कॉल, डिजिटल गिरफ्तारी और वित्तीय धोखाधड़ी जैसे साइबर अपराधों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हालांकि, सीएनएपी सुविधा केवल 4जी और 5जी नेटवर्क वाले फोन पर ही संभव होगी, क्योंकि 2जी और 3जी नेटवर्क में तकनीकी सीमाएं हैं।

सीएलआईआर सुविधा पर भी विचार

सरकार ट्राई की उस सिफारिश पर भी विचार कर रही है जिसके तहत 'कॉलिंग लाइन पहचान निषेध' (सीएलआईआर) सुविधा लेने वाले उपभोक्ताओं का नाम प्रदर्शित नहीं किया जाएगा।

ट्राई ने एक दिन पूर्व प्रस्ताव को दी मंजूरी

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने एक दिन पहले ही दूरसंचार विभाग के उस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिसके तहत यह सुविधा सभी उपयोगकर्ताओं के लिए डिफॉल्ट रूप से सक्रिय रहेगी। हालांकि, इस सुविधा का इस्तेमाल नहीं करने वाले उपभोक्ताओं को इसे निष्क्रिय कराने का विकल्प मिलेगा।

वैश्विक ऊर्जा शोध संस्थान एंबर ने जारी की रिपोर्ट

भारत नए कोयला संयंत्रों के बिना 2032 तक बिजली की मांग पूरी कर सकता है

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत को 2032 तक अपनी बिजली की मांग को पूरा करने के लिए पहले से निर्माणाधीन कोयला बिजली संयंत्रों के अलावा किसी नए संयंत्र की आवश्यकता नहीं है। एक हालिया अध्ययन में यह बात सामने आई।

वैश्विक ऊर्जा शोध संस्थान एंबर द्वारा मंगलवार को जारी रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि अधिक कोयला क्षमता जोड़ना लाभकारी नहीं होगा बल्कि इससे बिजली वितरण कंपनियों एवं उपभोक्ताओं पर उच्च शुल्क का बोझ पड़ सकता है नवीकरणीय ऊर्जा तथा भंडारण सस्ता एवं अधिक टिकाऊ हो जाएगा।

भारत के विद्युत बदलाव में कोयले की भूमिका घट रही

'भारत के विद्युत बदलाव में कोयले की घटती भूमिका' शीर्षक वाले अध्ययन में कहा गया कि भारत अपनी 2032 की बिजली आवश्यकताओं को राष्ट्रीय विद्युत योजना (एनईपी) 2032 के तहत पहले से निर्धारित सौर, पवन एवं ऊर्जा भंडारण लक्ष्यों के माध्यम से पूरा कर सकता है।

कोयले से बनी बिजली महंगी

कोयले से बनी बिजली पहले से ही कई नवीकरणीय विकल्पों की तुलना में महंगी हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि नई कोयला परियोजनाओं के लिए हाल ही में तय की गईं दरें बिहार में छह रुपये प्रति यूनिट से अधिक और मध्य प्रदेश में लगभग 5.85 रुपये प्रति यूनिट हैं जबकि दोनों ही कोयला उत्पादक क्षेत्रों के निकट है। इस वृद्धि का अधिकतर हिस्सा उच्च स्थिर लागत के कारण है, जो तब भी देय होता है जब संयंत्र बिजली उत्पादन नहीं कर रहे होते।

- किया गया आगाह, अधिक कोयला क्षमता जोड़ना लाभकारी नहीं
- बिजली वितरण कंपनियों व उपभोक्ताओं पर उच्च शुल्क बोझ पड़ता है
- नवीकरण ऊर्जा तथा भंडारण सस्ता एवं अधिक टिकाऊ हो जाएगा

भारत की बिजली व्यवस्था बदलाव व नए दौर में : एंबर में वरिष्ठ ऊर्जा विश्लेषक (एशिया) नेशविन रोड्रिग्स ने कहा, '' भारत की बिजली व्यवस्था बदलाव के एक नए दौर में प्रवेश कर रही है। जैसे-जैसे नवीकरणीय ऊर्जा देश के कुल उत्पादन मिश्रण में बड़ी हिस्सेदारी हासिल कर रही है और भंडारण सस्ता होता जा रहा है, कोयले की भूमिका कम होती जा रही है। मौजूदा कोयला बिजली संयंत्रों के अलावा आगे कोयले पर आधारित ऊर्जा उत्पादन देश के लिए न तो आवश्यक है और न ही किफायती।'

सौर ऊर्जा सबसे सस्ती पड़ती है

इसके विपरीत, ठोस एवं प्रेषण योग्य नवीकरणीय ऊर्जा (एफडीआरई) जो सौर या पवन जैसे नवीकरणीय स्रोतों को बैटरी भंडारण के साथ जोड़ती है...एक सस्ता और अधिक टिकाऊ विकल्प बनती जा रही है। एफडीआरई शुल्क अब 4.3 रुपये से 5.8 रुपये प्रति यूनिट के बीच है, जबकि 'सौर-प्लस' भंडारण परियोजनाओं की दरें 2.9 रुपये से 3.6 रुपये प्रति यूनिट तक पहुंच गई हैं।

कोयला आधारित बिजली की दर बढ़ने की संभावना

अध्ययन में कहा गया कि चूंकि समान निश्चित लागत को कम परिचालन घंटों में बांटा जाता है, इसलिए कोयला आधारित बिजली की प्रभावी दर 2031-32 तक लगभग 25 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। एंबर ने अनुमान लगाया कि कम उपयोग एवं परिचालन लागत को ध्यान में रखते हुए बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के लिए आज छह रुपये प्रति यूनिट की लागत वाली कोयला बिजली की कीमत बढ़कर 7.25 रुपये प्रति यूनिट हो सकती है।

कोयला संयंत्रों का औसत उपयोग घट रहा

रिपोर्ट में पाया गया कि भारत के कोयला संयंत्रों का औसत उपयोग (जिसे प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) के रूप में जाना जाता है) 2024-25 में 69 प्रतिशत से घटकर 2031-32 में 55 प्रतिशत हो जाएगा। इसका मतलब यह है कि कई संयंत्र कम क्षमता पर चलेंगे या लंबे समय तक निष्क्रिय रहेंगे क्योंकि दिन के समय सौर एवं पवन ऊर्जा का उपयोग बढ़ रहा है।

सोना 2,600 रुपए बढ़कर 1,24,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा, चांदी भी चमकी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- फेड की घोषणा से पहले सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी बढ़ी
- चांदी की कीमतों में 6700 रुपए का आया उछाल

फेडरल रिजर्व के नीतिगत नतीजों से पहले सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी के नए दौर के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमतें 2,600 रुपये बढ़कर 1,24,400 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। इससे दो सत्रों से चली आ रही गिरावट थम गई।

99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 2,600 रुपये बढ़कर 1,23,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,21,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना मंगलवार को 1,21,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ जिंस विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, ''बुधवार को सोने की कीमतों में उछाल आया और फेडरल रिजर्व की मौद्रिक बैठक के नतीजे आने से पहले यह 4,000 डॉलर प्रति औंस के मनोवैज्ञानिक स्तर पर पहुंच गया। चांदी की कीमतों में भी तेज उछाल आया और इसकी कीमतें 6,700 रुपये बढ़कर 1,51,700 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं। मंगलवार को चांदी की कीमत 1,45,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

व्यापार तनाव कम होने से सोने की मांग थम सकती है

इस बीच, फेडरल रिजर्व के नतीजों से पहले डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत बढ़कर 98.82 पर पहुंच गया। हालांकि विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका-चीन व्यापार तनाव कम होने के संकेतों से सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की मांग में तेजी थम सकती है। विदेशी बाजारों में हाजिर चांदी 2.85 प्रतिशत बढ़कर 48.40 डॉलर प्रति औंस हो गई।

मजबूत वैश्विक संकेतों से घरेलू बाजार में तेजी

एजेंसी ⏭ मुंबई

- सेंसेक्स 369 और निफ्टी 178 अंक चढ़ा

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तरफ से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और विदेशी कोषों के ताजा प्रवाह के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 369 अंक की तेजी रही जबकि निफ्टी 26,000 अंक के पार पहुंच गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 368.97 अंक चढ़कर 84,997.13 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 477.67 अंक बढ़कर 85,105.83 अंक पर पहुंच गया था। निफ्टी भी 117.70 अंक यानी 0.45 प्रतिशत बढ़कर 26,053.90 अंक पर पहुंच गया। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''एशियाई बाजारों से सकारात्मक संकेतों और वैश्विक व्यापार गतिशीलता पर स्पष्टता आने से घरेलू बाजार मजबूती के साथ बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में संभावित प्रगति को लेकर आशावाद ने भी धारणा को मजबूत किया।

इन शेयरों के कीमतों में रही घट-बढ़

सेंसेक्स की कंपनियों में अदाणी पोर्ट्स, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक, टाटा स्टील, सन फार्मा, ट्रेंट और एशियन पेंट्स के शेयर प्रमुख लाभ में रहीं। हालांकि, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इटर्नल, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति के शेयरों में गिरावट का रुख रहा।

जिंदल स्टील के मुनाफे में 26 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। जिंदल स्टील का सितंबर तिमाही का एकीकृत शुद्ध मुनाफा 26 प्रतिशत से अधिक घटकर 635.08 करोड़ रुपये रह गया। खर्च बढ़ने से कंपनी का मुनाफा कम हुआ है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर अवधि में 860.47 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था। कंपनी की कुल आय एक साल पहले की दूसरी तिमाही के 11,248.14 करोड़ रुपये से बढ़कर 11,707.82 करोड़ रुपये हो गई। कुल खर्च भी एक साल पहले की अवधि के 10,034 करोड़ रुपये से बढ़कर 10,725.55 करोड़ रुपये हो गया।

उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल ने मनाई अपनी तीसरी वर्षगांठ

रायपुर। भाठागांव स्थित उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल ने अपनी स्थापना की तीसरी वर्षगांठ बुधवार को हर्षोल्लास और भावनाओं से भरे माहौल में मनाई। तीन वर्षों की इस यात्रा में अस्पताल ने चिकित्सा सेवा, मानवीय संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय पहचान बनाई है। हॉस्पिटल परिसर में आयोजित भव्य समारोह में वरिष्ठ चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ, प्रशासनिक अधिकारी, मरीजों के परिजन और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई।

'क्वालिटी हेल्थकेयर विथ कम्पैशन' हमारा मंत्र: डॉ. विनोद कुमार सिंह इस अवसर पर मेडिकल डायरेक्टर डॉ. विनोद कुमार सिंह ने अस्पताल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा, तीन वर्षों की यह यात्रा हमारे सभी चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और मरीजों के विश्वास से प्रेरित रही है। हमने हमेशा 'क्वालिटी हेल्थकेयर विथ कम्पैशन' को अपना मंत्र माना है। आईसीयू, कार्डियक केयर, प्रसूति विभाग और इमरजेंसी यूनिट में हमने निरंतर तकनीकी और मानवीय सुधार किए हैं।

सम्मान और उत्सव का माहौल
कार्यक्रम के दौरान अस्पताल की प्रगति में विशेष योगदान देने वाले डॉक्टरों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। वर्षगांठ के अवसर पर केक काटकर उत्सव का आनंद लिया गया। समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ।

हर वर्ग तक पहुंचे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं : नम्रता सिंह

हॉस्पिटल की प्रबंध निदेशक नम्रता सिंह ने कहा, उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल सिर्फ एक इमारत नहीं, बल्कि एक संवेदना का प्रतीक है। हमारा प्रयास रहा है कि हर वर्ग के लोगों तक गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जाएं। आने वाले वर्ष में हम हॉस्पिटल के विस्तार के साथ उन्नत तकनीकी सुविधाएं और दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की ऑनलाइन परामर्श सेवाएं शुरू करने जा रहे हैं।

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घंटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट | रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551 समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धूम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर 36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029 समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

NMH निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

डॉ. मनोज अग्रवाला एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबला आज से, 3 महीने बाद पंत करेंगे वापसी

एजेंसी ▸▸| बेंगलुरु

भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच गुरुवार से शुरू हो रहे चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट मैच में ऋषभ पंत की चोट के कारण तीन महीने के ब्रेक के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी मुख्य आकर्षण होगी।

पंत को 23 जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान पैर में चोट लग गई थी और यह विकेटकीपर बल्लेबाज तब से रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजर रहा है। पंत इस बीच वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे। लेकिन बीसीसीआई के सीओई मैदान पर होने वाले दो अनौपचारिक टेस्ट मैच से उन्हें विश्व चैंपियन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले मैच अभ्यास का महत्वपूर्ण मौका मिलेगा।

द. अफ्रीका के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट में कप्तानी करेंगे पंत

दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाले इन मैच में वह भारत ए की कप्तानी भी करेंगे। यह 28 वर्षीय खिलाड़ी सीनियर टीम में ध्रुव जुरेल की जगह ले सकता है, जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में खेलेंगे। पंत वास्तविक मैच की स्थिति में मैदान पर कुछ अच्छा समय बिताने के लिए उत्सुक होंगे, बशर्ते इस हिस्से में लगातार बारिश खेल में खलल न डाले।

पंत की कप्तानी में टेस्ट मैच सुबह 9.30 बजे से होगा शुरू

टीमें इस प्रकार

भारत-ए : ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), आयुष म्हात्रे, एन जगदीसन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उप कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, खलील अहमद, गुरनूर बराड़, अंशुल कंबोज, यश ठाकुर, आयुष बडोनी, सारांश जैन।

दक्षिण अफ्रीका-ए : मार्केस एकरमैन, तेम्बा बावुमा (केवल दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए), ओकुहले सेले, जुबैर हमजा, जॉर्डन हरमन, रुबिन हरमन, रिवाल्डो मूनसामी, त्शेपो मोरेकी, मिहलाली मपोंगवाना, लेसेगो सेनोकवाने, प्रेनेलन सुब्रायेन, काइल सिमंड्स, त्सेपो नदवांडवा, जेसन स्मिथ, तियान वान वुरेन, कोडी यूसुफ।

सुदर्शन के पास निखार लाने का मौका

साई सुदर्शन ने अपना अंतिम मैच इस महीने की शुरुआत में दिल्ली में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में खेला था और ये दो मैच उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला से पहले अपने खेल में निखार लाने का मौका प्रदान करेंगे। तमिलनाडु के इस बल्लेबाज ने फिलहाल तीसरे नंबर पर अपनी जगह पक्की कर ली है लेकिन वह अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए हैं। वह यहां बड़ी पारी खेलने के लिए बेताब होंगे।जहां दक्षिण अफ्रीका का सवाल है तो वह जुबैर हमजा के प्रदर्शन पर नजर रखेगा, जिन्हें लगभग दो साल के अंतराल के बाद टेस्ट टीम में वापस बुलाया गया है।

खबर संक्षेप

रैंकिंग में सुधांशु कॅरियर के सर्वश्रेष्ठ स्थान पर

नई दिल्ली। दिल्ली के टेबल टेनिस खिलाड़ी सुधांशु मैनी तीन स्वर्ण पदक सहित शानदार प्रदर्शन के बाद अंडर-17 विश्व रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 22वें स्थान पर पहुंच गए। सुधांशु ने डब्ल्यूटीटी युवा कंटेंडर काराकस, डब्ल्यूटीटी युवा कंटेंडर काराकस दो और क्यूएनका में डब्ल्यूटीटी युवा कंटेंडर में खिताब जीतने के बाद रैंकिंग में सुधार किया है। सुधांशु इस महीने पर्थ और वेनेजुएला में लगातार दो कांस्य पदक जीतने के बाद अंडर-19 विश्व रैंकिंग में भी 47वें स्थान पर हैं। सुधांशु ने पर्थ युवा कंटेंडर में मिश्रित युगल वर्ग में साथी भारतीय जेनिफर वर्गीस के साथ मिलकर रजत पदक भी जीता।

द. अफ्रीका ने पाकिस्तान को 55 रन से हराया

रावलपिंडी। स्टार बल्लेबाज बाबर आजम की टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी यादगार नहीं रही और वह खाता भी नहीं खोल पाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका की अपेक्षाकृत कमजोर टीम ने तीन मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में पाकिस्तान को 55 रन से हरा दिया। पाकिस्तान की टीम कोर्बिन बॉश के दोहरे झटकों से नहीं उबर पाई और उसकी टीम 195 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 139 रन पर आउट हो गई। इससे पहले कप्तान डोनोवन फरेरा के टॉस हारने और पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने नौ विकेट पर 194 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज रीजा हेंड्रिक्स ने 40 गेंदों पर 60 और जॉर्ज लिंडे ने 22 गेंदों पर 36 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे रेड्डी

कैनबरा। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी गर्दन में ऐंठन के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने यह जानकारी दी। रेड्डी क्वाड्रिसेप्स की चोट के कारण सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच से बाहर हो गए थे। वह अब एक नई परेशानी से जूझ रहे हैं। बीसीसीआई ने कहा, 'नीतीश कुमार रेड्डी पहले तीन टी20 मैचों से बाहर हो गए हैं। एडिलेड में दूसरे वनडे के दौरान बाएं क्वाड्रिसेप्स की चोट से उबर रहे इस ऑलराउंडर ने गर्दन में ऐंठन की शिकायत की है। जिससे उनकी रिकवरी प्रभावित हुई है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नजर रख रही है।

सूर्यकुमार बने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 150 छक्के लगाने वाले पांचवें बल्लेबाज

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टी20 चढ़ा बारिश की भेंट, सूर्यकुमार ने छुआ एक और मुकाम

एजेंसी ▸▸| कैनबरा

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव कुछ शानदार शॉट के साथ लय में वापसी करते दिखे, लेकिन खराब मौसम और बारिश के कारण बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच रद्द करना पड़ा। बारिश के कारण 9.4 ओवर के खेल के बाद जब दूसरी बार खेल रोका गया तब सूर्यकुमार 24 गेंद में 39 रन बनाकर नाबाद थे। उन्होंने शानदार लय में चल रहे उपकप्तान शुभमन गिल (20 गेंदों पर नाबाद 37) के साथ दूसरे विकेट के लिए 35 गेंद में 62 रन की साझेदारी के साथ बड़े स्कोर की नींव तैयार कर दी थी। भारत ने खेल रोको जाने से पहले एक विकेट पर 97 रन बना लिए थे। वहीं इस पारी में भारतीय कप्तान ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। सूर्यकुमार अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 150 या उससे अधिक छक्के लगाने वाले पांचवें बैटर बन गए हैं।

सूर्यकुमार हुए रोहित शर्मा के क्लब में शामिल

सूर्यकुमार यादव अब दुनिया के उन चुनिंदा बल्लेबाजों की लिस्ट में शुमार हो गए हैं, जिन्होंने टी20 इंटरनेशनल में 150 छक्के लगा दिए हैं। टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा छक्के अभी भी रोहित शर्मा के ही नाम हैं, जिन्होंने 205 सिक्स लगाए हैं। खास बात ये है कि रोहित शर्मा ही दुनिया के अकेले ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने इस फॉर्मेट में 200 सिक्स का आंकड़ा पार किया है। इसके बाद यूएई के मोहम्मद वसीम का नंबर आता है,जिन्होंने अब तक 187 सिक्स लगाए हैं। न्यूजीलैंड के मार्टिन गप्टिल ने 173 और इंग्लैंड के जॉस बटलर ने 172 छक्के टी20 इंटरनेशनल में लगाए हैं। अब उसके बाद सूर्यकुमार यादव का नाम आ गया है, जिन्होंने 150 सिक्स पूरे करने में कामयाबी हासिल की है।

वसीम के बाद सबसे तेज इस मुकाम तक पहुंचे सूर्या

वैसे तो अब तक कुल मिलाकर दुनियाभर के 5 बल्लेबाज टी20 इंटरनेशनल में 150 से अधिक छक्के पूरे कर चुके हैं, लेकिन सबसे तेज इस मुकाम तक पहुंचने के मामले में भारत के सूर्यकुमार यादव दूसरे नंबर पर हैं। यूएई के मोहम्मद वसीम ने 66 पारियों में ही 150 छक्के लगा दिए थे। सूर्यकुमार यादव आज अपनी 86वीं पारी खेलते हुए इस मुकाम तक पहुंचे हैं। बाकी बल्लेबाजों की बात करें तो मार्टिन गप्टिल 101, रोहित शर्मा 111 और जॉस बटलर ने 120 पारियों में 150 टी20 इंटरनेशनल छक्के पूरे किए हैं।

गिल ने दिखाया आक्रमण और धैर्य का शानदार मिश्रण

गिल ने दूसरे छोर से आक्रमण और धैर्य का शानदार मिश्रण दिखाया। उन्होंने वामहस्त स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन के खिलाफ काऊ कॉर्नर (डीप मिडविकेट और लांग लेग के बीच में) पर दर्शनीय छक्का जड़ा। गिल ने इस छक्के के अलावा चार दिलकश चौके भी जड़े। इससे पहले 4.4 ओवर के बाद भी बारिश के कारण खेल को रोकना पड़ा था। बारिश के पहले व्यवधान के बाद जब खेल दोबारा शुरू हुआ तो मैच को 18 ओवर प्रति टीम कर दिया गया था। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया था, जिसके बाद अभिषेक शर्मा (14 गेंद में 19 रन) ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। एलिस ने हालांकि उन्हें खतरनाक होने से पहले ही चलता कर टीम को पहली सफलता दिलाई।

विमेंस वनडे वर्ल्डकप

द. अफ्रीका पहली बार फाइनल में, इंग्लैंड को 125 रन से हराया

- कप्तान लॉरा वुलफ़ार्ट ने 169 रन की खेली बेमिसाल पारी
- मारीजान कैप ने झटके 5 विकेट

एजेंसी ▸▸| गुवाहाटी

महिला वर्ल्ड कप के सेमी फाइनल मैच में बुधवार को साउथ अफ्रीका ने गुवाहाटी के मैदान में इंग्लैंड को 125 रन से हरा दिया। इसके साथ ही साउथ अफ्रीका की महिला टीम ने साल 1973 से खेले जाने वाले वर्ल्ड कप में पहली बार फाइनल में जगह बनाई। साउथ अफ्रीका के लिए उनकी कप्तान लॉरा वुलफ़ार्ट ने 169 रन की बेमिसाल पारी खेली, जिससे इंग्लैंड की महिला टीम 321 रनों के विशाल लक्ष्य के आगे 194 पर ढेर हो गई और उसे 125 रन से हार का सामना करना पड़ा। जबकि साउथ अफ्रीका के लिए 42 रन बनाने वाली मारिजान कैप ने गेंदबाजी में पांच विकेट हॉल भी लिया।

लौरा ने शतक से बनाया स्पेशल रिकॉर्ड

वहीं लॉरा वुलफ़ार्ट ने पांच हजार रन के मुकाम को पाने के बाद 115 गेंद में 12 चौके से शतक पूरा किया। इसके साथ ही वह महिला वनडे क्रिकेट में 10 शतक लगाने वाली छठी खिलाड़ी बनीं। इससे पहले मेग लैनिंग (15 शतक), स्मृति (14 शतक), सूजी बेट्स (13 शतक), टैमी ब्यूमोंट (12 शतक), नैट साइवर ब्रन्ट (10 शतक) भी 10 या उससे अधिक शतक लगा चुकी हैं। 321 रनों के विशाल लक्ष्य के आगे इंग्लैंड महिला टीम की शुरुआत सही नहीं रही और उसके एक रन पर ही तीन विकेट गिर चुके थे। इसके बाद नंबर चार पर आने वाली कप्तान नैट साइवर ब्रन्ट ने 64 रन की पारी खेली जबकि एलिस कैपसी ने भी बल्ले से 50 रन बनाए।

साउथ अफ्रीका ने खड़ा किया रनों का अंबार

गुवाहाटी के मैदान में साउथ अफ्रीकी कप्तान लॉरा वुलफ़ार्ट ने धमाकेदार पारी से इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेल दिया। लौरा ने वर्ल्ड कप में अपने करियर का पहला शतक सेमीफाइनल जैसे बड़े मैच में 127 गेंद में लगाया। इसके बाद भी उनक बल्ला नहीं रुका और साउथ अफ्रीकी कप्तान लॉरा वुलफ़ार्ट ने 143 गेंद में 20 चौके और चार छक्के से 169 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। जबकि उनके अलावा तजनिम ब्रिटस (45) और मारिजान कैप (42) ने भी बल्ले से धमाल मचाया। इससे साउथ अफ्रीका ने पहले खेलते हुए सात विकेट पर 319 रन का टोटल बनाया। इंग्लैंड के लिए चार विकेट सोफी एकलस्टोन ने चटकाए।

कनाडा ओपन

17 वर्षीय अनाहत की बड़ी जीत दूसरी वरीय गिलिस को हराया

एजेंसी ▸▸| टोरंटो

17 वर्षीय उभरती खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बेल्जियम की गत चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त टिन्नी गिलिस को हराकर कनाडा महिला ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। गैर वरीयता प्राप्त अनाहत ने 36 मिनट तक चले क्वार्टर फ़ाइनल मैच में दुनिया की सातवें नंबर की अपनी प्रतिद्वंद्वी को 3-0 (12-10, 11-9, 11-9) से हराया।

यह भारतीय खिलाड़ी वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर है। यह अनाहत की अपने करियर की सबसे बड़ी और शीर्ष 10 खिलाड़ियों के खिलाफ पहली जीत है।

टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में अनाहत

वह इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में हैं, जो कि पीएसए टूर सिल्वर लेवल की प्रतियोगिता है। उन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल में फ्रांस की विश्व की 20वें नंबर की खिलाड़ी मेलिसा अल्वेस को हराया था। अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला इंग्लैंड की विश्व की 10वें नंबर की खिलाड़ी और चौथी वरीयता प्राप्त जीना कैनेडी से होगा। अनाहत ने जीत हासिल करने के बाद कहा, 'मैं वास्तव में उत्साहित हूं और वह (टिन्नी गिलिस) शीर्ष 10 खिलाड़ियों में से एक है और यह पहली बार है जबकि मैं शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराने में सफल रही।' उन्होंने कहा, 'मैंने अभी तक इस टूर्नामेंट में जिस तरह का प्रदर्शन किया है उससे मैं बहुत खुश हूं।

पेरिस मास्टर्स में हारे अल्कारेज टूटा 17 मैचों का विजय अभियान

एजेंसी ▸▸| पेरिस

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने पहला सेट जीतने के बाद लगातार गलतियां की, जिसके कारण उन्हें पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में बाहर का रास्ता देखना पड़ा। अल्काराज को गैरवरीय कैमरुन नॉरी ने 4-6, 6-3, 6-4 से हराया। छह बार के ग्रैंड स्लैम विजेता ने दूसरा सेट हारने के बाद कोच जुआन कार्लोस फेरेरो के साथ भी चर्चा की। इस हार के साथ ही अल्काराज का मास्टर्स प्रतियोगिताओं में 17 मैचों से चला आ रहा विजय अभियान भी टूट गया।

यही नहीं उन्हें अपनी नंबर एक रैंकिंग से भी हाथ धोना पड़ सकता है क्योंकि अगर दूसरे स्थान पर काबिज यानिक सिनर यह टूर्नामेंट जीत जाते हैं तो एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच जाएंगे। अल्काराज ने मैच के बाद कहा, 'मैं अपने खेल से वास्तव में निराश हूं। आज मुझे अच्छा नहीं लग रहा था और मैंने बहुत सारी

अल्काराज ने इस सत्र में जीते आठ खिताब

अल्काराज ने इस सत्र में आठ खिताब जीते हैं, जिसमें फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन के अलावा तीन मास्टर्स टूर्नामेंट भी शामिल हैं। नॉरी का अगला मुकाबला बुधवार को वैलेन्टिन वाचेरोट और आर्थर रिंडरक्नेच के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। वाचेरोट ने पहले दौर में 14वीं वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका को 6-1, 6-3 से हराया। पांचवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन ने फ्लेवियो कोबोली को 7-6 (4), 6-3 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। अब उनका सामना आंद्रे रुबलेव से होगा। नौवीं वरीयता प्राप्त फेलिक्स ऑगर अलियासिमे और 11वें नंबर के दानिल मेदवेदेव ने भी जीत हासिल की।

17 साल का सूखा किया खत्म

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के बैजबॉल का बजाया बैंड

एजेंसी ▸▸| हैमिल्टन

शीर्ष क्रम की एक और नाकामी के कारण इंग्लैंड की टीम 175 रन पर आउट हो गई और न्यूजीलैंड ने दूसरा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच पांच विकेट से जीतकर श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। इंग्लैंड की पारी केवल 36 ओवर तक चली और न्यूजीलैंड ने 33.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। उसकी तरफ से डेरिल मिशेल ने नाबाद 56, रचिन रविंद्र ने 54 और मिच सैंटनर ने नाबाद 34 रन बनाए।

आर्चर ने 23 रन देकर लिए 3 विकेट

इंग्लैंड के लिए एक सकारात्मक बात तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की वापसी रही, जिन्होंने 10 ओवरों में 23 रन देकर तीन विकेट लिए। ब्रूक ने दूसरे मैच में भी अच्छी शुरुआत की लेकिन वह 34 रन ही बना पाए, जिससे इंग्लैंड का स्कोर छह विकेट पर 105 रन हो गया था। इंग्लैंड के शीर्ष क्रम के बाकी बल्लेबाजों में जेमी स्मिथ ने 13, बेन डकेट ने एक, जो रुट ने 25, जैकब बेथेल ने 18 और जोस बटलर ने नौ रन बनाए।

हाइलो ओपन : प्री क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य, श्रीकांत हारकर बाहर

एजेंसी ▸▸| सारब्रेकन

बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने फ्रांस के पांचवें वरीय क्रिस्टो पोपोव को हराकर उलटफेर करते हुए 475000 डॉलर इनामी हाइलो ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाले खिलाड़ी पोपोव को पहले दौर में सीधे गेम में 21-16 22-20 से

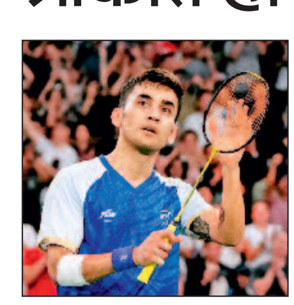

हराया। लक्ष्य अगले दौर में हमवतन एस. शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यन से भिड़ेंगे, जिन्होंने मलेशिया के जुन हाओ लियोंग को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में 21-14, 18-21,

श्रीयांशी ने किया उलटफेर तीसरी वरीय को हराया

किदांबी श्रीकांत हालांकि पुरुष एकल के पहले दौर में हमवतन किरण जॉर्ज के खिलाफ 19-21, 11-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए। जॉर्ज अगले दौर में फ्रांस के आठवें वरीय टोमा जूनियर पोपोव के खिलाफ उतरेंगे, जिन्होंने इंग्लैंड के हैरी हुआंग को 21-17, 19-21, 21-19 से हराया। महिला एकल में भी भारत को कुछ अच्छे नतीजे मिले जब गैरवरीय श्रीयांशी वलीशेट्टी ने उलटफेर करते हुए डेनमार्क की तीसरी वरीय लाइन होमार्क जार्सफेल्ट को सिर्फ 33 मिनट में 21-19, 21-12 से हराकर उलटफेर किया।

पहले से अधिक फिट ऋषभ : सुदर्शन

बेंगलुरु। भारत ए के उप कप्तान साई सुदर्शन ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अधिक फिट दिख रहे हैं और दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो मैचों की चार दिवसीय श्रृंखला में खेलने के लिए तैयार हैं। भारत ए की कप्तानी करने वाले पंत तीन महीने के अंतराल के बाद वापसी कर रहे हैं। जुलाई में इंग्लैंड में उन्हें पैर में चोट लगी थी। उनके भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैच की टेस्ट श्रृंखला में खेलने की संभावना है। सुदर्शन ने भारत ए के अभ्यास सत्र के बाद कहा, 'ऋषभ वास्तव में फिट नजर आ रहे हैं। मैं कहूंगा कि वह पहले से अधिक फिट दिख रहे हैं। उनके पास अच्छी फिटनेस हासिल करने के लिए समय था। मुझे लगता है कि वो पहले से ज़्यादा फिट, मजबूत और हमेशा की तरह निर्भीक नजर आ रहे हैं।' तमिलनाडु के इस बल्लेबाज ने कहा कि पंत अभ्यास सत्र के दौरान अपने चिर परिचित अंदाज में बात कर रहे थे।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
क्षेत्रीय कार्यालय, जीवन प्रकाश, एलआईसी बिल्डिंग, पंडरी, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4222635, ई-मेल: operations.raipur@bankofbaroda.com

लॉकर रखने वाले ग्राहकों के लिए सूचना

हमारी बैंक ऑफ़ बड़ौदा शाखा में निम्न ग्राहकों द्वारा लॉकर की सुविधा का लाभ लिया जा रहा हैं। उन्होने लंबे समय से लॉकर किराए का भुगतान नहीं किया हैं। शाखा से उपलब्ध दस्तावेज के अनुसार उनके पते पर नोटिस भेजा गया हैं। लेकिन इन ग्राहकों द्वारा आज तक कोई जवाब नहीं दिया गया हैं। अतः हम नीचे सूचीबद्ध सभी ग्राहकों को सूचित करते है कि हमारी बैंक ऑफ़ बड़ौदा शाखा से सम्पर्क करके 15 दिन के अन्दर लॉकर किराया की बकाया राशि का भुगतान करें अन्यथा दिनांक 17.11.2025, समय दोपहर 01.00 बजे मौजूदा बैंकिंग दिशानिर्देशों के अनुसार इन लॉकर को तोड़कर खोला जाएगा जिसके सारे खर्च सम्बन्धित ग्राहकों द्वारा वहन किया जाएगा।

क्र.	शाखा का नाम एवं फोन	लॉकर धारक के नाम एवं पता	लॉकर नं.	बकाया राशि	बकाया दिनांक
01	गंज पुलिस स्टेशन के सामने फाफाडीह शाखा रायपुर 9109993995	संध्या शुक्ला रवि नगर, रायपुर - 492001 (छ.ग.)	Locker No. 7852AX0263 Old Locker-246	रु. 11,977.00 + ब्रेक ओपन+अन्य चार्जेस	26.09.2022
02	गंज पुलिस स्टेशन के सामने फाफाडीह शाखा रायपुर 9109993995	श्री सुरेश कुमार मिनोचा गुरुनानक चौक के पास गुरुद्वारा, रायपुर - 492001 (छ.ग.)	Locker No. 7852AX0049 Old Locker-77	रु. 11,195.00 + ब्रेक ओपन+अन्य चार्जेस	10.09.2022
03	विवेकानंद नगर शाखा रायपुर 9752410761	एस एस मजूमदार और टी मजूमदार 20 वल्लभ नगर, रायपुर, छ.ग.- 492001	Locker No. 2426AX0475 Old Locker-496	रु. 10,148.00 + ब्रेक ओपन+अन्य चार्जेस	13.10.2022

दिनांक: 30.10.2025, स्थान: रायपुर, छत्तीसगढ़ प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ़ बड़ौदा

विरासत

छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की गौरवगाथा

शस्य श्यामला भूमि छत्तीसगढ़ को प्रकृति ने अपने हाथों से संवारा है और इसे अकूत प्राकृतिक खजाना सौंपा है। इसके चप्पे- चप्पे में प्राकृतिक सौंदर्य बिखरा है तो साथ ही सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक लोक गाथाएं भी बिखरी पड़ी हैं। साहित्यिक इतिहास पर नजर डाले तो छत्तीसगढ़ का साहित्यिक इतिहास संस्कृत प्रशस्ति-काव्यों से शुरू होकर छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य और आधुनिक साहित्य तक फैला है, जिसमें धनी धर्मदास को आदि कवि माना जाता है और बाबू रेवाराम ने इसे बल दिया। डॉ. नरेंद्रदेव वर्मा ने छत्तीसगढ़ी साहित्य के इतिहास को तीन मुख्य भागों में बांटा है। सृजन यात्रा में मुकुटधर पांडेय, सुंदरलाल शर्मा, प्यारेलाल गुप्त और श्यामलाल चतुर्वेदी जैसे कई महत्वपूर्ण रचनाकारों ने अपना योगदान दिया है। लेकिन पिछले पचास साल में एक ऐसा नाम धूमकेतु की तरह उभर कर सामने आता है जिसने राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ी भाखा को पहचान दिलाने में अग्रदूत की भूमिका निभाई है। ग्रामीण पृष्ठभूमि से रची बसी इनकी रचनाओं में छत्तीसगढ़ की माटी की खूशबू रची बसी है। पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे आज भले ही भौतिक रूप में मौजूद नहीं है लेकिन उनका रचना कर्म युगों -युगों तक हमारी स्मृतियों में अक्षुण्ण रहेगा ।

बेमेतरा में जन्म और साहित्य के संस्कार

8 अगस्त 1953 को बेमेतरा में वरिष्ठ साहित्यकार गर्जन सिंह दुबे और माता जागेश्वरी के घर सुरेंद्र दुबे जी का जन्म हुआ। सुरेंद्र जी से बड़े डॉ. विजय दुबे और छोटे भाई दिवंगत रमेश दुबे जी थे। बहनों में सबसे बड़ी सुशीला तिवारी फिर उषा दुबे अनुराधा दुबे और सबसे छोटी सुषमा दुबे हैं। पिता गर्जन सिंह दुबे एक प्रसिद्ध साहित्यकार थे। माताजी का नाम जागेश्वरी देवी था। गर्जन सिंह जी और जागेश्वरी जी की सात संतानें थी। यानी तीन बेटे और चार बेटियां। इसमें सुरेंद्र जी तीसरे बेटे थे। पिता की साहित्यिक रुचि का असर बालक सुरेंद्र पर भी पड़ा। घर पर गोपालदास नीरज जैसे मूर्धन्य साहित्यकारों का आना जाना था। घर पर साहित्यिक विषयों पर घंटों चर्चा होती थी, जिसे बचपन में सुरेंद्र बड़ी तन्मयता के साथ सुनते थे। सुरेंद्र जब हायर सेकेंडरी में थे तब पहली कविता लिखी। दुबे जी हमेशा अपने बचपन और गांव की यादों को याद करते थे एक जगह उन्होने लिखा भी है-

पक्की सड़क पर नहीं, पगडंडी पर चलना चाहता हूं
मुझको बम बारुद नहीं, स्कूल का बस्ता बना दे
हे भगवान ! मुझको एक बार बच्चा बना दे ।

पिता 'रावण' के किरदार में तो सुरेंद्र बने 'सीता'

पिता गर्जन सिंह दुबे श्रेष्ठ साहित्यकार के साथ ही बेमेतरा में होने वाले रामलीला आयोजनों में भी सक्रियता के साथ भूमिका निभाते थे । रामलीला में गर्जन सिंह जी रावण का किरदार निभाते तो सुरेंद्र जी को सीता का किरदार निभाना होता था। आगे चलकर सुरेंद्र जी ने लक्ष्मण का किरदार भी निभाया ।

बनना चाहते थे एमबीबीएस और बन गए बीएएमएस

सुरेंद्र दुबे जी बचपन से ही डॉक्टर बनना चाहते थे। एमबीबीएस डॉक्टर बनना उनका लक्ष्य था । लेकिन पीएमटी की परीक्षा में एक नंबर से नाकाम रहने पर वे बहुत मायूस हुए। इतने ज्यादा दुखी हुए कि अस्पताल में एडमिट करने की नौबत आ गई। इसके बाद बीएएमएस कर आयुर्वेदिक डॉक्टर बने। कई सालों बाद किसी कार्यक्रम के सिलसिले में दुबे जी का एक मेडिकल कॉलेज में जाना हुआ तो संबोधन में एमबीबीएस ना कर पाने की टीस का जिक्र किया, साथ ही कहा कि बीएएमएस के दौरान ही काव्य साधना का मौका मिला । अगर एमबीबीएस में एडमिशन हो जाता तो कविता के लिए इतना समय नहीं निकाल पाता ।

हास्य शिरोमणि

पद्मश्री डॉ.सुरेंद्र दुबे

2010 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा सिंह पाटिल से मिला पद्मश्री सम्मान।

सादगी से बुना व्यक्तित्व, बनावट की कोई जगह नहीं

सार्वजनिक जीवन में रहने वाले लोगों के जीवन में बहुत से विराधाभास होते हैं...बहुधा ऐसा होता है कि जो बाहरी दुनिया में विनम्-और जमीन से जुड़े रहने का दावा करते है, वैसे होते नहीं है। लेकिन दुबे जी के बारे में ऐसा नहीं था । उनका बाहरी और व्यक्तिगत आचरण एक समान था। हास्य- व्यंग्य उनके रोम रोम में समाया हुआ था । कठिन से कठिन परिस्थितियों में कभी नियंत्रण नहीं खोया। उसी तरह कविता लिखने के लिए उन्हें किसी विशेष समय की आवश्यकता नहीं होती थी । परिवार के लोग बताते है कि घर में, ट्रेन में, एयरपोर्ट पर किसी भी स्थिति में दुबे जी मस्तिष्क में कौंधे विचारोंस और पंक्तियों को डायरी में दर्ज कर लेते थे । 2010 में काका हाथरसी हास्य पुरस्कार 2010 'हास्य रत्न से सम्मानित किया गया 2011 में यूपी के वाराणसी में हास्य शिखर सम्मान मिला। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में दुबे जी को अट्टहास सम्मान से सम्मानित किया गया । वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कविता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया। लोगों को लोटपोट होने के लिए मजबूर करने वाली कविताओं के लिए व्यंग्य श्री से सम्मानित किया गया । गणतंत्र दिवस के मौके पर लालकिले से चार बार काव्य पाठ का अवसर मिला 31 मार्च 2010 को देश की तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने पद्मश्री से सम्मानित किया । 2017 मो छत्तीसगढ़ सरकार ने पंडित सुंदरलाल शर्मा साहित्य सम्मान से सम्मानित किया । अमेरिका में ओहयो राज्य के गवर्नर बाथ टफ ने लीडिंग इंडियन पोयट सम्मान दिया। ओमान के मस्कट में भारतीय राजदूत ने श्रेष्ठ अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिभा का सम्मान दिया। न्यूयार्क में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा पर लिखी कविता के लिए सम्मानित किया गया।

अपने माता-पिता के साथ शशि एवं सुरेंद्र दुबे

'ताली बजाओ सांस लेना है'

मैं खामोश बस्तर हूं

मैं खामोश बस्तर हूं
लेकिन बोल रहा हूं
अपना एक-एक जख्म
खोल रहा हूं
मैं उड़ीसा, आंध्र, महाराष्ट्र की
सीमा से टकराता हूं
लेकिन कभी नहीं घबराता हूं
आज दरिंदे सीमा पार कर
मेरी छाती में आते हैं
और महुआ नहीं लहू
पीकर जाते हैं
मैं अपनी खूबसूरत वादियों
को टटोल रहा हूं
अपना एक-एक जख्म खोल
रहा हूं
मैं खामोश बस्तर हूं
लेकिन आज बोल रहा हूं

एला कहिथे छत्तीसगढ़

दु के पहाड़ा ल चार बार पढ़
आमटहा भाटा खा, मुनगा ला चूचर
राजिम में नहा के
डोंगरगढ़ म चढ़
एला कहिथे बाबू छत्तीसगढ़

टाइगर अभी जिंदा है

सुबह-सुबह मेरे घर के सामने
क्यों रो रहे हो
हमर कका निपट गे भइया
खूब हंसाते थे
चुप ये हास्य का कोकड़ा है
ठहाकों का परिन्दा है
टेंशन में मत रह
टाईगर अभी जिन्दा है
मेरी पत्नी को एक ने
फोन किया सुने हैं भइया
निपट गए
पत्नी ने कहा
ऐसे हमारे भाग्य कहां है बाबू
रात को आए हैं
पनीर खाए हैं
पीजा उनका पसंदीदा है
टेंशन में तो मैं हूं
टाईगर अभी जिंदा है

आस्तिकता में रचा बसा व्यवस्थित जीवन

सुरेंद्र दुबे जीवन के शुरुआती समय से ही भगवान शिव के कट्टर भक्त रहे। चाहे देश हो या विदेश यात्रा, दुबे जी की अटैची में हमेशा भगवान की प्रतिमा, पूजा का सामान रहता था। बिना पूजा पाठ किए वे कभी कविता पाठ के लिए नहीं गए। संघर्ष के शुरुआती समय में जब एक कवि के तौर पर पैर जमाने के लिए सुरेंद्र दुबे संघर्ष कर रहे थे, तब भी वे भगवान शिव के सामने पूजा पाठ करते हुए एक ही कविता गुनगुनाते थे 'मैं नहीं छोड़ तोला रे, अलबेला भोला'। कविता लिखने पर दुबे जी कविताएं भगवान शंकर और फिर अपनी पत्नी को सुनाते थे। भगवान शिव के प्रति गहरी निष्ठा और सनातन धर्म के प्रति सम्मान जीवन भर कायम रहा। धर्म-कर्म के प्रति आस्था के साथ ही व्यक्तिगत जीवन में भी सभी की परवाह करना उनके व्यवहार में शामिल था। बिजी शेड्यूल के बीच घर पर रहने के दौरान बच्चों को पढ़ाते और बच्चों को कॉलेज-स्कूल में होने वाली डिबेट्स की तैयारी करवाते थे। परिवार के सदस्य बताते है कि घर से बाहर रहने के दौरान कभी भी वे बाहरी खाना खाने से परहेज करते थे।

छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया

उनकी कमी छत्तीसगढ़ और साहित्य जगत के लिए एक क्षति है,उसकी भरपाई करना संभव नहीं है। वे एक महान कवि था उन्होने देश और दुनिया में छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ी कविता का मान बढ़ाने का काम किया । वे अपने कविता में हंसते गुदगुदाते हुए कोई संदेश दे जाते थे वे बहुत सहज सरल प्रकृति के व्यक्ति थे ।

-विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

inh न्यूज
30 अक्टूबर रात 7.55 बजे

बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे

पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे जी से मेरा व्यक्तिगत और आत्मीय संबंध रहा है। आयुर्वेदिक कॉलेज में वे मेरे जूनियर रहे और तभी से हमारा साथ स्नेह, आदर और साहित्यिक जुड़ाव से भरा रहा। डॉ. दुबे बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे। वे चिकित्सक होने के साथ-साथ एक संवेदनशील कवि, व्यंग्यकार और उत्कृष्ट वक्ता भी थे। उन्होंने साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया।

-डॉ. रमन सिंह, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा

छत्तीसगढ़ की एक बड़ी उपलब्धि थे डॉ. सुरेंद्र दुबे

पूरे देश और दुनिया में छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने वाले दुबे जी एक महान कवि थे। उन्होंने मेरे साथ 20 वर्षों तक संस्कृति विभाग में कार्य किया। वे ऐसे प्रतिभाशाली रचनाकार थे, जिन्होंने लाल किले से लेकर राष्ट्रपति भवन तक कविताओं से छत्तीसगढ़ की संस्कृति का गौरव बढ़ाया। वे सचमुच छत्तीसगढ़ की बड़ी उपलब्धि और गौरव थे।

-बृजमोहन अग्रवाल, सांसद

सुरेंद्र दुबे जी की रचनाएं अमर हैं

सुरेंद्र दुबे जी की पंक्तियां आज भी गांव-गांव में लोगों के बीच गूंजती हैं। उनकी रचनाएं लोगों के दिलों में बस गई हैं और समय के साथ और अधिक प्रासंगिक होती जा रही हैं। सच कहा जाए तो उनकी रचनाएं अमर हैं । वे हर पीढ़ी को मुस्कुराने, सोचने और समाज को समझने की प्रेरणा देती हैं।

-विजय शर्मा, उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

आत्मीय और स्नेहिल व्यक्तित्व के धनी थे

सुरेंद्र दुबे जी अत्यंत आत्मीय और स्नेहिल व्यक्तित्व के धनी थे। वे हर व्यक्ति से अपनेपन और सादगी से जुड़ते थे। उनकी कविताएं केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि जीवन के अनुभवों का सजीव चित्रण थीं। वे अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रत्येक युग में जीवित रहेंगे। हास्य और व्यंग्य को जिस सहजता से उन्होंने कविता में पिरोया, वह उन्हें विशिष्ट बनाता है।

-ओपी चौधरी, वित्त मंत्री

सदैव सादगी से भरा जीवन जिया कविता में रमता था उनका मन

वे सादगी से भरा जीवन जीते थे घर का ही खाना खाते थे और बाहर का परहेज करते थे। हमेशा कुछ न कुछ करते रहते, पर मन उनका कविता में रमता था। रोजमर्रा की व्यस्तता के बीच भी जब भी कोई भाव उमड़ता, वे उसे तुरंत कागज पर उतार देते। कविता पूरी होते ही सबसे पहले मुझे सुनाते थे।

-शशि दुबे, पत्नी

संघर्ष को बनाया अपना साथी, सच्ची लगन से पाया मुकाम

सुरेंद्र दुबे जी का जीवन इस बात का प्रतीक है कि सच्ची लगन और जुनून के आगे परिस्थितियां कभी टिक नहीं पातीं। वे बहुत ही साधारण परिवेश में पले-बढ़े, जहां संसाधन कम थे पर सपने बड़े थे। संघर्ष उनका साथी रहा, पर उन्होंने कभी शिकायत नहीं की बल्कि उसी संघर्ष को अपनी प्रेरणा बना लिया। वे अपने हर रिश्ते को आत्मीयता से निभाते थे।

- डॉ. दीनदयाल साहू, वरिष्ठ साहित्यकार

अपनी कमजोरी को ही ताकत बनाया

पिताजी अत्यंत धार्मिक और आध्यात्मिक स्वभाव के व्यक्ति थे। उन्होंने अपने जीवन की हर कमी को कमजोरी नहीं, बल्कि प्रेरणा और ताकत बनाया। कठिन परिस्थितियों में भी उनका विश्वास अटूट रहा, और यही दृढ़ता उन्हें सबके लिए प्रेरणास्रोत बनाती थी।

-डॉ अभिलाषा बेहार , बेटी

दुर्ग में पहली बार मिला मंच

दुबे जी करीब तीस साल दुर्ग में रहे । इस दौरान उनकी लगातार कोशिश काव्य पाठ के लिए बड़ा मंच पाने की थी। दुर्ग में ही गंजपारा दुर्गोत्सव समिति की तरफ से काव्य सम्मेलन का आयोजन होता था। ये आयोजन वर्तमान में भी हर साल होता है। 1991 के उस दौर में दुबेजी ने समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी संतोष रुंगटा से काव्य पाठ का मौका देने का निवेदन किया। समिति के पदाधिकारी दिग्गज कवियों के सामने किसी नए नवेले कवि को मौका देने से हिचकिचा रहे थे। काफी कोशिशों के बाद समिति के सदस्य इस बात पर राजी हुए कि दुबे जी सिर्फ चार पंक्तियां ही पढ़ेंगे। आखिर वो घड़ी आई जिसका दुबे जी लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। कवि सम्मेलन में शुरुआती चार पंक्तियां सुनाते ही हलचल मच गई। श्रोताओं के बीच से आवाज आई। वन्स मोर वन्स मोर। रुंगटा जी की सहमति पर दुबेजी ने अगली चार पक्तियां और सुनाई लेकिन श्रोता कहां मानने वाले थे उन्होने दुबे जी से पूरी कविता सुनकर ही दम लिया। अगले एक घंटे से ज्यादा समय तक चले कविता पाठ पर श्रोता लोटपोट हुए। पहले ही कवि सम्मेलन से दुबेजी ने जबर्दस्त वाहवाही हासिल की ।

'धूमकेतु की तरह उभरे सुरेंद्र दुबे'

दुर्ग के गंजपारा दुर्गोत्सव समिति में एक नए नवेले कवि के शोहरत बटोरने की चर्चा दूर दूर तक होने लगी। इधर रायपुर का एक काव्य मंच भी दुबे जी की आमद का इंतजार कर रहा था । रायपुर के राठौर चौक पर भी भव्य कवि सम्मेलन हुआ करता था । ट्रेनें कैसिल होने के कारण तीन- चार बड़े कवि प्रोग्राम में नहीं पहुंच पाए, जिस पर आयोजकों की चिंता बढ़ गई। आयोजकों ने दुबे जी से संपर्क कर निमंत्रण दिया। यहां भी सुरेंद्र दुबे जी ने जमकर वाहवाही बटोरी। अगले दिन अखबार में हेडिंग थी-एक धूमकेतु की तरह उभरे सुरेंद्र दुबे..बड़े कवियों की कमी महसूस नहीं होने दी ।

थमा हंसी और ठहाकों का सफर

पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे जी को शायद अपने अंतिम समय का आभास पहले से हो गया था। अपनी आखिरी पुस्तक 'मैं छत्तीसगढ़ बोलता हूं' की आखिरी दो कविताओं में इसकी झलक मिलती है -कविता 'जा रहे हो सफर में' में कवि कुछ यूं लिखते है

जा रहे हो सफर में ?
हॉ जा रहा हूं सफर में
रख लिया
रात का खाना ?
पहनने के कपड़े ?
टिकट के पैसे
संभालकर जेब में
हॉ जा रहा हूं सफर में पर रखा नहीं
रात का खाना
पहनने के कपड़े
टिकट के पैसे
मुझे नहीं मालूम मैं किस सफर पर जा रहा हूं
और यह भी नहीं मालूम कि
कब लौटकर आ रहा हूं

जीवन भर छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ी का झंडा बुलंद रखने वाले इस महाकवि ने समूचे काव्यजगत, स्नेहीजनों और परिवार को रुंआसा कर दिया । बेचैनी और सीने में दर्द की शिकायत पर परिजन 24 जून 2025 की रात 11 बजे अस्पताल लेकर गए । सभी को पूरा यकीन था कि चैकअप के बाद डिस्चार्ज होकर वे घर लौट आएंगे लेकिन नियति को कुछ ही मंजूर था । 26 जून को देश- प्रदेश के जनमन की आवाज बुलंद करने वाले इस महाकवि ने हमसे विदा ली । निश्चित तौर पर 'टाइगर अभी जिंदा है' हमारी यादों में । 'टाइगर जिंदा है' उनके रचे साहित्य में ।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com